THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 49 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.4 2082 शुक्रवार, 16 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत के यूएस पर टैरिफ न लगाने वाले ट्रंप के बयान पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोहा में दावा किया कि भारत ने अमेरिका पर कोई भी टैरिफ न लगाने पर सहमति जताई है। इसे लेकर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी इस मामले में चुप क्यों हैं? इसका ऑपरेशन सिंदूर रोके जाने से क्या संबंध है? अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में पूछा, कि वाणिज्य मंत्री वाशिंगटन डीसी में हैं और राष्ट्रपति ट्रंप ने दोहा से एक और बड़ी घोषणा की है। इस पर हमारे प्रधानमंत्री पूरी तरह से चुप हैं। उन्होंने किस बात पर सहमति जताई है और इसके व ऑपरेशन सिंदूर को रोके जाने के बीच क्या संबंध है?

‘उन्होंने धर्म पूछकर मारा, हमने कर्म देखकर’

श्रीनगर में बोले राजनाथ सिंह

श्रीनगर, 15 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को जम्मू कश्मीर में सुरक्षा और सशस्त्र बलों की युद्ध संबंधी तैयारियों की समीक्षा के लिए पहुंचे। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के ठिकानों को निशाना बना कर ‘ऑपरेशन सिंदूर’ शुरू किए जाने के बाद से यह रक्षामंत्री की केंद्र शासित प्रदेश की पहली यात्रा है। अधिकारियों ने बताया कि सिंह जम्मू कश्मीर में समग्र सुरक्षा स्थिति और सशस्त्र बलों की युद्ध संबंधी तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

श्रीनगर की बादामी बाग छावनी में राजनाथ सिंह ने कहा, सबसे पहले, मैं आतंकवाद और आतंकवादियों से लड़ते हुए बहादुर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करना चाहता हूं। मैं उनकी स्मृति को सम्मान देता हूं। मैं पहलगाम में मारे गए निर्दोष नागरिकों को भी सम्मान देता हूं। मैं घायल सैनिकों की वीरता को भी सलाम करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। श्रीनगर पहुंचे रक्षामंत्री ने जम्मू-कश्मीर में गिराए गए पाकिस्तानी गोले का निरीक्षण किया। बादामी बाग छावनी में कुछ मलबा प्रदर्शित किया गया है।

मैं उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं जिसने दुश्मनों को तबाह कर दिया

रक्षामंत्री ने कहा, पहलगाम हमले के बाद जिस तरह से जम्मू-कश्मीर के लोगों ने पाकिस्तान और आतंकवादियों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी सलाम करता हूं।

मैं यहां उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं जिसने दुश्मनों को तबाह कर दिया। जिस तरह से आपने सीमा पार पाकिस्तानी चौकियों और बंकरों को नष्ट किया, मुझे लगता है कि दुश्मन इसे कभी नहीं भूल पाएंगे। बादामी बाग छावनी में राजनाथ सिंह ने कहा, ऐसी विपरीत परिस्थितियों के बीच आपके बीच आकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आप सभी ने जो कुछ भी किया, उस पर पूरे देश को गर्व है। >14

सुप्रीम कोर्ट की ओर से समयसीमा तय किए जाने पर राष्ट्रपति ने उठाए सवाल

कहा-संविधान में ऐसा प्रावधान नहीं

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सवाल उठाए हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ। अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा कि देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में की थीं अहम टिप्पणियां :

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में ये भी कहा कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। अगर विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है। >14

मणिपुर के चंदेल में 10 उग्रवादी ढेर

इंफाल, 15 मई (एजेंसियां)। मणिपुर के चंदेल जिले में गुरुवार को असम राइफल्स और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए। भारत-म्यांमार बॉर्डर पर सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना की ईस्टर्न कमान ने बताया- 14 मई को न्यू समताल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधि की जानकारी मिली थी। इसके बाद असम राइफल्स की यूनिट ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान उग्रवादियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में 10 उग्रवादी मारे गए। इनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं।

इधर, सुरक्षाबलों ने मणिपुर के 4 जिलों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां थोउबाल, काकचिंग, बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों से हुई हैं। कोहिमा में रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) ने बताया कि इलाके में ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। जैसे ही ऑपरेशन पूरा होगा, पूरी जानकारी साझा की जाएगी। मुठभेड़ चंदेल जिले के पहाड़ी इलाके में भारत-म्यांमार अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर के करीब हुई है। यह इलाका राजधानी इंफाल से 130 किलोमीटर दूर है और यहां बहुत कम लोग रहते हैं।

‘पाकिस्तान से केवल आतंकवाद और पीओके खाली करने पर होगी बात’

> संघर्ष विराम के बाद बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम के बाद उठ रहे सवालों का विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध और व्यवहार पूरी तरह से द्विपक्षीय होंगे। इसमें बिल्कुल भी बदलाव नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री ने भी स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ अब बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके खाली करने पर होगी।

होंडुरास के दूतावास के उद्घाटन के अवसर पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के पास आतंकवादियों की एक सूची है जिसे उसे हमें सौंपना होगा। साथ ही उसे आतंकियों के बुनियादी ढांचे को बंद करना होगा। वे जानते हैं कि क्या करना है। हम उनके साथ आतंकवाद के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ये वे वार्ताएं हैं जो संभव हैं। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को रोका जाता। कश्मीर पर चर्चा के लिए केवल एक ही बात बची है, वह है पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना। हम इस चर्चा के लिए तैयार हैं। संघर्ष विराम को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि यह साफ है कि गोलीबारी बंद करने की मांग कौन कर रहा था। हमने आतंकी ढांचे को नष्ट करके जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है। ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह अलग खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। उन्होंने उस सलाह को न मानने का फैसला किया। एक बार 10 मई की सुबह उन्हें बुरी तरह से नुकसान पहुंचा।

डीआरडीओ की बड़ी सफलता : समुद्री जल को मीठे पानी में बदलने की स्वदेशी तकनीक विकसित की

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। डीआरडीओ ने स्वदेशी नैनोपोरस मल्टीलेयर्ड पॉलीमर झिल्ली को विकसित करने में सफलता पाई है। यह समुद्री पानी को मीठे पानी में बदलने की तकनीक है। इससे भारतीय तटरक्षक बल को काफी फायदा होगा।

डीआरडीओ की कानपुर स्थित डिफेंस मैटेरियल स्टोर्स एंड रिसर्च एंड डेवलपमेंट लैब द्वारा भारतीय तटरक्षक बल के साथ मिलकर इस नैनोपोरस मल्टीलेयर्ड पॉलीमर झिल्ली का विकास किया गया है। खास बात ये है कि इस झिल्ली का निर्माण रिकॉर्ड आठ महीने में किया गया है। अभी तटरक्षक बल के ऑफशोर पेट्रोलिंग वेसल पर मौजूद समुद्री जल को मीठे पानी में बदलने वाले प्लांट में इस तकनीक का परीक्षण चल रहा है। अभी तक के परीक्षण में संतोषजनक नतीजे मिले हैं। हालांकि इस तकनीक को मंजूरी के लिए तटरक्षक बल कम से कम 500 घंटे का परिचालनात्मक परीक्षण करेगा।

‘इस लड़ाई को पूरी ताकत से लड़ेंगे’

चेन्नई, 15 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सवाल उठाए हैं। अब इस पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले में राष्ट्रपति के संदर्भ पर नाराजगी जाहिर की है और केंद्र सरकार पर आरोप लगाए। स्टालिन ने कहा कि मैं केंद्र सरकार के राष्ट्रपति संदर्भ की कड़ी निंदा करता हूं, जो माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तय की गई संवैधानिक स्थिति को उलटने का प्रयास है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने अपने बयान में कहा कि तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को केंद्र सरकार पलटना चाहती है। इससे ये साफ हो गया है कि तमिलनाडु राज्यपाल ने भाजपा के इशारे पर काम किया और लोगों के जनमत को कमतर किया। स्टालिन ने कहा कि यह लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को कमजोर करने और उन्हें राज्यपालों के नियंत्रण में देने की कोशिश है, जो केंद्र सरकार के एजेंट की तरह काम करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को निर्देश : बाल यौन अपराधों से निपटने के लिए विशेष पॉक्सो अदालतें स्थापित करे

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामलों से विशेष रूप से निपटने के लिए ‘सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर’ समर्पित पॉक्सो अदालतें स्थापित करे। दरअसल शीर्ष अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें बच्चों के यौन शोषण की घटनाओं की संख्या में चिंताजनक वृद्धि को रेखांकित किया गया था।

न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने गुरुवार को कहा कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के मामलों के लिए विशेष अदालतों की संख्या अपर्याप्त होने के कारण, कानून के तहत सूनवाई को पूरा करने के लिए निर्धारित समयसीमा का पालन नहीं हो पा रहा है।

पॉक्सो मामलों की सुनवाई के लिए समर्पित अदालतें बनाए केंद्र :

पीठ ने कहा, इसलिए यह अपेक्षा की जाती है कि भारतीय संघ और राज्य सरकारें पॉक्सो मामलों की जांच से जुड़े अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए उचित कदम उठाएंगी। और सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पॉक्सो मामलों की सुनवाई के लिए समर्पित अदालतें भी बनाई जाएंगी। शीर्ष अदालत ने कानून में निर्धारित अनिवार्य अवधि के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने के अलावा निर्धारित समय सीमा के भीतर मुकदमे की सुनवाई पूरा करने का भी निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिकांश राज्यों ने केंद्र से वित्त पोषण प्राप्त कर पॉक्सो मामलों के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने के निर्देशों का अनुपालन किया है, जबकि तमिलनाडु, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और कुछ अन्य राज्यों ने ऐसा नहीं किया है। ऐसे मामलों की बड़ी संख्या को देखते हुए अधिक पॉक्सो अदालतों की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता एवं न्यायमित्र वी गिरी और वरिष्ठ अधिवक्ता उत्तरा बब्बर को पॉक्सो अदालतों की स्थिति पर राज्यवार ब्यौरा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन जिलों में पॉक्सो एक्ट के तहत 300 से अधिक मामलों की लंबित सुनवाई हो, वहां दो विशेष अदालतें स्थापित की जाएं। साथ ही, कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि जुलाई 2019 में दिए गए आदेश के तहत प्रत्येक जिले में 100 से अधिक एफआईआर वाले मामलों के लिए एक विशेष अदालत ही नियुक्त की जाएगी।

मैंने भारत की बात की, पार्टी की नहीं : शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम, 15 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर, भारत-पाकिस्तान तनाव या फिर संघर्ष विराम को लेकर दिए गए अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राय थी, पार्टी की आधिकारिक राय नहीं। थरूर ने कहा कि मैंने जो कुछ भी कहा, वह एक भारतीय के तौर पर कहा। न तो मैं पार्टी का प्रवक्ता हूं और न ही सरकार का। जो भी कहा है, उसकी जिम्मेदारी मेरी है, आप सहमत हों या असहमत, यह मेरा व्यक्तिगत दृष्टिकोण है।

देश के झंडे के पीछे एकजुटता की जरूरत :

थरूर ने आगे स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने बयान में यह साफ कर दिया था कि यह राष्ट्रीय विमर्श में उनका व्यक्तिगत योगदान है, खासकर ऐसे समय में जब हमें देश के झंडे के पीछे एकजुट होने की जरूरत है, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी। उन्होंने कहा कि अमेरिका, यूरोप और मध्य-पूर्व में हमारे पक्ष की बात कम सुनाई दे रही थी।

किस तरह के बयान दे रहे, आप तो सरकार के एक जिम्मेदार मंत्री हैं : विजय शाह को ‘सुप्रीम’ फटकार

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। कर्नल सोफिया कुरैशी को निशाना बनाकर की गई अपनी कथित विवादास्पद टिप्पणी मामले में मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह को करारा झटका लगा है। कोर्ट से गुरुवार को उन्हें कोई राहत नहीं मिली। दरअसल, आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए एफआईआर दर्ज करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिका में विजय शाह ने एफआईआर पर रोक लगाने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कल यानी 16 मई को कुंवर विजय शाह की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 14 मई को शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। शाह ने भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में मीडिया को जानकारी देने वाली भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कुंवर विजय शाह को फटकार लगाते हुए कहा कि जब देश ऐसी स्थिति से गुजर रहा है, तो संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को जिम्मेदार होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्हें पता होना चाहिए कि वह क्या कह रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के समक्ष मामले को तत्काल सुनवाई के लिए पेश किया गया। सीजेआई ने शाह के वकील से कहा, आप किस तरह के बयान दे रहे हैं। आप सरकार के एक जिम्मेदार मंत्री हैं। इस पर वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता एफआईआर पर रोक लगाने की मांग कर रहा है। पीठ ने कहा कि याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। विजय शाह उस समय सुर्खियों में आ गए, जब एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें उन्हें ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए दिखाया गया। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने विजय शाह को कर्नल कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने और गटर की भाषा का इस्तेमाल करने के लिए फटकार लगाई थी।

पाकिस्तान को मिला अजरबैजान का साथ

भारत के खिलाफ नाकाम सैन्य अभियान की जमकर तारीफ की

इस्लामाबाद, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान को भारत के खिलाफ कट्टर इस्लामी देश अजरबैजान का खुला समर्थन मिला है। अजरबैजान ने भारत के खिलाफ सैन्य अभियान को लेकर पाकिस्तान की जमकर तारीफ की है। ऐसे में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अजरबैजान को धन्यवाद दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शहबाज ने अजरबैजानी राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव को पाकिस्तान और भारत के बीच हाल ही में हुए सैन्य संघर्ष के दौरान अपने देश के दृढ़ समर्थन के लिए धन्यवाद दिया है। अजरबैजान ने पहले भी बयान जारी कर पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। इतना ही नहीं, उसने भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विरोध भी जताया था।

शहबाज ने अजरबैजान को शुक्रिया कहा :

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, गुरुवार दोपहर अलीयेव के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान शहबाज शरीफ ने हाल ही में हुए संकट के दौरान पाकिस्तान के साथ दृढ़ता से खड़े रहने के लिए अपना गहरा आभार व्यक्त किया। शहबाज ने अलीयेव के दृढ़ समर्थन को पाकिस्तान के लोगों के प्रति उनके महान प्रेम और स्नेह का एक और प्रदर्शन कहा।

वहीं, अलीयेव ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान के हमले का समर्थन किया और शहबाज शरीफ को बधाई दी। उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्धविराम समझौते का स्वागत किया और पाकिस्तान की आक्रामक हरकतों की जमकर तारीफ भी की। इस दौरान अलीयेव ने कहा कि अज़रबैजान सभी क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ अपने भाईचारे के संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री शहबाज ने पाकिस्तान के साथ एकजुटता की उनकी जबरदस्त अभिव्यक्ति के लिए अजरबैजान के भाईचारे वाले लोगों को भी धन्यवाद दिया। कट्टर इस्लामी राष्ट्र अजरबैजान इल्हाम अलीयेव के कार्यकाल में पाकिस्तान के ज्यादा करीब आया है। इस देश का पाकिस्तान के साथ रणनीतिक और रक्षा संबंध काफी मजबूत हुए हैं।

अब भारतीय हवाई अड्डों पर काम नहीं कर पाएगी तुर्किये की कंपनी सेलेबी

केंद्र ने रद्द की सुरक्षा मंजूरी

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारतीय हवाई अड्डे पर तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। यह जानकारी एक आधिकारिक आदेश के जरिए दी गई। विमानन मंत्रालय के आदेश में कहा गया, सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को ग्राउंड हैंडलिंग की सुरक्षा मंजूरी 21 नवंबर 2022 को दी गई थी, उसे अब देश की सुरक्षा के हित में तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है। भारत और पाकिस्तान के हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को खुला समर्थन दिया था। यही नहीं, पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ तुर्किये के ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया। यही नहीं, तुर्किये ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत की सैन्य कार्रवाई की भी निंदा की थी।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम में मध्यस्थता के बयान से पलटे ट्रंप

कहा-मैंने समस्या सुलझाने में मदद की

दोहा, 15 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में मध्यस्थता का दावा करने वाले अपने बयान से अब पलट गए हैं। कतर में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को दूर में करने में मदद की थी।

कतर में अल-उदीद एयर बेस पर अमेरिकी सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने मध्यस्थता की, लेकिन मैंने पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में मदद की, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी। यह छठी बार है जब ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच युद्धविराम कराया। ट्रंप ने कहा कि अचानक आपको एक अलग प्रकार की मिसाइलें दिखाई देने लगेंगी। हमने इसे सुलझा लिया है। मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं जाऊंगा और दो दिन बाद यह पता चलेगा कि यह सुलझा नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सुलझा हुआ है। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों से व्यापार के बारे में बात की। ट्रंप ने कहा कि मैंनें दोनों देशों से कहा कि युद्ध के बजाय व्यापार करें। पाकिस्तान इससे बहुत खुश था और भारत भी इससे बहुत खुश था। मुझे लगता है कि वे इस रास्ते पर हैं। सभी जानते हैं कि वे लगभग एक हजार साल से लड़ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मैं कुछ भी सुलझा सकता हूं। चलो उन सभी को एक साथ लाते हैं। भारत पाकिस्तान कब से लड़ रहे हैं? लगभग 1,000 साल से। लेकिन हमने इसे सुलझा लिया। कोई भी भारत पाकिस्तान तनाव से बहुत खुश नहीं था। ऐसा लग रहा था कि यह वास्तव में नियंत्रण से बाहर होने वाला था। बीते शनिवार को ट्रंप ने घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान एक ‘पूर्ण और त्वरित संघर्षविराम’ पर सहमत हो गए हैं, जो अमेरिका की मध्यस्थता में पूरी रात की बातचीत के बाद हुआ।

‘मैं नहीं चाहता एपल भारत में आईफोन बनाए, वे अपना ख्याल खुद रख सकते हैं’

दोहा, 15 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक से बात की है और उनसे भारत में एपल के उत्पादन का विस्तार न करने के लिए कहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने दोहा में एक कार्यक्रम में टिम कुक से कहा कि हमें आपके भारत में निर्माण करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे अपना ख्याल खुद रख सकते हैं। वे बहुत अच्छा कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने कहा है कि इस बातचीत के बाद एपल अमेरिका में अपना उत्पादन बढ़ाएगा। हालांकि, उन्होंने चर्चा के परिणाम या भारत में एपल की योजनाओं में किसी भी बदलाव के बारे में और विवरण साझा नहीं किया। ट्रंप की टिप्पणी भारत की ओर से अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने की चेतावनी के कुछ ही दिनों बाद आई है। भारत का यह प्रस्ताव अमेरिका की ओर से भारतीय स्टील और एल्युमीनियम निर्यात पर शुल्क बढ़ाने के जवाब में दिया गया था।

इंदौर में 17 साल की छात्रा ने किया सुसाइड

घर पर अकेली थी, फांसी के फंदे पर लटकी मिली

इंदौर, 15 मई (एजेंसियां)। इंदौर के हीरानगर क्षेत्र में 17 वर्षीय बीई की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के वक्त वह घर में अकेली थी। शाम को बारिश के दौरान जब बिजली गई, तो सामने रहने वाली बुआ बाहर निकलीं। उन्होंने जब भतीजी को बाहर नहीं देखा तो आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। घर के अंदर जाकर देखा तो छात्रा फंदे पर लटकी मिली। पुलिस के मुताबिक छात्रा का नाम प्रीति चौहान (17) है, जो हीरानगर के जाम का बगीचा इलाके में अपने परिवार के साथ रहती थी। वह मालवा इंस्टीट्यूट से बीई फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही थी। परिजन उसे पढ़ाई में बेहद होशियार बताते हैं और उसका सपना अफसर बनने का था। प्रीति के पिता नरेश चौहान बड़े वाहनों की बॉडी बनाने का काम करते हैं। घटना के समय वह काम पर थे और बड़ी बेटी नौकरी पर गई थी। मां, छोटा भाई और बहन इसरपुर (सिहोर) में रिश्तेदारी में गए हुए थे। प्रीति का बैग और मोबाइल पुलिस ने जब्त कर लिया है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। हीरानगर पुलिस के अनुसार, मोबाइल की जांच से कुछ अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

वक्फ कानून पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा

अभी हम मूल सवाल पर विचार करेंगे, अगली सुनवाई 20 मई को

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में आज यानी गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ इस अहम मामले की सुनवाई की। एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकार ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है। कोर्ट ने पूछा कि क्या अभी इस केस में अंतरिम राहत के लिए सुनवाई हो रही है? तुषार मेहता ने कहा कि अगर कोर्ट अंतरिम आदेश पर विचार करे, तो उसमें भी ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। एसजी तुषार मेहता ने कहा कि वो भी याचिकाकर्ताओं की तरह अपने जवाब को लेकर संक्षिप्त नोट दाखिल करने को तैयार है। याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल ने कहा कि हमने संक्षिप्त नोट तैयार किया है, जिसे हम एसजी तुषार मेहता से शेयर कर सकते हैं। एसजी तुषार मेहता ने कहा कि इस मामले में बड़ी संख्या में फाइल हुई है। ये कोर्ट पर निर्भर करता है कि वो सुने या नहीं, लेकिन मेरी राय में वो नहीं सुनी जानी चाहिए (यानी मुख्य याचिकाओं पर सुनवाई हो)

कुछ मनमाने प्रावधान बने हुए हैं: विष्णु शंकर जैन

वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि हमने अपनी याचिका में यह बात रखी है कि वक्फ एक्ट में बदलाव के बावजूद इसके कुछ मनमाने प्रावधान बने हुए हैं, हमने पहले भी उन्हें रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट हमारी मांग पर विचार करें। चीफ जस्टिस ने कहा कि अभी हम मूल सवाल पर विचार करेंगे (क्या वक्फ कानून में जो बदलाव किए हैं, वो संवैधानिक है या नहीं)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) ने वकील विष्णु जैन से कहा कि आपकी मांग पर अंतरिम राहत के लिए कोई जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार यानी 20 मई को अगली सुनवाई की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसजी तुषार मेहता पहले ही पिछली सुनवाई में आश्वस्त कर चुके हैं (वक्फ एक्ट के कुछ प्रावधान लागू नहीं होंगे।) ये व्यवस्था अभी लागू रहेगी। इस पर अगर पालन नहीं होता तो कोर्ट देखेगा। एसजी ने भी आश्वस्त किया कि कोर्ट को दिए सरकार के आश्वासन पर अमल होगा।

17 अप्रैल को हुई थी सुनवाई

पहले इन याचिकाओं पर पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ सुनवाई कर रही थी। हालांकि, न्यायमूर्ति खन्ना 13 मई को सेवानिवृत्त हो गए, जिसकी वजह से अब एक नई पीठ का गठन किया गया है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में पिछली सुनवाई 17 अप्रैल को की थी। उस दौरान, अदालत ने केंद्र सरकार का आश्वासन दर्ज किया था कि वह 05 मई तक वक्फ बाय यूजर समेत वक्फ की संपत्तियों को न तो गैर-अधिसूचित करेगी और न ही केंद्रीय वक्फ परिषद व बोर्ड में कोई नियुक्ति करेगी।

सुनवाई के दौरान पूर्व सीजेआई ने क्या कहा था?

सुप्रीम कोर्ट ने 17 अप्रैल की सुनवाई में इशारा किया था कि वह वक्फ अधिनियम, 2025 के कुछ हिस्सों पर रोक लगाने पर विचार कर रहा है, जिसमें 'वक्फ-बाय-यूजर' का कॉन्सेप्ट, वक्फ बोर्ड्स में गैर-मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व और विवादित वक्फ भूमि की स्थिति को बदलने के लिए कलेक्टर को दिए गए अधिकार शामिल हैं। भारत के पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने टिप्पणी करते हुए कहा था, हम आम तौर पर चुनौती के इस चरण में किसी कानून पर रोक नहीं लगाते हैं, जब तक कि असाधारण परिस्थितियां न हों। यह एक अपवाद नजर आता है। हमारी फिक्र यह है कि अगर 'वक्फ-बाय-यूजर' को गैर-अधिसूचित किया जाता है, तो इसके बहुत बड़े नतीजे हो सकते हैं। सुनवाई कर रही बेंच में जस्टिस पी वी संजय कुमार और के वी विश्वनाथन भी शामिल थे।

संगरूर जेल परिसर से चल रहा थी तस्करी रैकेट: डीएसपी भी शामिल था, परिजनों के यूपीआई खातों से ले रहा था भुगतान

चंडीगढ़, 15 मई (एजेंसियां)। संगरूर पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए जेल परिसर के अंदर से संचालित हो रही एक संगठित तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर जेल के अंदर छापेमारी की गई, जिसमें 9 मोबाइल फोन, 4 स्मार्टवॉच, 50 ग्राम अफीम और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं बरामद की गईं। प्रारंभिक जांच में एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की संलिप्तता सामने आई, जो इस तस्करी को अंजाम देने में मदद कर रहा था। जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने अमृतसर से मनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया, जो वर्तमान में संगरूर जेल में बंद कैदी गुरविंदर सिंह का सहयोगी है। मनप्रीत सिंह के पास से पुलिस ने 4 किलो हेरोइन, 5.15 लाख नगद (ड्रग मनी), एक ग्लॉक पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए।

पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा के बेटे गगन का निधन, 20 साल से थे व्हीलचेयर पर

इंदौर, 15 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह वर्मा के 48 वर्षीय पुत्र गगन वर्मा का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से वर्मा परिवार के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में शोक की लहर फैल गई है। गगन की अंतिम यात्रा उनके निज निवास 122 पलसीकर कॉलोनी से 15 मई 2025 (गुरुवार) दोपहर 3 बजे रीजनल पार्क मुक्तिधाम, पिपलियापाला के लिए निकली। परिजनों के अनुसार, गगन वर्मा करीब 20 साल पहले एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

इस हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी को गहरा नुकसान पहुंचा, जिससे वह जीवन भर के लिए व्हीलचेयर पर निर्भर हो गए। इसके बावजूद उन्होंने जीवन को सकारात्मक रूप से जिया और परिवार के अत्यंत प्रिय सदस्य बने रहे। बीते तीन-चार महीनों से गगन की तबीयत लगातार बिगड़ रही थी। उन्हें बेहतर इलाज के लिए बॉम्बे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, कुछ दिनों से उनकी स्थिति अत्यंत नाज़ुक बनी हुई थी और गुरुवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका निधन पूरे परिवार के लिए गहरी पीड़ा और शोक का कारण बना है। गगन वर्मा के निधन से सज्जन सिंह वर्मा सहित पूरा वर्मा परिवार शोकग्रस्त है। गगन एक स्पेशल चाइल्ड थे और परिवार में अत्यधिक लाड़-प्यार में पले थे। उनके निधन पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी और कई वरिष्ठ नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। राजनीतिक, सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर उनके योगदान और उपस्थिति को हमेशा याद किया जाएगा।

टीएमसी विधायक तापस साहा का निधन, ब्रेन हैमरेज के बाद कोलकाता में ली अंतिम सांस

कोलकाता, 15 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक तापस साहा का गुरुवार सुबह कोलकाता के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उन्हें ब्रेन हैमरेज (मस्तिष्काघात) हुआ था, उनकी उम्र 66 साल थी। बता दें कि तापस साहा पश्चिम बंगाल के नदिया जिले की तेहट्टा विधानसभा सीट से विधायक थे। मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें ईएम बायपास के पास स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और गुरुवार तड़के उनका निधन हो गया।

पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर

तापस साहा के निधन से नदिया जिले और पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक की लहर फैल गई। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छपरा से विधायक रुकबानुर रहमान ने बताया कि कई जिला स्तर के नेता कोलकाता पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें मंगलवार को ब्रेन स्ट्रोक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आज सुबह उनका निधन हो गया। अंतिम संस्कार की जानकारी परिवार और पार्टी की सलाह के बाद दी जाएगी।

ममता के करीबी माने जाते थे तापस

तापस साहा पार्टी के शुरुआती दौर के नेताओं में से थे और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी माने जाते थे। 2011 में जब उन्हें तेहट्टा से टिकट नहीं मिला, तो उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा और इसके चलते उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें पार्टी में वापस ले लिया गया, जिसके बाद 2016 में उन्होंने पलाशीपाड़ा से टीएमसी के टिकट पर जीत दर्ज की और 2021 में तेहट्टा से विधायक बने। यह उनकी लगातार दूसरी जीत थी। उनके निधन को पार्टी के लिए बड़ी क्षति माना जा रहा है।

मेंढर और पुंछ में लोगों की मदद में जुटी भारतीय सेना की रोमियो फोर्स, घर-घर जाकर लोगों की मदद

जम्मू, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की ओर से 9 मई को हुई भारी गोलाबारी के बाद भारतीय सेना की रोमियो फोर्स ने मेंढर और पुंछ के सीमावर्ती इलाकों में मानवीय सहायता पहुंचाने की पहल की है। सेना के जवान घर-घर जाकर प्रभावित परिवारों को जरूरी राहत सामग्री, दवाइयां और राशन उपलब्ध करवा रहे हैं। गोलाबारी में कई घरों को नुकसान पहुंचा है। सेना के जवानों ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनका हाल जाना और आगे की जरूरतों का आकलन किया। यह पहल सेना के उस निरंतर अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को हरसंभव सहायता दी जा रही है। स्थानीय निवासियों ने सेना की त्वरित प्रतिक्रिया और सतत उपस्थिति पर राहत और आभार जताया है। एलओसी पर बढ़े हुए तनाव के बीच सेना हाई अलर्ट पर है और यह सुनिश्चित कर रही है कि सहायता सबसे पहले ज़रूरतमंदों तक पहुंचे। प्रशासन भी हालात का जायजा ले रहा है और नुकसान का मूल्यांकन जारी है।

फैक्ट्री के सीवेज टैंक में देर रात हुआ विस्फोट 20 लोग घायल, इलाके के घरों में घुसा पानी

कुड्डालोर, 15 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले के मुधुनागर के पास कुडिकाडु इलाके में एक फैक्ट्री में देर रात एक सीवेज टैंक फट गया, जिससे 20 लोग घायल हो गए। घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टैंक से पानी रिसने के कारण इलाके के घरों को भी नुकसान पहुंचा और पानी गांव में घुस गया। घटना बुधवार देर रात की है। घायलों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस विस्फोट ने न सिर्फ फैक्ट्री परिसर को भारी नुकसान पहुंचा है, बल्कि इससे आस-पास के आवासीय क्षेत्र भी प्रभावित हुए हैं। जाकारी के अनुसार, विस्फोट के कारण टैंक से जहरीला पानी लीक हो गया, जिससे आस-पास के घरों में पानी भर गया और गांव की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। सीवर टैंक में विस्फोट के बाद रात भर बचाव अभियान चलाया गया। स्थानीय अधिकारी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने सुरक्षा और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता जाहिर की है। विस्फोट का सही कारण अभी भी जांच के दायरे में है। राज्य की एक अन्य खबर में बीते दिनों चेन्नई में क्रिकेट प्रतियोगताओं का आयोजन किए जाने पर बम विस्फोट की धमकी मिली थी। मामले की जांच के आदेश दे दिए गए।

सोफिया कुरैशी मामले को लेकर विजय शाह पर भड़के संजय राउत

'ऐसा मंत्री कभी देशभक्त नहीं हो सकता

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की ओर से कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए विवादित बयान को लेकर शिवेसना-यूबीटी के सांसद संजय राउत ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि 'यह जो विजय शाह है, ऐसी ही बात करेगा। कोई भी शाह देशभक्त नहीं हो सकता है। सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बोला जा रहा है, अगर उसको नहीं हटाया जाता है तो वहां पर राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए।' संजय राउत ने कहा, सोफिया कुरैशी का अपमान करके विजय शाह ने राष्ट्रद्रोह किया है। पूरा देश सोफिया कुरैशी का अभिनंदन कर रहा है और विजय शाह उनके बारे में ऐसी बात कर रहे हैं। विजय शाह को तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। विजय शाह ने पहले शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ भी आपत्तिजनक बात की थी।

मोदी देश की बदनाम करा रहे हैं- संजय राउत

इसके अलावा भारत और पाक के बीच हुए सीजफायर पर संजय राउत ने कहा कि जैसे भगवान राम जब वनवास गए थे, तब अयोध्या का राज-काज प्रभु राम के खड़ाऊ को रखकर चलाया जा रहा था, क्या वैसे ही अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जूते रखकर भारत को चला रहे हैं? जो भारत गुलामी में ब्रिटेन से नहीं डरा, आज मोदी के राज में ट्रंप से डर गया है। मोदी देश की बदनाम करा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ट्रंप के खिलाफ कुछ भी बोलने की हिम्मत देश के प्रधानमंत्री की नहीं हो पा रही है। ट्रंप बार-बार बोल रहा है कि उसकी वजह से युद्धविराम हुआ है, ऐसा बोलने वाला वह कौन होता है। मोदी और अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए। देश से माफी मांगनी चाहिए। पीएम देश से झूठ बोल रहे हैं। हमारी फौज की टांग खींचकर पीछे लाया जा रहा है।

बीजेपी को डोनाल्ड ट्रंप यात्रा निकालनी चाहिए- संजय राउत

शिवेसना-यूबीटी नेता ने कहा कि बार-बार ट्रंप कह रहा है कि उसकी वजह से युद्धविराम हुआ है, लेकिन मोदी उसके खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलते। अमित शाह सिर्फ विपक्षी पार्टियों को ही तोड़ सकते हैं, इनकी औकात नहीं है कि पाकिस्तान को तोड़ सकें। बीजेपी जो यह तिरंगा यात्रा निकाल रही है। इसको तो डोनाल्ड ट्रंप यात्रा निकालनी चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने मेवाती गैंग के दो सदस्यों को पकड़ा एटीएम उखाड़ने और गो-तस्करी में थे शामिल

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बेहद शातिर और कुख्यात गैंग पर बड़ी चोट करते हुए दो ऐसे बदमाशों को धर दबोचा है, एटीएम उखाड़ने के मास्टरमाइंड और गो-तस्करी के भी संगीन मामलों में वांछित थे। पकड़े गए दोनों आरोपी साबिर उर्फ एटीएम किंग और साथी मुनफेद, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान की पुलिस को लंबे समय से चकमा देते आ रहे थे। क्राइम ब्रांच को सूत्रों से सूचना मिली थी कि मेवाती गैंग के दो सदस्य एक बोलेरो कार में दिल्ली की ओर बढ़ रहे हैं। टीम ने बिजवासन-नजफगढ़ रोड पर बामनौली गांव के पास जाल बिछाया। जैसे ही कार वहां पहुंची, टीम ने मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी में दोनों के पास से लोडेड विदेशी पिस्टल बरामद हुई। आरोपी साबिर 2017 से अपराध की दुनिया में सक्रिय और आधा दर्जन से ज्यादा एटीएम मशीनें उखाड़ चुका है। 2022 में उसने हरियाणा में कोर्ट के पास एसबीआई का एटीएम उखाड़ा था और राजस्थान में एक ही रात दो एटीएम पर धावा बोला। एक में 12 लाख रुपये से ज्यादा की लूट की गई थी। सिर्फ एटीएम चोरी ही नहीं, साबिर और उसके साथी गो-तस्करी जैसे संवेदनशील अपराधों में भी लिप्त हैं। 2024 में हरियाणा के धारूहेड़ा में इन बदमाशों की गाड़ी से दो गायें और दो बैल बरामद किए गए थे, जिनके पैर बंधे हुए थे।

मौके से साबिर फरार हो गया था, लेकिन उसके साथी दबोचे गए थे। साल 2015 में, नाबालिग होने के बावजूद वह राजस्थान पुलिस के साथ मुठभेड़ में शामिल था और फिर बाल सुधार गृह भेजा गया था। बाद में उसने गो-तस्करी के मामलों में जेल की हवा खाई। साबिर से संपर्क में आने के बाद मुनफेद एटीएम चोरी की दुनिया में उतर गया। गैंग का नेटवर्क कई राज्यो में फैला हुआ है

लोकायुक्त ने पूरे राज्य में कर दी छापेमारी

कई सरकारी विभागों के कर्मचारी जांच के दायरे में

बेंगलूरू, 15 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में लोकायुक्त पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को लोकायुक्त की टीम ने राजधानी बेंगलुरू समेत पूरे राज्य भर के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी की है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, लोकायुक्त के जांच के घेरे में कई सरकारी विभाग के कर्मचारी आए हैं। राज्य भर में लोकायुक्त की छापेमारी चल रही है। आइए जानते हैं कि इस बारे में क्या अपडेट निकल कर सामने आए हैं। लोकायुक्त की टीम बेंगलुरु और कर्नाटक के अन्य भागों में सरकारी अधिकारियों के यहां छापेमारी कर रही है। ये कार्रवाई विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद की गई है, जिसमें बताया गया है कि कुछ अधिकारियों के पास उनकी ज्ञात आय के स्रोतों से अधिक संपत्ति है। कई स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं, जिनमें बेंगलुरू में 12, टुमकुरु में 7, यादगीर में 5, मंगलुरु में 4 और विजयपुरा में 4 स्थान शामिल हैं। पीटीआई की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार ये छापेमारी तुमकुरु में निर्मिति केंद्र के परियोजना निदेशक राजशेखर, दक्षिण कन्नड़ जिले में सर्वेक्षण पर्यवेक्षक मंजूनाथ, विजयपुरा में डॉ बीआर.आंबेडकर अभिवृद्धि निगम की रेणुका सातरले और बेंगलुरु शहर में शहरी और ग्रामीण नियोजन निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक मुरली टीवी, होसकोटे तालुक कार्यालय में कार्यरत अनंत कुमार और शाहपुर तालुक दफ्तर में कार्यरत उमाकांत के ठिकानों पर की गई है।

40 ठिकानों पर एक साथ रेड

अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक, कर्नाटक लोकायुक्त की ओर से ये छापेमारी सात सरकारी अधिकारियों से जुड़े कई ठिकानों पर की गई है। आरोपी अधिकारियों 40 ठिकानों पर एक साथ रेड की गई है। पीटीआई के मुकाबिक, लोकायुक्त सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी में अचल संपत्तियों और बेहिसाब नकदी, आभूषण, महंगे वाहनों से जुड़े कई डॉक्यूमेंट्स जब्त किए गए हैं।

मध्य प्रदेश में वृद्धा पेंशन 600 से बढ़ाकर 1500 करने की मांग, नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को लिखा पत्र

भोपाल, 15 मई (एजेंसियां)। लाडली बहन योजना आने के बाद से मध्य प्रदेश में लगातार वृद्धा पेंशन बढ़ाने की मांग उठ रही है। अब मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार को एक पत्र लिखा हैं। जिसमें उन्होंने पेंशन बढ़ाने की मांग की है। उमंग सिंघार ने वृद्धावस्था पेंशन को 600 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये किये जाने का अनुरोध किया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (मध्य प्रदेश शासन) को एक पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने पेंशन बढ़ाने की मांग की है। उमंग ने पत्र में लिखा-श्री बाल कृष्ण चतुर्वेदी एवं अन्य पेंशनरों से प्राप्त संयुक्त हस्ताक्षरित एवं बीजेपी का संकल्प पत्र मूलतः संलग्न है, जिसमें सभी पेंशनरों द्वारा वृद्धावस्था पेंशन को 600 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये किये जाने का अनुरोध किया है। उक्तानुसार पेंशन वृद्धि का अनुरोध है।

त्राल में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, तीन आतंकी ढेर; इलाके में घेराबंदी

जम्मू, 15 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के त्राल में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई है। सुरक्षाबलों को तीन दहशतगर्दों को मार गिराने में सफलता मिली है। पूरे इलाके को घेर लिया गया है। सर्च अभियान जारी है। सीमा पर गोलाबारी थमते ही सुरक्षाबलों ने घर में छिपे बैठे आतंकियों का सफाया शुरू कर दिया है। इससे पहले दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार सुबह आठ बजे आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें लश्कर-ए-ताइबा के शीर्ष कमांडर शाहिद कुट्टे और अदनान शफी समेत तीन आतंकी मारे गए। तीसरे आतंकी की शिनाख्त अहसान-उल हक शेक निवासी मुरन (पुलवामा) के रूप में हुई है। आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ है। इसमें एके 47 राइफलें, मैगजीन, ग्रेनेड और अन्य सामान शामिल है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह शोपियां जिले के शुक्रू केलर इलाके के जंगलों में आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), सेना की 20 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और सीआरपीएफ के जवान हरकत में आ गए। फौरन घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने मुहतोड़ जवाब दिया। इसके साथ ही तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। ढेर किए गए तीनों आतंकवादी लश्कर-ए-ताइबा के थे। दो की पहचान शाहिद कुट्टे और अदनान शफी के रूप में हुई है। तीसरे की शिनाख्त कराई जा रही है।

लश्कर का शीर्ष कमांडर और ए कैटेगरी का आतंकी था कुट्टे

दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलबार सुबह मुठभेड़ में मारा गया आतंकी शाहिद कुट्टे शोपियां के चोटीपोरा हीरपोरा इलाके का निवासी था। कुट्टे मार्च 2023 में लश्कर-ए-ताइबा में शामिल हुआ था। वह लश्कर का ए-कैटेगरी का आतंकवादी था और संगठन का शीर्ष कमांडर था। कुट्टे कई आतंकी घटनाओं और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल था। आठ अप्रैल, 2024 को दानिश रिसॉर्ट में गोलीबारी की घटना में शामिल था। इस आतंकी हमले में जर्मनी के दो पर्यटक और एक ड्राइवर घायल हो गए थे। 18 मई, 2024 को हीरपोरा में भाजपा सरपंच की हत्या में भी कुट्टे शामिल रहा। उस पर तीन फरवरी, 2025 को बीहिबाग, कुलगाम में टीए (टेरिटोरियल आर्मी) के जवान की हत्या में शामिल होने का संदेह था।

शोपियां के वंडुना मेलहोरा इलाके का निवासी अदनान शफी अक्तूबर, 2024 में लश्कर में शामिल हुआ था। वह सी-कैटेगरी का आतंकवादी था। शफी 18 अक्तूबर, 2024 को शोपियां के वची में गैर-स्थानीय मजदूर की हत्या में शामिल था। वहीं, पुलवामा जिले के मुरन का निवासी अहसान उल हक शेक सी-कैटेगरी का आतंकी था और 24 जून, 2023 में आतंकवादी बना था।

फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त टास्क फोर्स, पश्चिम जोन टीम के अधिकारियों ने मसाब टैंक पुलिस थाने के साथ मिलकर फर्जी शैक्षिक प्रमाण पत्र बनाने में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपी पैसे के बदले में ड्रॉप आउट और नौकरी चाहने वाले उम्मीदवारों को ये फर्जी शैक्षिक दस्तावेज मुहैया करा रहे थे और अवैध गतिविधियों में लिप्त थे। अधिकारियों ने उनके कब्जे से फर्जी प्रमाण पत्र जब्त कर लिए हैं।

इस संबंध में मसाब टैंक थाने में सीआरपीसी में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त, आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद वाईवीएस सुधींद्र ने बताया कि इस मामले में शैबाज खान निवासी मसाब टैंक, मोहम्मद अब्दुल इस्माइल निवासी, मुर्तुजा नगर, याकूतपुरा, कदरी रमेश, निवासी लोकेश्वरम, आदिलाबाद को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि जांच की शुरूआत शैबाज खान की उनके निवास पर गिरफ्तारी से हुई, जहां अधिकारियों ने ग्लोकल यूनिवर्सिटी से जाली शैक्षिक प्रमाण पत्र बरामद किए। शैबाज खान ने मोहम्मद अब्दुल इस्माइल से ये फर्जी दस्तावेज प्राप्त करने की बात कबूल की। इस सुराग के बाद पुलिस ने इस्माइल को गिरफ्तार किया, जिसके पास मोनाड यूनिवर्सिटी के नकली प्रमाण पत्र पाए गए। इस्माइल ने खुलासा किया कि उसने ये दस्तावेज अधिवक्ता कादरी रमेश के माध्यम से प्राप्त किए थे। आगे की पूछताछ में कादरी रमेश की गिरफ्तारी हुई, जिसने एक सूत्रधार के रूप में काम करना स्वीकार किया।

उसने नकली शैक्षिक प्रमाण पत्र चाहने वाले ग्राहकों को मोहम्मद अब्दुल इस्माइल जैसे एजेंटों से जोड़ा और ग्राहकों को जाली दस्तावेज दिए। रमेश ने खुलासा किया कि प्रमाण पत्र अंततः सागर नामक व्यक्ति से प्राप्त किए गए थे, जो दिल्ली का निवासी है। माना जाता है कि सागर विभिन्न क्षेत्रों में एजेंटों और उप-एजेंटों का एक सुव्यवस्थित नेटवर्क संचालित करता है, जो ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नकली प्रमाण पत्र वितरित करता है, जिसमें इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में डिग्री शामिल हैं। नेटवर्क उम्मीदवारों की तात्कालिकता और विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर उच्च शुल्क लेता था। कादरी रमेश और सागर के बीच ऑनलाइन धन लेनदेन ने इन कार्यों को सुविधाजनक बनाया। बेरोजगार युवाओं में नौकरी के अवसर तलाशने या विदेश जाने के लिए प्रमाणपत्रों की मांग बढ़ गई है, जिससे रमेश अपने काम का विस्तार करने और बेहतर नौकरी की संभावनाओं और शैक्षणिक अवसरों की तलाश करने वाले व्यक्तियों को फर्जी प्रमाणपत्र देकर उनका शोषण करने लगा। यह व्यापक और संगठित घोटाला शैक्षणिक और रोजगार संस्थानों में सतर्कता और सख्त सत्यापन प्रक्रियाओं की आवश्यकता को उजागर करता है। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न विश्वविद्यालयों के 15 प्रमाण पत्र, 80 हजार रुपए नकद, तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस आयुक्त टास्क फोर्स, पश्चिम क्षेत्र के निरीक्षक सीएच यादेंद्र, एसआई मोहम्मद जाहेद, आयुक्त टास्क फोर्स, पश्चिम क्षेत्र टीम, हैदराबाद शहर और मसाब टैंक पीएस के कर्मचारियों के साथ की गई।

सरस्वती पुष्करालु की भव्य शुरूआत

कालेश्वरम, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिष्ठित नदी उत्सव, सरस्वती पुष्करालु, गुरुवार को कालेश्वरम में भव्य समारोहों के साथ शुरू हुआ, जहां गोदावरी, प्राणहिता और भूमिगत सरस्वती नदियां मिलती हैं, जिससे जयशंकर भूपालपल्ली जिले में पवित्र त्रिवेणी संगम बनता है। कालेश्वरम त्रिवेणी संगम पर गुरुवार को गणपति पूजा के साथ उत्सव आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया। परमपावन श्रीश्रीश्री माधवानंद सरस्वती के नेतृत्व में औपचारिक पुष्कर स्नानम (पवित्र स्नान) सुबह 5:44 बजे शुरू हुआ। पवित्र स्नान में भाग लेने वालों में आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू और उनकी पत्नी, जिला कलेक्टर राहुल शर्मा, भूपालपल्ली के विधायक गंद्रा सत्यनारायण राव, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुरपल्ली नंदा और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। शाम को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अपने कैबिनेट मंत्रियों कोंडा सुरेखा, पोन्नम प्रभाकर, श्रीधर बाबू, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और विधायकों के साथ नदी में स्नान किया और पवित्र नदी में विशेष हरथी अर्पित की। मुख्यमंत्री ने पुष्कर स्नान के बाद श्री कालेश्वर मुक्तेश्वर स्वामी के दर्शन किए और पीठासीन देवता की विशेष पूजा-अर्चना की। अपनी यात्रा के दौरान, रेवंत रेड्डी ने पुष्कर घाट पर स्थापित श्री सरस्वती देवी की अखंड प्रतिमा का अनावरण किया और श्रद्धालुओं के आवास के लिए निर्मित 86 कमरों वाले परिसर का भी उद्घाटन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पुजारियों द्वारा आयोजित सरस्वती हरथी में भाग लिया, जहां उत्तर प्रदेश के काशी में गंगा हरथी की तर्ज पर अनुष्ठान किया गया। इस बीच, राज्य सरकार ने 26 मई तक चलने वाले सरस्वती पुष्करालु के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। सरस्वती नवरात्रि माला उत्सव प्रतिदिन शाम 6.45 बजे से 7.35 बजे तक सरस्वती घाट पर आयोजित किया जाता है। इसके अलावा कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं।

स्वदेशी जागरण मंच ने पाकिस्तान को तुर्की के सैन्य समर्थन की निंदा की

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तुर्की, एक नाटो सदस्य और एक कथित धर्मनिरपेक्ष गणराज्य, ने खुद को कट्टरपंथी इस्लामवादी शासनों और भारत की संप्रभुता के प्रति शत्रुतापूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ जोड़ लिया है। हाल के वर्षों में, पाकिस्तान के साथ तुर्की की रणनीतिक रक्षा साझेदारी खतरनाक गति से बढ़ी है, जिसमें तुर्की सरकार पाकिस्तान के सशस्त्र बलों को महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर, तकनीकी प्लेटफॉर्म और प्रशिक्षण की आपूर्ति कर रही है।

यह जानकर आश्चर्य होता है कि चीन के बाद पाकिस्तान को दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता तुर्की ने पाकिस्तान की नौसेना के आधुनिकीकरण और उसकी हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सबसे परेशान करने वाली घटनाओं में से एक, तुर्की ने 1.5 बिलियन डॉलर के सौदे के तहत पाकिस्तान को युद्धपोत दिए, जिससे पाकिस्तान की नौसैनिक हमला करने की क्षमता मजबूत हुई। तुर्की की कंपनी बायकर ने पाकिस्तान को बायरकटर टीबी2 और अकिनसी सशस्त्र ड्रोन की आपूर्ति की है। लीबिया, सीरिया और अजरबैजान में संघर्षों में पहले से ही सिद्ध प्लेटफॉर्म और तुर्की का एसटीएम 350 मिलियन डॉलर के समझौते के तहत पाकिस्तान की अगोस्टा 90बी पनडुब्बियों को अपग्रेड कर रहा है। हवेलसन की मदद से पाकिस्तान में एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध परीक्षण रेंज स्थापित की गई है। 30 टीआई29 एटीएके हेलीकॉप्टरों के लिए 1.5 बिलियन डॉलर का सौदा किया गया था, हालांकि तीसरे पक्ष की मंजूरी के कारण डिलीवरी में देरी हुई है।

स्वदेशी जागरण मंच ने इस अपवित्र गठबंधन की कड़ी निंदा की जो सीधे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करता है। यह रक्षा सहयोग केवल वाणिज्यिक नहीं है, यह वैचारिक है, दक्षिण एशिया की स्थिरता को लक्षित करता है और पाकिस्तान के सैन्य दुस्साहस को बढ़ावा देता है।

ऐसे समय में जब भारत ने पाकिस्तान की ओर से बार-बार उकसावे के सामने जबरदस्त संयम बरता है, जिसमें आतंकवादी शिविरों को पनाह देना और नियंत्रण रेखा के पास आक्रामक रुख अपनाना शामिल है, तुर्की का समर्थन प्रत्यक्ष मिलीभगत के बराबर है।

तेलंगाना पुलिस का साइबर सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

> टीजीसीएसबी ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो तेलंगाना पुलिस की साइबर सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। टीजीसीएसबी के निदेशक के रूप में तेलंगाना पुलिस के लिए मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) के रूप में कार्य करता है, टीजीसीएसबी न केवल साइबर अपराध की जांच करता है, बल्कि राज्य को प्रभावित करने वाले साइबर सुरक्षा खतरों की सक्रिय रूप से निगरानी और शमन भी करता है। एमओयू के तहत, गूगल अपने क्लाउड-आधारित सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसी), के अधिकृत कार्यान्वयन भागीदार आईडी के माध्यम से निःशुल्क लागू करेगा। समाधान दुर्भावनापूर्ण खतरों की 24% निगरानी और प्रतिक्रिया प्रदान करता है और नेटवर्क और इंटरनेट पैकेट से वास्तविक समय का डेटा कैप्चर करता है। यह अलर्ट को सहसंबंधित करने और दुर्भावनापूर्ण साइबर सुरक्षा घटनाओं को चिह्नित करने के लिए गहन विश्लेषण और खतरे की खुफिया जानकारी लागू करता है।

इसके अलावा, समझौता ज्ञापन के अनुसार, एरेट आईआर एलएलपी एंडपॉइंट डिटेक्शन एंड रिस्पॉन्स (ईडीआर) सेवाएं प्रदान करेगा और टीजीसीएसबी के लिए बिना किसी लागत के सेंटिनलवन ईडीआर समाधान तैनात करेगा। इस पहल का उद्देश्य एंडपॉइंट सुरक्षा को मजबूत करना और एंडपॉइंट स्तर पर ध्यान देने के साथ तेलंगाना पुलिस के आईटी बुनियादी ढांचे में खतरे की निगरानी, पता लगाने, विश्लेषण और प्रतिक्रिया सहित 24x% सेवाएं प्रदान करना है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कार्यक्रम हैदराबाद में टीजीसीएसबी मुख्यालय में टीजीसीएसबी, गूगल, इलोइस डिजिटल, सेंटिनलवन और एरेट के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया था। समझौता ज्ञापन तीन साल तक प्रभावी रहेगा और साइबर सुरक्षा घटनाओं को संभालने और उनका जवाब देने में तेलंगाना पुलिस को प्रशिक्षित करने में भी मदद करेगा। इस कार्यक्रम में सुश्री शिखा गोयल, निदेशक, टीजीसीएसबी, हर्षवर्धन, आईपीएस, एसपी साइबर सुरक्षा, टीजीसीएसबी, मुथुसामी धरणीधरन, निदेशक, इलोइस डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड, संदीप कुमार पेशकर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एरेट आईआर एलएलपी, ज्योति प्रकाश, बिजनेस हेड, गूगल सुरक्षा शशिधर वेल्लमचेती, स्टाफ सॉल्यूशंस इंजीनियर, सेंटिनलवन इंडिया और टीजीसीएसबी के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बोलते हुए, टीजीसीएसबी की निदेशक, सुश्री शिखा गोयल ने कहा, "सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर और एंडपॉइंट डिटेक्शन एंड रिस्पॉन्स सॉल्यूशन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए मुझे बहुत गर्व हो रहा है, जो दुर्भावनापूर्ण सुरक्षा खतरों की सक्रिय रूप से पहचान करने और उन्हें बेअसर करने और तेलंगाना पुलिस की साइबर रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ में, ये पहल हमारी डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा और एक लचीला साइबर सुरक्षा ढांचा सुनिश्चित करने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती हैं।"

मानू ने तुर्की के साथ समझौता ज्ञापन रद्द करने की घोषणा की

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय ने तुर्की के यूनुस एमरे संस्थान के साथ अपने शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की घोषणा की है। भारत-पाक तनाव की पृष्ठभूमि में पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के लिए तुर्की के समर्थन के विरोध में यह निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि 2 जनवरी, 2024 को मानू ने तुर्की के यूनुस एमरे संस्थान के साथ पांच साल की अवधि के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

इस समझौते के हिस्से के रूप में, मानू के भाषा, भाषा विज्ञान और इंडोलॉजी स्कूल में तुर्की भाषा में डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस पहल का समर्थन करने के लिए, एक विजिटिंग प्रोफेसर को इस भूमिका के लिए लाया गया था। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि तुर्की से आए विजिटिंग प्रोफेसर पहले ही घर लौट चुके हैं।

डॉ. लक्ष्मण फिजी में एशिया प्रशांत क्षेत्रीय कार्यशाला में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.के. लक्ष्मण, राज्यसभा सांसद और भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष, को 19 से 21 मई तक फिजी द्वीप समूह के नाडी में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ यूके और फिजी गणराज्य की संसद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एशिया प्रशांत क्षेत्रीय कार्यशाला में भारत का प्रतिनिधित्व करने का दुर्लभ अवसर मिला है। कार्यशाला का उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों में सार्वजनिक वित्त की जांच के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करना है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक वित्त की जवाबदेही बढ़ाने के लिए पीएसी को मजबूत करना भी है। 1948 में स्थापित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ राष्ट्रमंडल देशों में सुशासन को बढ़ाने और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए विभिन्न लोकतांत्रिक प्रथाओं को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रहा है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के आमंत्रित संसद सदस्य वर्तमान एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय पीएसी कार्यशाला में भाग लेने जा रहे हैं, जिसमें संबंधित लोकतंत्रों में लोक लेखा समितियों के कामकाज और प्रभावकारिता पर विचार-विमर्श किया जाएगा। भारत सरकार ने कार्यशाला में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए दो सदस्यों पीएसी के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल और डॉ.के लक्ष्मण को नामित किया है।

डॉ. लक्ष्मण 21 मई को सत्र 10 में एक महत्वपूर्ण विषय पर व्याख्यान देने जा रहे हैं : पीएसी की प्रभावशीलता का आकलन, प्रभाव को मापना और प्रदर्शन को बढ़ाना। भारत में पीएसी सदस्य के रूप में अपने व्यक्तिगत अनुभव के अलावा, उनका व्याख्यान भारत में पीएसी के कामकाज पर गहन चर्चा करेगा और कुछ रचनात्मक सुझाव देगा। उनका व्याख्यान पीएसी की रिपोर्टों के प्रभाव और जांच को तेज करने के लिए अभिनव प्रथाओं को कवर करेगा।

ईडी ने मुंबई और हैदराबाद में 13 स्थानों पर तलाशी ली

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने 14 और 15 मई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत मुंबई और हैदराबाद में 13 अलग-अलग स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान में 9.04 करोड़ रुपये नकद और 23.25 करोड़ रुपये के हीरे जड़े आभूषण और बुलियन तथा बड़ी संख्या में आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। ईडी ने मीरा भयंदर पुलिस आयुक्तालय द्वारा बिल्डरों, स्थानीय गुर्गों और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई कई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। यह मामला 2009 से "वसई विरार नगर निगम (वीवीएमसी)" के अधिकार क्षेत्र के तहत "सरकारी और निजी भूमि पर आवासीय-सह-वाणिज्यिक भवनों के अवैध निर्माण" से संबंधित है।

वसई विरार शहर की स्वीकृत विकास योजना के अनुसार "सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट" और "डंपिंग ग्राउंड" के लिए आरक्षित भूमि पर समय के साथ 41 अवैध इमारतों का निर्माण किया गया। आरोपी बिल्डरों और डेवलपर्स ने ऐसी भूमि पर अवैध इमारतों का निर्माण करके और बाद में अनुमोदन दस्तावेजों को गढ़कर उन्हें (आम जनता को) बेचकर आम जनता को धोखा दिया है। यहां तक कि पहले से पता था कि ये इमारतें अनधिकृत थीं और अंततः ध्वस्त हो जाएंगी, डेवलपर्स ने इन इमारतों में कमरे बेचकर लोगों को गुमराह किया और इस तरह गंभीर धोखाधड़ी की। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 8 जुलाई, 2024 के अपने आदेश के जरिए सभी 41 इमारतों को ध्वस्त करने का आदेश दिया।

इसके बाद, 41 अवैध इमारतों में रहने वाले परिवारों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक एसएलपी दायर की गई जिसे खारिज कर दिया गया। 20 फरवरी, 2025 को वीवीएमसी द्वारा सभी 41 इमारतों को ध्वस्त करने का काम पूरा किया गया। ईडी की जांच में पता चला कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण 2009 से चल रहा है।

यह पाया गया है कि वसई विरार नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर घोटाले के मुख्य अपराधी सीताराम गुप्ता, अरुण गुप्ता और अन्य हैं। इसके अलावा जांच के दौरान यह पाया गया है कि इन अनधिकृत/अवैध इमारतों का निर्माण विभिन्न वीवीएमसी अधिकारियों की मिलीभगत से किया गया था। वीवीएमसी के टाउन प्लानिंग के उप निदेशक वाई एस रेड्डी के परिसर में तलाशी अभियान के दौरान 8.6 करोड़ रुपये की नकदी और 23.25 करोड़ रुपये के हीरे जड़े आभूषण और सोना जब्त किया गया। इसके अलावा, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जो वीवीएमसी के अधिकारियों के साथ मिलीभगत से वसई विरार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण के घोटाले पर प्रकाश डालते हैं।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-07-2025, दिनांक: 07.05.2025

कार्य का नाम : सहायक मंडल अभियंता / ट्रैक / वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए मुख्य लाइन पर दुव्वाडा (In) से कोरुकोंडा (Ex) एवं विशाखापट्टणम (Ex) से गोपालपट्नम स्टेशन के बीच सेक्शन में सिविल जोनल (Zonal) कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 2,00,70,230.23, EMD (₹): 2,50,400.00

(2) सूचना सं.: eT-WAT-SOUTH-08-2025, दिनांक: 07.05.2025

कार्य का नाम : सहायक मंडल अभियंता / (मार्शलिंग यार्ड) / वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन 30.06.2026 (2025-26) को समाप्त होने वाली अवधि के लिए मार्शलिंग यार्ड, VSPS के सेक्शन में सिविल जोनल (Zonal) कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत (₹): 1,00,07,800.22, EMD (₹): 2,00,000.00

कार्य पूरा होने की अवधि : 30.06.2026 (दोनों निविदा के लिए)।।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 29.05.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-128/Q/25-26

सड़क हादसे में पत्नी की मौत, पति और पुत्र घायल

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जोगुलाम्बा गदवाल जिले में एनएच 44 पर जिंकापल्ली स्टेज पर गुरुवार सुबह एक अज्ञात वाहन ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे एक महिला की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरुदोड्डी गांव के निवासी भूषण रेड्डी अपनी पत्नी तिमम्मा (35) और बेटे जगनमोहन रेड्डी के साथ दोपहिया वाहन पर सवार होकर पेब्बैर मंडल के गंगाराम जा रहे थे। जिंकलपल्ली स्टेशन पर अज्ञात वाहन ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे तिमम्मा की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में भूषण रेड्डी और उनके बेटे जगनमोहन रेड्डी को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत गदवाल अस्पताल पहुंचाया और बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए कर्नूल भेज दिया गया।

तालाब में कूदकर छात्र ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक मेडिकल छात्र अभिजीत जॉय ने गुरुवार को बीबीनगर, भुवनगिरी पेड्डा चेरुवु टैंक में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। केरल के त्रिशूर का रहने वाला यह छात्र बीबीनगर एम्स में चौथे वर्ष में पढ़ रहा था। पुलिस ने शव को टैंक से निकलवाया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अभी तक उसकी मौत के हालात का पता नहीं लगा पाई है।

बारिश के कारण किसानों को खरीद केंद्रों पर धान की सुरक्षा करना मुश्किल

संगारेड्डी, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती मेदक जिले के अधिकांश हिस्सों में गुरुवार सुबह भारी बारिश हुई, जिससे खरीद केंद्रों पर धान लेकर इंतजार कर रहे किसानों को भारी नुकसान हुआ। बुधवार शाम को शुरू हुई बारिश थोड़े समय के विराम के बाद गुरुवार सुबह तक जारी रही। एक पखवाड़े से अधिक समय से खरीद केंद्रों पर इंतजार कर रहे किसान तिरपाल की कमी के कारण बेमौसम बारिश से अपनी उपज को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। चूंकि आईएमडी ने अगले कुछ दिनों में राज्य के इन हिस्सों में और अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है, इसलिए किसानों ने सरकार से बिना किसी देरी के धान की खरीद करने की मांग की है।

चेर्लापल्ली और विशाखापत्तनम के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) चेर्लापल्ली और विशाखापत्तनम के बीच विशेष सेवाएं चलाएगा। तदनुसार, चेर्लापल्ली-विशाखापत्तनम(07441) सेवा 17 मई को और विशाखापत्तनम-चर्लापल्ली (07442) सेवा 18 मई को चलेगी। एससीआर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इन विशेष ट्रेनों में 3एसी, 3एसी (इकोनॉमी) श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

अनुलग्नक I में विवरित स्थानों नुसार एटोमेटिक टिकट वेन्डिंग मशीन(एटीवीएम) की भर्ती हेतु आवेदनों का आमंत्रण

PUB/0564

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा दो वर्ष की अवधि के लिए, 37(सैंतीस) स्थानों पर, एटोमेटिक टिकट वेन्डिंग मशीन(एटीवीएम) की भर्ती हेतु मुहरबंद आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। अनुलग्नक 1 में स्थानों सहित एटीवीएम्स की संख्या तथा फैसिलीटेटर्स की भर्ती के रिक्त पदों का विवरण दिया गया है।

अनुलग्नक 2 एवं अनुलग्नक 3 में, क्रमशः एटीवीएम फैसिलीटेटर्स, सेवानिवृत्त रेल कर्मचारीगण एवं जन साधारण की भर्ती से जुडा आवेदन पत्र संलग्न है। इस मामले में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को प्रधानता दी जायेगी।

आवेदन पत्र, योग्यता मानदंड एवं अन्य विवरण वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

इच्छुक सेवानिवृत्त कर्मचारियों/सामान्य जन, अपने मुहरबंद आवेदनों को श्रेणी नुसार निर्धारित प्रपत्र में निम्न अनुसूची में प्रस्तुत कर सकते हैं।

श्रेणी	स्थान (37)	प्रस्तुत करने/ खोलने की तिथि
एनएसजी-1	एससी(1)	10-06-2025 (मंगलवार)
एनएसजी 2 एण्ड 3	एचवायबी, एलपीआई, बीएमटी, सीएचजेड, केजेडजे, डब्ल्यूएल, केएमटी, एमसीआई, बीआईडीआर(9)	11-06-2025 (बुधवार)
अन्य श्रेणियां	वीकेबी, एमएबीडी, बीडीसीआर, आरडीएम, पीडीपीएल, एसकेजेडआर, युडीजीआर, पीआरएलआई,टीडीयु, एसइएम, जेडबी, बीजी, एमएलवाई, जेडएन, डीकेजे, केडीएम, एमडीआर, जेएमकेटी, बीपीए, बीएचएलके, एलटीआरआर, सीटी, एचटीसीवाई, सीडीएनआर, बीटीएनआर, एचएफजेड, बीआरबीडी(27)	12-06-2025 (गुरुवार)

टिप्पणीः आवेदन, केवल निर्दिष्ट तिथियों नुसार, नामित स्टेशनों के लिए ही प्रस्तुत किए जाने चाहिए। आवेदन, नामित तिथियों/नामित स्थानों के लिए, तत्संबंधित तिथि से पहले या बाद में प्रस्तुत किए जाने पर उसे सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

यदि तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी अवकाश घोषित होता है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्यालयीन दिन पर खोला जायेगा। अधिक जानकारी हेतु आप किसी भी कार्यालयीन दिन में, अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं। निविदा विवरण एवं निविदा प्रपत्र को वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

आवेदनों को, टेंडर हाल, हैदराबाद डिवीजन कम्पाउण्ड, सिकंदराबाद (अनुराग क्रेचे) पर रखे हुए मुहरबंद निविदा पेटी में अनुसूचित तिथियों पर 15.00 बजे के पहले, डालना चाहिए। अनुसूचित तिथियों के बंद होने के समय अर्थात् 15.00 बजे के बाद प्राप्त आवेदनों को अस्वीकार किया जायेगा एवं उसपर विचार नही किया जायेगा। आवेदनों को तत्संबंधित प्रस्तुति तिथि के 15.30 बजे खोला जायेगा।

ए0696 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद**

ट्रक की टक्कर से ऑटो पलटा, छह लोगों की मौत

हरदोई, 15 मई (एजेंसियां)। हरदोई जिले के कासिमपुर थाना क्षेत्र में संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे के बाद ऑटो पलट गया, जिसमें दबकर ऑटो सवार छह लोगों की मौत हो गई। संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर बड़ी संख्या में ऑटो चलते हैं। इसी तरह का एक ऑटो बृहस्पतिवार को नौ सवारियां लेकर संडीला की तरफ जा रहा था। हरदलमऊ गांव के पास ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी। ऑटो में सवार छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन घायलों को अस्पताल भेजा गया है। पुलिस जांच की कार्रवाई में जुटी है।

'मुस्लिम स्वार्थ के लिए एक से ज्यादा शादी कर रहे': इलाहाबाद एचसी बोला

कुरान ने शर्तों के साथ इसकी अनुमति दी है

प्रयागराज, 15 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पुरुषों के एक से अधिक शादी करने पर की अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम पुरुषों को दूसरी शादी तभी करनी चाहिए, जब वह सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार कर सकें। कुरान में खास वजहों से बहु विवाह की इजाजत की गई है। लेकिन, पुरुष इसका अपने स्वार्थ के लिए दुरुपयोग करते हैं। हाईकोर्ट ने मुरादाबाद से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम पुरुष को दूसरी शादी करने का तब तक कोई अधिकार नहीं है। जब तक वह सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार निभाने की क्षमता न रखता हो।ल

इस्लाम में कुरान ने खास वजहों से बहु विवाह की इजाजत दी है। इस्लामी काल में विधवाओं और अनाथों की सुरक्षा के लिए कुरान के तहत बहुविवाह की सशर्त इजाजत दी गई है। लेकिन, पुरुष अपने स्वार्थ के लिए इसका दुरुपयोग करते हैं।

जानें- क्या है पूरा मामला?

कोर्ट ने याची फुरकान और दो अन्य की ओर से दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई के दौरान समान नागरिक संहिता यानि यूनिफॉर्म सिविल कोड की वकालत करते हुए ये बात कही। याची फुरकान, खुशनुमा और अख्तर अली ने मुरादाबाद सीजेएम कोर्ट में 8 नवंबर 2020 को दाखिल चार्जशीट का संज्ञान और समन आदेश को रद्द करने की मांग में याचिका दाखिल की थी। तीनों याचियो के खिलाफ मुरादाबाद के मैनाठेर थाने में 2020 में आईपीसी की धारा 376,495, 120 बी, 504 और 506 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

इस केस में मुरादाबाद पुलिस ने ट्रायल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। कोर्ट ने चार्जशीट का संज्ञान लेकर तीनों को समन जारी किया है। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि याची फुरकान ने बिना बताए दूसरी शादी कर ली है। जबकि वह पहले से ही शादीशुदा है, उसने इस शादी के दौरान बलात्कार किया। याची फुरकान के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि एफआईआर करने वाली महिला ने खुद ही स्वीकार किया है कि उसने उसके साथ संबंध बनाने के बाद उससे शादी की है।

याचिकाकर्ता ने दी ये दलील

कोर्ट में कहा गया कि आईपीसी की धारा 494 के तहत उसके खिलाफ कोई अपराध नहीं बनता है। क्योंकि मुस्लिम कानून और शरीयत अधिनियम 1937 के तहत एक मुस्लिम व्यक्ति को चार बार तक शादी करने की इजाजत है। कोर्ट में यह भी दलील दी गई की विवाह और तलाक से संबंधित सभी मुद्दों को शरीयत अधिनियम 1937 के अनुसार तय किया जाना चाहिए। जो पति के जीवनसाथी के जीवन काल में भी विवाह करने की इजाजत देता है। याची फुरकान के वकील ने जाफर अब्बास रसूल मोहम्मद मर्चेंट बनाम गुजरात राज्य के मामले में गुजरात हाई कोर्ट के 2015 के फैसले का हवाला दिया। इसके अलावा कुछ अन्य अदालतों के फैसलों का भी हवाला दिया गया। कहा कि धारा 494 के तहत अपराध को आकर्षित करने के लिए दूसरी शादी को अमान्य होना चाहिए। लेकिन, अगर मुस्लिम कानून में पहली शादी मुस्लिम कानून के तहत की गई है तो दूसरी शादी सामान्य नहीं है।

'मुस्लिम व्यक्ति का दूसरा विवाह हमेशा वैध नहीं'

राज्य सरकार की ओर से कोर्ट में इस दलील का विरोध किया गया और कहा कि मुस्लिम व्यक्ति द्वारा किया गया दूसरा विवाह हमेशा वैध विवाह नहीं होगा। क्योंकि यदि पहला विवाह मुस्लिम कानून के अनुसार नहीं किया गया बल्कि पहला विवाह हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के अनुसार किया गया है और वह इस्लाम धर्म अपनाने के बाद वह मुस्लिम कानून के अनुसार दूसरा विवाह करता है तो ऐसी स्थिति में दूसरा विवाह अमान्य होगा और आईपीसी की धारा 494 के तहत अपराध लागू होगा। हाईकोर्ट ने अपने 18 पन्ने के फैसले में कहा कि विपक्षी संख्या 2 के कथन से स्पष्ट है कि याची फुरकान ने उससे दूसरी शादी की है। दोनों ही मुस्लिम महिलाएं हैं इसलिए दूसरी शादी वैध है। कोर्ट ने कहा कि याचियों के खिलाफ वर्तमान मामले में आईपीसी की धारा 376 के साथ 495 व 120 बी का अपराध नहीं बनता है।

कोर्ट ने इस मामले में विपक्षी संख्या 2 को नोटिस जारी किया है। 26 मई 2025 से शुरू होने वाले हफ्ते में मामले की अगली सुनवाई होगी। इस मामले पर जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अगले आदेश तक याचियों के खिलाफ किसी भी तरह के उत्पीड़नात्मक कार्यवाही पर रोक लगा दी है।

मार्शल आर्ट सीख रहीं 'लेडी कमांडो': आईपीएस अंशिका वर्मा

बरेली, 15 मई (एजेंसियां)। बरेली जिले में महिला अपराधों की रोकथाम के लिए पहली बार महिला स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) का गठन किया गया है। पांच सदस्यीय यह टीम एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा के निर्देशन में अपने काम को अंजाम देगी। महिला एसओजी कमांडो की तरह काली वर्दी में रहेगी। यह टीम किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए सक्षम होगी। महिला सशक्तिकरण की मिसाल भी पेश करेगी। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि महिला एसओजी के लिए 25 महिला आरक्षियों (सिपाहियों) ने आवेदन किया था। दक्षता के आधार पर पांच का चयन कर उनको पुलिस लाइन में विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। चयनित महिला सिपाहियों को आधुनिक हथियारों, मार्शल आर्ट, आत्मरक्षा, साइबर क्राइम विश्लेषण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नारकोटिक्स से संबंधित अपराधों की पहचान व कार्रवाई में दक्ष बनाया जा रहा है। महिला एसओजी की प्रभारी के लिए महिला उपनिरीक्षकों (दरोगा) के भी पांच आवेदन मिले हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी दरभंगा आकर परेशान

जहां जाना चाह रहे थे, वहां लगी धारा 144

दरभंगा, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी दरभंगा पर पहुंच चुके हैं। यहां पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। राहुल गांधी अंबेडकर हॉस्टल के छात्रों के साथ संवाद करना चाह रहे थे। इसे लेकर वह अंबेडकर हॉस्टल की ओर बढ़ रहे थे लेकिन जिला प्रशासन ने रोक दिया। कांग्रेस का कहना है कि इस कार्यक्रम की सारी तैयारी पहले ही की जा चुकी थी। लेकिन, अचानक प्रशासन ने अंबेडकर हॉस्टल में धारा 144 लागू कर दिया। दरभंगा जिला प्रशासन ने अंबेडकर हॉस्टल में

राहुल गांधी के कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी। इतना ही नहीं हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं को ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी परिसर से तीन किलोमीटर पहले ही रोक दिया। इसके कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रशासन और नीतीश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि हमलोग हर हाल में अंबेडकर छात्रावास जाएंगे। हमारा कार्यक्रम अम्बेडकर छात्रावास में होना तय था हम वहीं अपना कार्यक्रम करेंगे। दूसरी तरफ जिला प्रशासन अम्बेडकर छात्रावास में कार्यक्रम करने पर रोक लगाते हुए धारा 144 लागू कर दिया है। बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि हम हर हाल में अंबेडकर छात्रावास जाएंगे। सरकार के दबाव में ऐसा किया जा रहा है। सरकार डर गई है। इधर, जिला प्रशासन का कहना है कि अंबेडकर छात्रावास में कार्यक्रम की अनुमति नहीं है। जिला प्रशासन ने कांग्रेस को टाउन हॉल में कार्यक्रम की अनुमति दी गई है। लहेरियासराय थाना के सर्किल इंस्पेक्टर ललन कुमार ने बताया कि पूरे इलाके में धारा 144 लागू किया गया है।

वेस्ट यूपी में गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा, अगले चार दिन 40 डिग्री के पार रहेगा पारा

मेरठ, 15 मई (एजेंसियां)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ने जा रहा है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक तापमान में तेज़ बढ़ोतरी और लू चलने का अलर्ट जारी किया है। क्षेत्र में दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने की संभावना जताई गई है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) की मौसम वेधशाला के अनुसार बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और रात का न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। लेकिन अगले कुछ दिनों में पारा और चढ़ेगा। दिन के समय चलने वाली गर्म हवाएं यानी लू लोगों की सेहत को प्रभावित कर सकती हैं। बुज़ुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

किसान पथ पर डबल डेकर बस में लगी भीषण आग, 5 यात्रियों की जलकर मौत

लखनऊ, 15 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ के मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के किसान पथ पर एक डबल डेकर बस में भीषण आग लग गई, जिसमें पांच यात्रियों की जलकर मौत हो गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। यह घटना गुरुवार सुबह लगभग 5.0 बजे हुई, जब बस बिहार के बेगूसराय से दिल्ली की ओर जा रही थी। ड्राइवर और क्लीनर आग लगते ही बस से कूदकर भाग गए। बस से दो सिलेंडर भी मिले। गियर बॉक्स के पास आग लगी थी। गुरुवार सुबह के समय अचानक बस में आग लगी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया। मौके पर पहुंची आधा दर्जन से अधिक दमकल वाहनों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग इतनी भयावह थी कि बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई।

बस में 80 यात्री थे सवार

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बस के 'गेयर बाक्स' में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी। सूत्रों ने बताया कि बस में लगभग 80 यात्री सवार थे और उस समय सभी यात्री सो रहे थे। आग इतनी तेज थी कि एक किलोमीटर दूर तक उसकी लपटें दिखाई दे रही थीं।

आपातकालीन द्वार नहीं खुला

मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के बाद पता चला कि बस का आपातकालीन द्वार नहीं खुल पाया, जिससे यात्रियों को बाहर निकलने में परेशानी हुई। इस वजह से कई लोग फंसे रह गए और मौत हो गई। मौके पर भारी पुलिस बल और पीजीआई की टीम भी पहुंची। पुलिस ने मृत यात्रियों के शवों को बस से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए एंबुलेंस की मदद से भेजा। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है। घटना में पांच यात्रियों की मौत की पुष्टि हुई है, जिनके शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

जहानाबाद में महिला सिपाही ने बैरक में फांसी लगाकर दी जान

जहानाबाद, 15 मई (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां जेल में तैनात एक महिला सिपाही ने अपनी ही बैरक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस घटना से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। मामला काको थाना क्षेत्र स्थित मंडल कारा की है। हालांकि, इस घटना के पीछे का कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। वहीं मृतक महिला सिपाही की पहचान कटिहार जिले के मनिहारी थाना अंतर्गत बरौनी गांव निवासी उपेंद्र प्रसाद गुप्ता की 27 वर्षीय पुत्री शिवानी कुमारी के रूप में की गई है। बताया जाता है कि मृतका बीते एक साल से मंडल कारा में कक्षपाल के पद पर तैनात थी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर डीएम अलंकृता पांडेय,एसपी अरविंद प्रताप सिंह,एसडीपीओ संजीव कुमार सहित कई अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर जायजा लिया। इस संबंध में जेल के तैनात एक कॉस्टेबल ने बताया कि वह पिछले आठ-नौ माह से जेल में कक्षपाल के पद पर तैनात थी।

बाघिन की बर्ड फ्लू से मौत, पोल्ट्री फार्म को लेकर आया अलर्ट

गोरखपुर, 15 मई (एजेंसियां)। गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान में मृत पाई गई बाघिन में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) की पुष्टि के बाद उत्तर प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी चिड़ियाघरों और इटावा लायन सफारी को 14 मई से 20 मई तक बंद करने का आदेश जारी कर दिया गया है। वन विभाग की प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) अनुराधा वेमुरी ने बताया कि लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर और इटावा के चिड़ियाघरों को अगले सात दिनों तक पर्यटकों के लिए बंद किया गया है।

इस दौरान सभी वन्यजीवों की सघन निगरानी की जाएगी। जानवरों को अब नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही भोजन दिया जा रहा है, और हर असामान्य गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए सेंट्रल जू अथॉरिटी ने एक पांच सदस्यीय विशेषज्ञों की टीम

गठित की है, जिसमें पशुपालन मंत्रालय, वाइल्डलाइफ हेल्थ मैनेजमेंट विभाग, वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (देहरादून), आईसीएआर बरेली और भोपाल के पैथोलॉजिस्ट शामिल हैं। यह टीम 15 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सभी चिड़ियाघर परिसरों में नियमित सैनिटाइजेशन कराया जाए, पशुओं की स्वास्थ्य जांच बार-बार की जाए और उनके खाने-पीने के स्रोतों की भी जांच हो। सभी कर्मचारियों को मास्क, दस्ताने और पीपीई किट पहनकर ड्यूटी करने को कहा गया है। वन मंत्री दारा सिंह चौहान ने भी पुष्टि की है कि बाघिन की मौत का कारण बर्ड फ्लू है, और इसके चलते राज्य भर में पोल्ट्री फार्मों में भी निगरानी तेज कर दी गई है। लखनऊ चिड़ियाघर की निदेशक अदिति सिंह ने बताया कि राजधानी के चिड़ियाघर में अभी तक बर्ड फ्लू का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन एहतियातन वहां भी प्रवेश पर रोक लगाई गई है। बर्ड फ्लू एक संक्रामक वायरल बीमारी है जो मुख्य रूप से पक्षियों को प्रभावित करती है, लेकिन दुर्लभ मामलों में यह स्तनधारियों और इंसानों में भी फैल सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी मृत या बीमार पक्षी की सूचना तुरंत अधिकारियों को दें और अफवाहों पर ध्यान न दें।

अपनी बेटी को किन्नर समझ मार डाला फिर पत्नी के पैरों पर गिर कर बोला- प्लीज हल्ला मत करना

पूर्णिया, 15 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक पिता ने अपनी 18 साल की बच्ची का मुंह और नाक दबाकर उसे मार डाला। मामला भवानीपुर थानाक्षेत्र के भमेठ गांव का है। पुलिस ने आरोपी पिता, दादी और चाचा के खिलाफ केस दर्ज किया है। पिता फिलहाल पुलिस गिरफ्त में है। मामले में आगामी कार्रवाई जारी है। बच्ची की मां ने ही इनके खिलाफ केस दर्ज करवाया था। जानकारी के मुताबिक, ब्रह्मदेव कुमार ने अपनी 18 महीने की पुत्री जाह्नवी कुमारी की मुंह और नाक दबाकर निर्मम हत्या कर डाली। मृतका की मां हीना कुमारी ने बेटी की हत्या को लेकर पति ब्रह्मदेव कुमार, सास राधा देवी और देवर कैलाश राम पर हत्या का आरोप लगाकर भवानीपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। लेकिन हीना ने थाने जाकर मामला दर्ज करवा दिया। घटना की जानकारी पाकर भवानीपुर थाना के सहायक अवर निरीक्षक बिनोद कुमार घटनास्थल पर पहुंचे।

सुहागरात के दिन गहने-कैश लेकर भागी दुल्हन आगरा में परिवार को नशीला दूध पिलाया

आगरा, 15 मई (एजेंसियां)। आगरा में सुहागरात के दिन दुल्हन गहने और नकदी लेकर भाग निकली। रात में उसने दूल्हे और परिवार वालों को केसर वाला दूध दिया, जिसमें नींद की गोली मिला दी। इसके बाद अलमारी से गहने, शगुन और कैश बटोरे और फरार हो गई। सुबह होश आने पर दूल्हे ने पूरे घर में दुल्हन को ढूंढा। मगर वो कहीं नहीं दिखी। परिवार वालों ने चेक किया तो घर से सारे गहने भी गायब थे। पीड़ित ने बिचौलिए और लुटेरी दुल्हन सहित 5 पर मुकदमा दर्ज करवाया है। घटना एत्माद्दौला के सीतानगर की है। सीतानगर निवासी कुसुमा ने पुलिस को बताया- वह छोटे बेटे की शादी के लिए लड़की देख रही थी। इसी बीच उनकी मुलाकात जयप्रकाश नाम के व्यक्ति से हुई। वो बेटे की दुकान पर आते थे। 1 मई को उन्होंने बेटे से शादी के बारे में बात की। शाम को वो घर आ गए। उन्होंने बताया कि वो वकील हैं। ट्रांस यमुना फेज-2 में रहते हैं। उसकी जान पहचान की एक लड़की है। परिवार अच्छा है मगर परिजन गरीब हैं। ऐसे में शादी का पूरा खर्चा उठाना होगा। इस पर वो राजी हो गईं। उस दिन वो 40 हजार रुपए ले गए। जयप्रकाश ने 4 मई दोपहर तीन बजे फोन किया कि लड़की और उसके परिजन आ गए हैं। दयालबाग आ जाओ। आज ही शादी करवा देते हैं। इसके बाद वो अपने बेटों को लेकर उनके बताए स्थान पर पहुंच गईं। यहां पर जयप्रकाश ने उनसे 80 हजार रुपए और ले लिए। इसके बाद नगला पदी के महादेव मंदिर में बेटे की शादी करवा दी। रात को दुल्हन विदा होकर घर आ गई। 6 मई की रात को कंगन की रस्म पूरी होने के बाद दुल्हन बेटे के कमरे में गई। उसने बेटे को दूध पिलाया। इसके बाद रात को वही दूध घर वालों को भी दिया। इसमें नशीला पदार्थ था। दूध पीने के बाद पूरा परिवार बेहोश हो गया। दुल्हन घर से 1 लाख 30 हजार रुपए और जेवर लेकर फरार हो गई। पीड़ित ने बताया कि आसपास के कैमरे देखे तो पता चला कि युवती को लेने के लिए 6 लोग आए थे। पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद वो बिचौलिए जयप्रकाश के पास गए। उसको पूरी बात बताई तो वो बोले कोई बात नहीं है। जो हुआ भूल जाओ। परेशान न हो बेटे की दूसरी शादी करवा देंगे। उसने धमकी भी दी कि अगर पुलिस में गए या किसी को ये बात बताई तो पूरे परिवार को फर्जी मुकदमे में फंसा देंगे।

एक करोड़ की ब्राउन शुगर लेकर भाग रहे थे तस्कर, फिल्मी स्टाइल में पुलिस ने दबोचा

मुजफ्फरपुर, 15 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के चंद्रलोक चौक व स्टेशन रोड में पुलिस ने छापेमारी करके एक करोड़ की ब्राउन शुगर के साथ चार अंतरराज्यीय ड्रग्स सप्लायर गिरोह के शातिरों को दबोचा है। नगर डीएसपी वन सीमा देवी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गयी है। पकड़ाये धंधेबाजों की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के चिरैया थाने के ढाका शीतलपट्टी निवासी जयप्रकाश कुमार, मधुबन थाने के बड़ा पाकर के रहने वाले मुकेश कुमार, बक्सर जिले के कृष्णाब्रह्म थाना के छोटका ढकैच के रहने वाले अंकित कुमार के साथ- साथ ब्राउन शुगर की डिलीवरी लेने पहुंचे गया जिले के कोठी थाना के बाराकला निवासी संतोष कुमार गुप्ता के रूप में की गयी है। पुलिस ने तस्करों के पास से एक किलो ब्राउन शुगर जैसा दिखने वाला पदार्थ, एक स्विफ्ट डिजायर कार, एक डिजिटल तराजू, दो मोबाइल फोन व तीन लाख नकदी बरामद किया गया है। पुलिस पकड़े गए धंधेबाजों से पूछताछ के आधार पुलिस उनके गिरोह के अन्य तस्करों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी कर रही है। मामले को लेकर काजीमोहम्मदपुर थाने में चारों ड्रग्स सप्लायरों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

जांच के दौरान जब्त पैकेट में एक किलो ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ मिला। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनसे सख्ती से पूछताछ की गयी तो बताया कि वे लोग मणिपुर से तस्करी करके मादक पदार्थ की खेप मुजफ्फरपुर लाये थे। जंक्शन से उतरने के बाद छाता चौक जा रहे थे। मादक पदार्थ की खेप लाने के लिए गया से एक तस्कर कार से आने वाला है।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में बढ़ी पूर्व केंद्रीय मंत्री की मुश्किलें

एमपी-एमएलए कोर्ट में 4 जून को होगी सुनवाई

मुजफ्फरपुर, 15 मई (एजेंसियां)। मीनापुर थाना क्षेत्र के मुस्तफागंज बाजार में छह वर्ष पूर्व आयोजित राजनीतिक सभा में समय से 45 मिनट अधिक देरी तक चुनावी भाषण करने के मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा पर आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में प्राथमिकी कराई गई थी। इस मामले में विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश पंकज कुमार तिवारी के कोर्ट में बचाव पक्ष की ओर से अर्जी दाखिल की गई। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तिथि चार जून निर्धारित की है। विदित हो कि पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की पिछली सुनवाई में विशेष अभियोजक पदाधिकारी संजय कुमार ने कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी।

इसमें बताया था कि केस के जांच पदाधिकारी द्वारा डायरी व चार्जशीट में एसडीओ पूर्वी के आदेश की कॉपी व घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग साक्ष्य के रूप में जब्ती प्रदर्शन में नहीं शामिल है। केस डायरी व चार्जशीट में भी इन दोनों का उल्लेख नहीं किया गया है।

45 मिनट अधिक देरी तक उपेंद्र कुशवाहा ने किया संबोधित

मीनापुर के मुस्तफागंज बाजार में 10 मई 2019 को राजनीतिक सभा हुई थी। सभा का संचालन सुबह 11 से शाम चार बजे तक ही करना था, लेकिन इसमें 45 मिनट अधिक देरी तक उपेंद्र कुशवाहा ने मंच से संबोधित किया। यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है।

तत्कालीन सेक्टर पदाधिकारी ने दर्ज कराई थी प्राथमिकी

तत्कालीन सेक्टर पदाधिकारी ने मीनापुर थाने में प्राथमिकी कराई थी। केस के जांच की जिम्मेदारी जमादार बिजेंद्र प्रसाद को दी गई थी। जांच पदाधिकारी ने 15 फरवरी 2020 को कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। अब इस मामले में उपेंद्र कुशवाहा के विरुद्ध विशेष एमएपी-एमएलए कोर्ट में चार जून को सुनवाई होगी।

टीएमसी सांसद साकेत गोखले की मांग को हाईकोर्ट ने ठुकराया

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। मानहानि मामले में कोर्ट के आदेश की अवमानना करने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की पत्नी लक्ष्मी पुरी द्वारा दायर अवमानना याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीलबंद लिफाफे में माफी मांगने के टीएमसी नेता साकेत गोखले के अनुरोध को ठुकरा दिया। साथ ही गोखले को दो सप्ताह के अंदर माफी प्रकाशित करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने इससे पहले गोखले का 1.9 लाख वेतन रोकने का आदेश दिया था। एक जुलाई 2024 में अदालत ने कहा था कि गोखले आरोपों से लक्ष्मी पुरी के पति व केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को निशाना बना रहे थे और उनका कृत्य बेहद गैर-जिम्मेदाराना था। लक्ष्मी पुरी ने 2021 में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि साकेत गोखले ने जिनेवा में उनके स्वामित्व वाले एक अपार्टमेंट के संदर्भ में उनके वित्तीय मामलों के बारे में झूठे आरोप लगाए गए हैं। जिससे उनकी प्रतिष्ठा धूमिल हुई है।

दिग्विजय बोले-बीजेपी शाह को बचाने में लगी

कहा-जो फैसला पार्टी को लेना था वो कोर्ट ने लिया, सीजफायर पर भी उठाया सवाल

इंदौर, 15 मई (एजेंसियां)। इंदौर में आज पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले, पाकिस्तान पर की गई स्ट्राइक और विजय शाह के बयान को लेकर मीडिया से चर्चा की। दिग्गी ने कहा कि हाईकोर्ट के जज को बहुत बधाई और धन्यवाद दूंगा, जो फैसला बीजेपी को लेना चाहिए था वह अदालत ने ले लिया। आज तक बीजेपी ने कोई कार्यवाही नहीं की है। यानी बीजेपी विजय शाह को बचाने में लगी हुई है, मैंने कहा था मानसिकता, यही मानसिकता का विरोध कांग्रेस करती रही है। बीजेपी के प्रधानमंत्री, अध्यक्ष जेपी नड्डा क्या इस बयान को सही मानते हैं। अगर बयान को गलत मानते हैं, तो कार्यवाही कीजिए और शाह से सहमत हैं,

तो उन्होंने जो कहा सही कहा। इंदौर में मीडिया से बात करते हुए दिग्विजय सिंह ने सवाल उठाया कि पहलगाम में हमला करने वाले चार आतंकियों की पहचान अब तक क्यों नहीं हो पाई है? इस दौरान सिंह ने केंद्र सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती आतंकवाद है, जबकि पाकिस्तान में आतंकियों को खुलेआम संरक्षण मिलता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री खुद स्वीकारते हैं कि विदेशी ताकतों के दबाव में उन्हें आतंकियों को संरक्षण देना पड़ता है।

इटावाबाद में ओसामा बिन लादेन का ठिकाना इस बात का सबूत है। दिग्विजय सिंह ने भारतीय सेना की तारीफ करते हुए कहा कि सेना और खुफिया तंत्र ने सही टारगेट पर हमला किया और पहलगाम का बदला लिया, लेकिन सवाल यह है कि पहलगाम में हमला करने वाले चार आतंकियों की पहचान अब तक क्यों नहीं हो पाई है? दिग्विजय सिंह ने कहा कि इसे जानना जरूरी है। कांग्रेस नेता ने भाजपा की विचारधारा पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि हिन्दू-मुस्लिम विभाजन की संघी विचारधारा समाज में घर कर चुकी है। कर्नल सोफिया कुरैशी के विवाद को लेकर दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा नेता विजय शाह के बयान से साफ है कि भाजपा की सोच क्या है। संघी ट्रोल आर्मी ने इस मुद्दे को ट्रोल किया और भाजपा ने विजय शाह पर कोई कार्यवाही नहीं की।

संघ विचारधारा शाह के बयान में भी साफ नजर आती है

दिग्विजय सिंह ने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी को प्रवक्ता बनाए जाने पर भाजपा के नेताओं में होड़ मच गई कि हर मुद्दे को हिंदू-मुस्लिम रंग दिया जाए। भाजपा की ट्रोल आर्मी ने सिर्फ सोफिया कुरैशी ही नहीं, बल्कि भारत सरकार के प्रवक्ता विक्रम जीत और उनके परिवार को भी नहीं छोड़ा। सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ जहर उगला गया और दुख की बात यह है कि इन ट्रोल्स को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद फॉलो करते हैं। यह भाजपा की संघी विचारधारा को उजागर करता है, जो विजय शाह के बयान में भी साफ नजर आती है।

अचानक सीजफायर का निर्णय कैसे?

सीजफायर के मुद्दे पर भी दिग्विजय सिंह ने मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने सवाल उठाया कि मोदी सरकार ने पाकिस्तान के साथ अचानक सीजफायर का निर्णय कैसे कर लिया? उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान के बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ को सीजफायर की पेशकश की और सवाल उठाया कि इसके बाद भी सीजफायर का उल्लंघन क्यों हुआ?

जिस तुर्किये के बहिष्कार की उठ रही मांग, उसी की कंपनी संभाल रही भारतीय हवाई अड्डों के सारे अहम काम

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ संघर्ष में तुर्किये ने पाकिस्तान की खुलकर मदद की। इसे लेकर भारत में तुर्किये के खिलाफ नाराजगी का माहौल है और तुर्किये के बहिष्कार की मांग उठ रही है। हालांकि उसी तुर्किये की एक कंपनी भारत के प्रमुख हवाई अड्डों पर उच्च सुरक्षा से जुड़े कामों का प्रबंधन करती है। तुर्किये के संयुक्त उद्यम वाली कंपनी सेलेबी एविएशन भारत के आठ प्रमुख हवाई अड्डों के प्रबंधन का काम करती है।

जिन भारतीय हवाई अड्डों का प्रबंधन सेलेबी एविएशन करती है, उनमें दिल्ली, मुंबई और चेन्नई के हवाई अड्डे भी शामिल हैं। ये कंपनी भारत में सालाना 58 हजार उड़ानों का प्रबंधन करती है।

इंजीनियर राशिद की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने एनआईए से मांगा जवाब, क्या है निर्दलीय सांसद की दलील?

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में जम्मू-कश्मीर के बारामूला से निर्वाचित हुए निर्दलीय सांसद इंजीनियर राशिद की मुश्किलें अभी खत्म होती नहीं दिख रही हैं. 2019 से तिहाड़ जेल में बंद इंजीनियर राशिद की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए से जवाब तलब किया है. अदालत ने स्पष्ट किया कि यह मामला जीवन और स्वतंत्रता से जुड़ा है, लिहाजा इसकी सुनवाई जरूरी है. जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा इस मामले की सुनवाई होनी चाहिए. इसके साथ ही अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तारीख तय की है.

क्या है मामला ?

इंजीनियर राशिद पर आरोप है कि उन्होंने कथित रूप से आतंकवादी गतिविधियों को आर्थिक मदद पहुंचाई. यह मामला 2017 के टेरर फंडिंग केस से जुड़ा है, जिसमें एनआईए ने उन्हें गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया था. वह 2019 से तिहाड़ जेल में बंद हैं और वहीं से उन्होंने 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल की.

जमानत याचिका पर क्यों हो रहा है विवाद?

राशिद की ओर से ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है, जिसमें 21 मार्च को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी. हालांकि, एनआईए ने याचिका पर तकनीकी आपत्ति उठाते हुए कहा कि अपील दाखिल करने में 1104 दिन की देरी हुई है, जबकि कानून के अनुसार अधिकतम 90 दिनों के भीतर ही अपील की अनुमति है. इसके जवाब में राशिद के वकील ने अदालत से कहा कि यह समयसीमा कठोर नहीं है और ऐसे मामलों में कोर्ट के पास देरी को माफ करने का अधिकार है, खासकर जब बात किसी व्यक्ति की जीवन और स्वतंत्रता से जुड़ी हो.

अगली सुनवाई 29 जुलाई को

अब सभी की निगाहें 29 जुलाई पर टिकी हैं, जब हाईकोर्ट यह तय करेगा कि राशिद की अपील पर आगे की सुनवाई हो सकेगी या नहीं. क्या जेल में बंद सांसद संसद की कार्यवाही में हिस्सा ले सकेंगे.

छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास कार सवार पर हमलावरों ने चलाईं ताबड़तोड़ गोलियां, एक गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। मेहरौली-गुरुग्राम रोड पर छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास दोपहर 1:00 बजे अज्ञात हमलावरों ने एक फॉर्च्यूनर कार में सवार व्यक्ति पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। इस हमले में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे दिल्ली पुलिस ने तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने लगभग पांच राउंड फायरिंग की। घटनास्थल पर दिल्ली पुलिस के जवान तैनात हैं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, महरौली के पास गोलीबारी की घटना की सूचना मिली थी। प्राथमिक जांच में पता चला है कि पीड़ित अरुण लोहिया निवासी आया नगर जो अपनी कार में था, उसे गोली लगी है।

बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड में मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी को एससी से नहीं मिली राहत

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मंत्री बृजबिहारी प्रसाद हत्याकांड में दोषी मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने बृजबिहारी हत्याकांड के दोषी पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने सजा को लेकर दायर पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया है। साल 1998 में हुए बृजबिहारी हत्याकांड में आरोपी मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी की उम्रकैद की सजा सुप्रीम कोर्ट ने साल 2024 में बरकरार रखी थी। इसी के बाद एक बार फिर उम्रकैद की सजा पर फिर से विचार करने की याचिका के साथ इन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन कोर्ट ने याचिका पर फिर से विचार करने से इनकार कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने 6 मई के फैसले में कहा कि पुनर्विचार का कोई केस नहीं बनता। साल 1998 में बिहार के दिग्गज नेता बृजबिहारी प्रसाद की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वो उस समय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इसी के साथ वो इंजीनियरिंग एडमिशन घोटाले में आरोपी थे और उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पटना के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में ही टहलने के दौरान उन पर हमला हो गया था और गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। नेता की हत्या के बाद इस मामले में बिहार के बाहुबली सूरजभान सिंह और मुन्ना शुक्ला समेत 8 आरोपियों को साल 2009 में निचली अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी, लेकिन इसी के बाद साल 2014 में पटना हाईकोर्ट ने सभी को बरी करने का बड़ा फैसला सुनाया था। बृज बिहार प्रसाद की पत्नी रमा देवी और केंद्रीय सीबीआई ने आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाए जाने के बाद सबूत इकट्ठे किए और आरोपियों को बरी करने के सुप्रीम कोर्ट के 2014 के आदेश को चुनौती दी थी। इसी के बाद 4 अक्टूबर, 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने इस हत्याकांड में मुन्ना शुक्ला और मंटू तिवारी की उम्र कैद की सजा को बरकरार रखा था। इसी को लेकर अब पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी, लेकिन कोर्ट ने याचिका पर फिर से विचार करने से इनकार कर दिया है। हालांकि, इस हत्या मामले में सूरजभान सिंह और राजन तिवारी सहित अन्य को अदालत ने बरी कर दिया था।

सेना का सम्मान सर्वोपरि

जीतू पटवारी बोले- विजय शाह को बर्खास्त कर प्रधानमंत्री स्पष्ट संदेश दें

भोपाल, 15 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा सेना अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के विरुद्ध की गई अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि विजय शाह को तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए। पटवारी ने कहा है कि भारत-पाक तनाव के समय प्रधानमंत्री ने पूरे देश को यह संदेश दिया था कि 140 करोड़ भारतीय एकजुट हैं और सेना के साथ हैं। परंतु जब उन्हीं की पार्टी का एक मंत्री सेना के सम्मान को ठेस पहुंचाता है, तब प्रधानमंत्री की चुप्पी और भाजपा का संरक्षण, इन संदेशों की गंभीरता पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए पुलिस को चार घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था, लेकिन पुलिस ने आठ घंटे की देरी से कार्रवाई की, जिससे सरकार की नीयत पर संदेह होता है। पटवारी ने यह भी आरोप लगाया कि अब विजय शाह सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं।

यह भाजपा की तरफ से उन्हें बचाने की एक सोची-समझी कोशिश प्रतीत होती है। पटवारी नेआगे कहा कि कांग्रेस पार्टी के लिए यह लड़ाई किसी दल के खिलाफ नहीं, बल्कि देश की सेना और राष्ट्रीय गरिमा के सम्मान की लड़ाई है। जब तक उचित कार्रवाई नहीं होती, कांग्रेस हर मंच पर इस मुद्दे को उठाती रहेगी। अंत में उन्होंने कहा कि जो सरकार राष्ट्रवाद की बात करती है, उसे अब तय करना होगा कि वह देश की सेना के साथ खड़ी है या उन लोगों के साथ जो उसे अपमानित करते हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर बयान देने वाले मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करें : उमा भारती

भोपाल, 15 मई (एजेंसियां)। सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के मंत्री और बीजेपी नेता विजय शाह के विवादित बयान पर बवाल जारी है। इस बीच बीजेपी की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने विजय शाह को बर्खास्त करने की मांग उठाई है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा, "कांग्रेस के कहने सुनने से हमें क्या मतलब, नैतिकता और देशभक्ति पर कांग्रेस खरी उतर ही नहीं पाई किंतु हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दी गई नसीहतों का तो हम ध्यान रखें।" उन्होंने कहा, "पीएम मोदी ने स्वयं पहलगाम की घटना से लेकर आज तक जो शौर्य एवं धैर्य का परिचय दिया उससे दुनिया चकित हुई और पूरा भारत उनके साथ खड़ा है।"

बर्खास्तगी में असमंजस आश्चर्य का विषय है- उमा भारती

उमा भारती ने कहा, "हमारे राज्य के मेरे सगे भाई जैसे प्रिय मंत्री को या तो हम बर्खास्त करें या वह इस्तीफा दे दें, क्योंकि उनका असभ्य कथन हम सबको शर्मिंदा कर रहा है, उनकी बर्खास्तगी में असमंजस आश्चर्य का विषय है।" बता दें कि मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकियों की बहन बताया था। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा था, "पाकिस्तानियों ने हमारे देश के लोगों के कपड़े उतारे, लेकिन हमने उनकी समाज की बहन (कर्नल सोफिया कुरैशी) को भेजकर उनकी ऐसी-तैसी करवा दी।" इस बयान के बाद कांग्रेस ने उन्हें बर्खास्त करने की मांग की। साथ ही मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने बुधवार को बयान पर संज्ञान लिया और एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। साथ ही सुनवाई की तारीख आज की तय की। हाई कोर्ट ने आज पुलिस की एफआईआर को कमजोर बताया और पुलिस को फटकार लगाई। वहीं हाई कोर्ट के आदेश को मंत्री विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। जहां आज सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने कहा कि आप किस तरह का बयान दे रहे हैं? जाइए और माफी मांगिए।

नए वकीलों के लिए योजना में देरी

एमपी हाईकोर्ट ने सरकार को लगाई फटकार, नोटिस हो गया जारी

जबलपुर, 15 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को सीएम कल्याण योजना-2012 को लागू करने में देरी के लिए नोटिस जारी किया है। इस योजना के तहत नए वकीलों को वित्तीय सहायता देने का वादा किया गया था। अदालत ने सरकार से पूछा है कि योजना को लागू करने में इतनी देरी क्यों हो रही है। लॉ स्टूडेंट की याचिका पर सुनवाई के बाद यह बात कही गई है। दरअसल, महाकौशल लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकुश चौधरी ने यह याचिका दायर की थी। इसी पर सुनवाई करते हुए एमपी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने यह नोटिस जारी किया। याचिका में कहा गया है कि सरकार ने योजना के तहत धन जारी नहीं किया है।

क्या है सीएम कल्याण योजना

सीएम कल्याण योजना-2012 का उद्देश्य नए वकीलों को अपना काम शुरू करने के लिए 12000 रुपये की एकमुश्त सहायता देना था। इससे वे अपनी ऑफिस के लिए कुर्सी, टेबल और अन्य फर्नीचर जैसी चीजें खरीद सकते थे।

साल 2019 से नहीं मिला योजना का लाभ

याचिकाकर्ता अंकुश चौधरी ने बताया कि 16 मार्च 2023, 10 फरवरी 2025 और 24 मार्च 2025 के संशोधित आदेशों के बावजूद योजना से लाभ पाने वाले अंतिम वकील 2018 में नामांकित हुए थे। 2019 के बाद नामांकित कई वकीलों को इस योजना का लाभ नहीं मिला।

इन विभागों को नोटिस जारी

सुनवाई के दौरान न्यायाधीशों ने कहा कि योजना को लागू करने में सरकार का रवैया निराशाजनक है। इससे नए वकीलों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार, वित्त विभाग, विधि एवं गृह विभाग और बार काउंसिल ऑफ इंडिया सहित सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

15 राज्यों में होगी कांग्रेस की जय हिंद सभा सीजफायर के ट्रंप के दावे पर सरकार से पूछेगी सवाल

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत पाकिस्तान में संघर्षविराम में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावे को लेकर सियासत जोरों पर है। कांग्रेस ने इसे लेकर सवाल खड़े किए हैं। इस बीच, कांग्रेस ने एलान किया है कि वह 20 से 30 मई के बीच 15 राज्यों में 'जय हिंद सभा' आयोजित करेगी। इस सभा में राष्ट्रीय सुरक्षा से निपटने के सरकार के तरीके तथा भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में अमेरिका की भागीदारी को लेकर सवाल उठाएगी। कांग्रेस ने यह एलान बुधवार को हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद किया है। कांग्रेस महासचिव एवं संगठन प्रभारी के सी वेणुगोपाल ने अपनी एक पोस्ट में जय हिंद सभा की पोस्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन बैठकों में सेना के दिग्गजों, पार्टी नेताओं और आम जनता की भागीदारी होगी। वेणुगोपाल ने अपनी पोस्ट में कहा कि सशस्त्र बलों की सर्वोच्च वीरता और सफलता को सलाम करने के लिए कांग्रेस पूरे भारत में 'जय हिंद सभा' आयोजित करेगी। हमें सुरक्षा चूक, राष्ट्रीय सुरक्षा से निपटने के सरकार के तरीके और हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में अमेरिका की चिंताजनक भागीदारी पर उसकी चुप्पी पर भी गंभीर सवाल उठाने चाहिए। इससे पहले, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी इस विषय पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस पार्टी पूछ रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम की घोषणा क्यों की? पीएम मोदी और विदेश मंत्री इस पर चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरे देश में जय हिंद रैलियां निकालेगी और संघर्ष विराम और डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाएगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम की घोषणा की। ऐसा पहली बार हो रहा है। पीएम मोदी इस पर कुछ नहीं बोलते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो कहते हैं कि अमेरिका की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण थी कि उनकी वजह से ही यह युद्ध रुका। विदेश मंत्री डॉ। जयशंकर इसका जवाब भी नहीं देते हैं। हम लगातार पूछ रहे हैं कि पीएम मोदी और विदेश मंत्री इस बात का जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं कि अमेरिका की भूमिका क्या है? उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को रियाद में एक कार्यक्रम में कहा कि 'हाल ही में मेरे प्रशासन ने सफलतापूर्वक भारत और पाकिस्तान के बीच ऐतिहासिक संघर्ष विराम कराया है। इसके लिए मैंने व्यापार का इस्तेमाल किया और कहा कि परमाणु हथियारों का आदान-प्रदान करने के बजाय चीजों का व्यापार करें। दोनों ताकतवर और अच्छे नेता हैं और दोनों मान गए और ये सब रुक गया। उम्मीद है कि ये ऐसा ही रहेगा।' इससे पहले भी ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाया। हालांकि भारत सरकार साफ कह चुकी है कि संघर्ष विराम के लिए भारत और पाकिस्तान के मध्य बातचीत हुई और इसमें किसी ने मध्यस्थता नहीं की। भारत ने ये भी कहा कि कश्मीर द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तीसरे पक्ष के लिए जगह नहीं है।

पहले गुरुग्राम पुलिस की चीफ बनकर बढ़ोरी थीं सुर्खियां अब फिर चर्चा में आईं आईपीएस कला रामचंद्रन

चंडीगढ़, 15 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु से हरियाणा कैडर में आई 1994 बैच की आईपीएस अधिकारी कला रामचंद्रन एक बार फिर सुर्खियों मे हैं। फरवरी 2022 में जब वह दिल्ली से सटे गुरुग्राम की पुलिस आयुक्त बनीं थी तो उनकी खूब चर्चा हुई थी, हालांकि नूंह और गुरुग्राम में हिंसा के बाद कला रामचंद्रन का तबादला हो गया थ। हरियाणा में आईपीएस कला रामचंद्रन की गिनती तेजतर्रार अफसरों में होती है। नायब सैनी सरकार में अभी कला राम चंद्रन हरियाणा के पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। फरीदाबाद में हर साल आयोजित होने वाले 38वां सूरजकुंड मेला उनकी अगुवाई में आयोजित हुआ था। इसे जिसे सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला भी कहा जाता है। आईपीएस कला रामचंद्रन ने हरियाणा के पर्यटन निगम के एमडी आईएफएस सुनील कुमार के साथ मिलकर सभी का ध्यान खींचा है। पर्यटन परिसरों के कमरे और लॉन की ऑनलाइन बुकिंग से अप्रैल महीने में सरकार को बड़ा फायदा कराया है। राजस्व में 80 लाख रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अनुमान है कि सालभर में हरियाणा सरकार को करोड़ों रुपये का फायदा हो सकता है। इसका फायदा पर्यटन निगम को होगा। इससे सुविधाओं में विस्तार किया जा सकेगा। कला रामचंद्रन ने सूरजकुंड मेले में गड़बड़ी के तमाम छेदों को बंद कर दिया था। मेले में स्टॉल के अलॉटमेंट की प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया था। तब काफी स्थानीय नेताओं को तकलीफ हुई थी।

कमाई के साथ कायाकल्प

आईपीएस कला रामचंद्रन और आईएफएस अधिकारी सुनील कुमार की जोड़ी पर्यटन निगम की कमाई बढ़ाने के साथ परिसरों को बेहतर बनाने के एजेंडे पर काम कर रही है। इसके लिए हरियाणा के पर्यटन निगम की परिसरों के जीर्णोद्धारा के लिए एनबीसीसी जैसी केंद्रीय एजेंसियों से बात चल रही है। कला रामचंद्रन निगम की कमाई बढ़ाने के लिए चर्चा में आ गई हैं। चंडीगढ़ में उनके कोशिशों की खूब चर्चा हो रही है।

रामचंद्रन के पति भी हैं तेजतर्रार अधिकारी

आईपीएस कला रामचंद्रन के पति नवदीप सिंह विर्क आईपीएस हैं। वह भी गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त रह चुके हैं। 1994 बैच के नवदीप सिंह विर्क से शादी के बाद कला रामचंद्रन हरियाणा कैडर में आ गई थीं। दो दशक से अधिक लंबे करियर में विर्क 13 जगह एसपी और एसएसपी पद पर रह चुके हैं। वह 4 साल तक सीबीआई में रहे हैं। कला रामचंद्रन गुरुग्राम की सीपी बनने वाली पहली महिला पुलिस अधिकारी हैं। गुरुग्राम में पुलिस कमिश्नरेट का गठन साल 2006 में हुआ था। इससे पहले कला रामचंद्रन रेवाड़ी, फतेहाबाद और पंचकुला जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में काम कर चुकी हैं।

स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 16 मई - 2025

ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान की मिट्टी पलीद

अशोक भाटिया

हम तो डूबे सनम तुम्हे भी ले डूबेंगे कहावत पूरी तरह से पाकिस्तान व उसे मदद करने वाले दोस्तों पर लागू हो रही है । भारत द्वारा किए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की तो हालत ख़राब हुई ही हुई अब उसकी मदद करने वाले देशों की भी हालत ख़राब हो रही है । ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और तुर्की ने किस तरह पाकिस्तान का साथ दिया, इसे पूरी दुनिया ने देख लिया है। तुर्की और चीन निर्मित ड्रोनों का भरपूर इस्तेमाल पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए किया लेकिन भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने उन सभी ड्रोनों और मिसाइलों की हवा निकाल दी। अभी भी पाकिस्तान द्वारा दागी गईं चीनी और तुर्की के मिसाइलों और ड्रोनों के अवशेष भारत में मौजूद हैं। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया है लेकिन चीन और तुर्की के अलावा एक और देश अजरबैजान का चेहरा बेनकाब हो गया है, जिसने भाईजान बनकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए तुर्की के 350 से ज्यादा ड्रोन का इस्तेमाल किया। सवाल यह उठता है कि क्या तुर्की भी पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत से लड़ाई लड़ रहा था? तुर्की के सैन्यकर्मी भारत के खिलाफ ड्रोन हमले कराने के लिए पाकिस्तान में मौजूद रहे यानी ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत पर ड्रोन हमले कराने में तुर्की के सलाहकारों ने पाकिस्तानी सेना की मदद की। सोनगार ड्रोन्स हथियार ले जाने में सक्षम यूएवी यानी मानव रहित हवाई वाहन हैं जिनके पास टारगेट को पहचानने और उसे नष्ट करने की विशेष क्षमता होती है। ये तुर्की का पहला राष्ट्रीय हथियारबंद ड्रोन सिस्टम है जिसे क्रॉस बॉर्डर सैन्य अभियानों में इस्तेमाल किया जाता है। इसकी रेंज 5 से 10 किलोमीटर होती है। इसमें कैमरे और ऑटोमैटिक मशीनगन लगी होती है। इसे 2020 में पहली बार तुर्की की सशस्त्र सेना में शामिल किया गया था। पाकिस्तान की तरफ से कामिकाजे ड्रोन भी भारत के खिलाफ इस्तेमाल किए गए। ऐसे ही एक ड्रोन का मलबा नौशेरा में मिला। इस ड्रोन से रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया था। लेकिन भारत के आकाश जैसे मेड इन इंडिया प्लैटफॉर्म के आगे इनकी एक न चली। सूत्रों से आई इस खबर को इस बात से पुख्ता किया जा सकता है कि तुर्की के दो ड्रोन ऑपरेटरों का पाकिस्तान में भारत के हमले में मारे जाने का दावा है, जिसे पाकिस्तान छिपा ले गया। तुर्की की तरफ से पाकिस्तान को दी गई मदद पर अब भारत की नजर रही । बड़ी बात ये है कि इन देशों की अर्थव्यवस्था में भारत का बड़ा योगदान है। चीन जहां भारत में अपने सस्ते माल बेचकर बड़ी कमाई करता है, वहीं तुर्की और अजरबैजान भारतीय पर्यटकों से गाढ़ी कमाई करता है। यानी ये देश कमाई भारत से करते हैं लेकिन उसका इस्तेमाल भारत के खिलाफ कर रहे हैं। ऐसे में भारतीयों ने अब इनका विरोध करना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर भी तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार का आह्वान किया जा रहा है। व्यापारियों के संगठन, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने भी भारतीय व्यापारियों और नागरिकों से मौजूदा शत्रुता के बीच पाकिस्तान का खुला समर्थन करने के जवाब में तुर्की और अजरबैजान की यात्रा का पूरी तरह से बहिष्कार करने का आह्वान किया है। बता दें कि सीएआईटी लंबे समय से चीनी उत्पादों के बहिष्कार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चला रहा है, जिसका काफी प्रभाव पड़ा है, और अब इसका इरादा इस आंदोलन को तुर्की और अजरबैजान तक बढ़ाने का है। संगठन इस अभियान को तेज करने के लिए ट्रैवल और टूर ऑपरेटरों और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ सहयोग करेगा।सीएआईटी के महासचिव और चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बुधवार को यह अपील की और इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान के भाईजान तुर्की और अजरबैजान की यात्रा का बहिष्कार करने से इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं, खासकर उनके पर्यटन क्षेत्र पर काफी असर पड़ सकता है।अब तो तुर्की से कारोबार बंद करने और उसके सामानों के बहिष्कार की मांग भी देशभर से उठनी शुरू हो गई है। ऐसे में यह सवाल सभी के मन में उठता है कि आखिर हमारा तुर्की के साथ कितना बड़ा कारोबार है। दोनों देश एक-दूसरे से क्या खरीदते और बेचते हैं। भारत सरकार के ट्रेड डाटा को खंगालने से पता चलता है कि भारत और तुर्की एक दूसरे से कई जरूरी सामान खरीदते हैं। सबसे चौंकाने वाली बात तो यह है कि पाकिस्तान ही नहीं, भारत भी तुर्की से हथियारों की खरीद करता है। इसके अलावा दोनों देश केमिकल, इलेक्ट्रॉनिक सामान और कपड़ों का भी आयात-निर्यात करते हैं। तुर्की के पर्यटन में भी भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। साल 2024 में तुर्की जाने वाले पर्यटकों में दूसरी सबसे ज्यादा हिस्सेदारी भारतीयों की रही है।भारत के व्यापार आंकड़े देखें तो पता चलता है कि अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक भारत ने तुर्की को 5.2 अरब डॉलर (करीब 45 हजार करोड़ रुपये) का सामान निर्यात किया है। इससे पहले 2023-24 में यह आंकड़ा 6.65 अरब डॉलर का रहा था। हालांकि, निर्यात का यह आंकड़ा भारत के कुल एक्सपोर्ट का महज 1.5 फीसदी ही है। आयात की बात करें तो तुर्की से भारत ने अप्रैल, 2024 से फरवरी, 2025 तक 2.84 अरब डॉलर (करीब 24.4 हजार करोड़ रुपये) का सामान आयात किया था, जो भारत के कुल आयात का महज 0।5 फीसदी हिस्सा है। तुर्की सबसे ज्यादा खरीदारी कपड़ों, अपैरल, सूती धागे, इंजीनियरिंग सामान, केमिकल और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की करता है। सबसे ज्यादा डिमांड भारतीय सूती धागे, कपड़े और रेडिमेड कपड़ों की रहती है। इसके अलावा खनिज तेल और ईंधन की भी तुर्की में बड़ी डिमांड है। एल्युमीनियम प्रोडक्ट, ऑटो कंपोनेंट और इलेक्ट्रिकल मशीनरी का ज्यादातर निर्यात भारत ही तुर्की को करता है। एयरक्राफ्ट और उसके पार्ट्स, टेलीकॉम उपकरण, इलेक्ट्रिक मशीनरी और उसके उपकरण, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन का भी तुर्की खूब आयात करता है। खाने-पीने के सामानों में खनिज तेल, चावल, चायपत्ती, कॉफी और मसालों के लिए तुर्की हमारे ऊपर ही निर्भर है। प्लास्टिक, रबर और दवाओं का भी तुर्की बड़ा खरीदार है। भारत का सबसे ज्यादा आयात मार्बल का होता है। इसके अलावा कुल आयात में करीब 86 करोड़ रुपये के सेब शामिल होते हैं। भारत सोना, सब्जियां, चूना और सीमेंट के लिए भी तुर्की से कारोबार करता है। 2023-24 में भारत ने 1.81 करोड़ डॉलर (करीब 155 करोड़ रुपये) का खनिज तेल आयात किया था। इसके अलावा केमिकल, मोती, आयरन और स्टील की खरीदारी भी हम तुर्की से करते हैं। तुर्की द्वारा पाकिस्तान का खुलेआम समर्थन करने के बाद देशभर में 'बॉयकॉट तुर्की' अभियान ने जोर पकड़ लिया है। महाराष्ट्र के पुणे से लेकर राजस्थान के उदयपुर तक व्यापारियों ने तुर्की से आयातित वस्तुओं का बहिष्कार कर तुर्की को आर्थिक मोर्चे पर जवाब देने का ऐलान कर दिया है। एजेंसी के अनुसार, महाराष्ट्र के पुणे में व्यापारियों ने तुर्की से आयात होने वाले सेबों की बिक्री पूरी तरह बंद कर दी है। स्थानीय बाजारों से ये सेब गायब हो गए हैं और ग्राहकों ने भी इसका बहिष्कार कर दिया है। हर साल पुणे के फलों के बाजार में तुर्की सेबों की हिस्सेदारी लगभग 1000-1200 करोड़ रुपये की होती है, लेकिन अब यह कारोबार ठप हो गया है। गाजियाबाद के साहिबाबाद फल मंडी के व्यापारियों ने भी तुर्की से सेब और अन्य फलों के आयात का बहिष्कार करने का फैसला किया है। ट्रैवल कंपनी Make My Trip ने बयान जारी कर कहा, 'पिछले एक हफ्ते में भारतीय यात्रियों की भावनाओं में स्पष्ट बदलाव देखने को मिला है। अजरबैजान और तुर्की के लिए बुकिंग में 60% की गिरावट आई है, जबकि इन्हीं दो देशों के लिए कैंसलेशन 250% तक बढ़ गए हैं।'कंपनी ने कहा, 'हम अपने देश के साथ पूरी एकजुटता से खड़े हैं और सशस्त्र सेनाओं के प्रति गहरी श्रद्धा के साथ इस भावना का पूर्ण समर्थन करते हैं। हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे अजरबैजान और तुर्की की अनावश्यक यात्रा से बचें।

ताबूत बनती स्लीपर बसें

यूपी की राजधानी लखनऊ में बिहार से दिल्ली जा रही एक स्लीपर बस में गुरुवार तड़के आग लगने से दो बच्चों समेत 5 लोगों की मौत हो गई। ऐसे में सवाल है कि क्यों ये सफर किसी के लिए फाइनल डेस्टिनेशन बन जाता है? हादसे के बाद ड्राइवर और कंडक्टर ने बस से कूदकर अपनी जान बचा ली। लेकिन बस जलती हुई करीब एक किलोमीटर तक चलती रही। बस का इमरजेंसी डोर भी नहीं खुला, जिससे यह हादसा और जानलेवा हो गया। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, ड्राइवरों के अपने वाहनों पर नियंत्रण खो देने के कारण दुर्घटनाओं की संख्या 2022 में पांच प्रतिशत से अधिक बढ़ गई। ऐसे भीषण हादसों में 9,862 लोगों की जान चली गई। माना जा रहा है कि यह संख्या अब 10 फीसदी तक बढ़ चुकी है। ज्यादातर ऐसे हादसे अलसुबह ही होते हैं। सड़क मंत्रालय इन मामलों को रन आफ द रोड श्रेणी में रखता है। इसे रोकने के लिए सरकार को सबसे पहले स्पीड लिमिट कम करनी चाहिए और दुर्घटनाओं की संख्या कम होने पर वह इसे धीरे-धीरे बढ़ा सकती है। इसके साथ ही ज्यादातर हाइवे सीधे होते हैं। उनमें मोड़ कम ही होते हैं और परिदृश्य में भी ज्यादा बदलाव नहीं होता है। इस वजह से ड्राइवर को बोरियत होती है और उसे नींद आती है जो दुर्घटना की वजह बनती है। इसलिए, सभी हाइवे का अध्ययन करने की जरूरत है। ज्यादातर स्लीपर बस में सभी बर्थ की लंबाई लगभग 6 फीट और चौड़ाई 2.6 फीट होती है। आपातकाल में निकलने के लिए जगह काफी कम होती है। ऐसे में हादसे के समय वे बाहर नहीं निकल पाते। स्लीपर बसें आमतौर पर 8 से 9 फीट ऊंची होती हैं। आग लगने पर यात्रियों के लिए इमरजेंसी विंडो या गेट तक पहुंचना असंभव हो जाता है। वहीं बाहर राहत-बचाव में जुटे लोगों को भी कठिनाई का सामना करना पड़ता है, क्योंकि किसी भी यात्री को बाहर निकालने से पहले उन्हें 8-9 फीट ऊपर चढ़ना पड़ता है। ज्यादातर बस ड्राइवर एक बार में 800 से 1000 किलोमीटर का सफर तय करते हैं। लंबे रूट में ड्राइवर के थकने और झपकी आ जाने की संभावना बनी रहती है। ड्राउजीनेस अलर्ट सिस्टम भी प्राइवेट बसों में नहीं होता है, जो नींद आने पर ड्राइवर को अलर्ट करता है। चीन में अगस्त 2012 में स्लीपर बस हादसे के बाद नई स्लीपर बसों के रजिस्ट्रेशन पर बैन लगा दिया गया। पुरानी स्लीपर बसें चलती रहीं। अकेले 2012 में स्लीपर बसों से जुड़ी कम से कम तीन दुर्घटनाएं हुईं, इनमें 62 लोगों की मौत हो गई और 67 लोग घायल हुए। ये सभी हादसे रात में हुए। चीन में बैन होने से पहले 37 हजार स्लीपर बसें चल रही थीं। देश के 5 हजार रूट पर लगभग 10 लाख लोग स्लीपर बस से सफर करते थे। भारत और पाकिस्तान को छोड़कर किसी अन्य देश के पास इतनी स्लीपर बसें नहीं हैं। जुलाई 2011 में चीन के परिवहन मंत्रालय ने स्लीपर बस चलाने वाले ड्राइवरों को रात 2 से सुबह 5 बजे तक आराम करना अनिवार्य कर दिया है। क्योंकि रात 2 बजे से सुबह 5 बजे तक नींद आने की आशंका ज्यादा रहती है। स्लीपर की सीट ऊपर होती है और वो भी बंद। ऐसे में आग लगने पर पहले तो उन्हें पता नहीं चलता। जब पता चलता है, तब तक आग पूरी तरह से बस को अपनी चपेट में ले चुकी होती है। ऐसे में स्लीपर से सो रहे यात्री का हादसे के बाद बच निकलने में समय लगता है। स्लीपर बसें के ज्यादातर ड्राइवर पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं होते। स्लीपर एसी बसों के ज्यादातर मालिक प्राइवेट हैं। कई बार जरूरत से ज्यादा स्पीड से हाइवे पर बसें चलती हैं। कुछ हाइवे पर स्पीड लिमिट 100 से 120 किमी प्रति घंटे हैं, मगर ड्राइवरों को इसकी कोई ट्रेनिंग नहीं है। ज्यादातर नौसिखिए ही लॉन्ग रूट पर चलने वाली इन बसों के ड्राइवर बन जाते हैं।

डेंगू में लापरवाही जिंदगी पर पड़ सकती है भारी

श्वेता गोयल

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया। डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं।तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है। किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए।

सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बना भारत

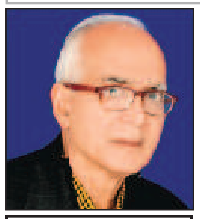

निरंकार सिंह

भारत दो दशक पहले तक तमाम सुरक्षा उपकरणों और हथियारों के लिए से विदेशों पर निर्भर था। पिछले दस साल में यह स्थिति बदल गयी है। आज वह दुनिया का सबसे बड़ा हथियारों और सुरक्षा उपकरणों का निर्यातक देश बन गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद तो वियतनाम से तेकर सऊदी अरब तक ब्रह्मोस खरीदने की होड़ लगी है। भारत ने फिलीपींस के साथ ब्रह्मोस मिसाइल का सौदा किया है, जिसकी पहली बैटरी भेजी जा चुकी है। इंडोनेशिया भी ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने पर विचार कर रहा है। वियतनाम और मलेशिया भी ब्रह्मोस मिसाइल में रुचि दिखा रहे हैं। भारत का रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2024-25 में बढ़कर 23,622 करोड़ रुपये (लगभग 2.76 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2023-24 के रक्षा निर्यात के आंकड़ों की तुलना में हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष में 2,539 करोड़ रुपये या 12.04 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि 21,083 करोड़ रुपये है। रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपने निर्यात में 42.85 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। यह वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती स्वीकार्यता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनने की भारतीय रक्षा उद्योग की क्षमता को दर्शाता है। वर्ष 2024-25 के रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र और डीपीएसयू ने क्रमशः 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान दिया है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए यह आंकड़ा क्रमशः 15,209 करोड़ रुपये और 5,874 करोड़ रुपये था। रक्षा मंत्री के अनुसार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2029 तक रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर सैन्य बल से विकसित होकर आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उत्पादन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने वाला देष बन गया है। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देते हुए, हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणालियां तथा पुर्जे एवं कंपोनेंट्स जैसी वस्तुओं की व्यापक रेंज लगभग 80 देशों को निर्यात की गई है। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं, जिनमें औद्योगिक लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाना, लाइसेंसिंग व्यवस्था से कुल भागों और कंपोनेंट्स को हटाना, लाइसेंस अवधि बढ़ाना आदि शामिल हैं। इसके अलावा, निर्यात की अनुमति के लिए एसओपी को और सरल बनाया गया है और देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पिछले वित्तीय वर्ष में और प्रावधान जोड़े गए हैं। भारत का हथियार निर्यात पहली बार 21,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के प्रयास में, ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों से लेकर तोपखाने बंदूकों तक विभिन्न प्रकार के हथियारों के अपने निर्यात का विस्तार कर रहा है।यह विकास प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली के प्रयास के हिस्से के रूप में आता है। भारत ने 2024-25 तक वार्षिक रक्षा निर्यात को 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। भारत इटली, मालदीव, रूस, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फिलीपींस, सऊदी अरब, पोलैंड, मिस्र, इजराइल, स्पेन, चिली और अन्य सहित 85 से अधिक देशों को हथियारों की आपूर्ति करता है। भारत के रक्षा निर्यात में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 2013-14 में 686 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपये हो गया है।कांग्रेस के मनमोहन सिंह की सरकार के दस वर्षो के कार्यकाल में कुल रक्षा निर्यात 4312 करोड़ का था। अब यह नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले दस वर्षो में बढ़कर एक लाख 12 हजार करोड़ हो गया है। आपरेशन सिंदूर भारत ने जो अपनी ताकत दिखायी है उससे यह और अधिक बढ़ जायेगा। भारत में लगभग 100 कंपनियां रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं, और केंद्र ने 2024-25 के लिए रक्षा बजट हेतु 6.21 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछले वित्तीय वर्ष में आवंटित 5.94 लाख करोड़ रुपये से 4.3 प्रतिषत अधिक है। वर्ष 2014 तक जारी किये गए 215 रक्षा लाइसेंसों की तुलना में मार्च 2019 तक जारी किये गए रक्षा लाइसेंसों की संख्या 440 हो गई। उल्लेखनीय उदाहरणों में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा बोइंग को एयरोस्पेस घटकों का निर्यात शामिल है। इस बढ़ी हुई भागीदारी के कारण रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र अधिक विविध और प्रतिस्पर्द्धी बन गया है, जिससे नवाचार और निर्यात वृद्धि को बढ़ावा मिला है। भारत ने दो रक्षा औद्योगिक गलियारे भी स्थापित किये हैं- एक उत्तर प्रदेश में और दूसरा तमिलनाडु में।ः भारत ने रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर अपना ध्यान केंद्रित किया है, जिससे उन्नत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का विकास हो रहा है जो वैश्विक बाजार में आकर्षक हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (क्त्क्व) इस प्रयास में सबसे आगे रहा है, जिसका वित्त वर्ष 2024-25 में बजट 23,855 करोड़ रुपये है। इस निवेश के परिणामस्वरूप ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली, आकाश वायु रक्षा प्रणाली और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर जैसे निर्यात योग्य उत्पादों का विकास हुआ है। उदाहरण के लिये, जनवरी 2022 में, फिलीपींस ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के तट-आधारित एंटी-शिप संस्करण की तीन बैटरियों के लिये भारत के साथ 375 मिलियन डॉलर का समझौता किया है। भारत ने 53 से अधिक देशों के साथ रक्षा सहयोग समझौते किये हैं, जिससे भारतीय रक्षा उत्पादों के लिये नए बाजार खुल रहे हैं। भारतीय रक्षा उत्पादों ने प्रतिस्पर्द्धी मूल्यों पर अच्छी गुणवत्ता प्रदान करने के लिये ख्याति प्राप्त कर ली है, जिससे वे कई विकासशील और मध्यम आय वाले देशों के लिये आकर्षक बन गए हैं। इसका आंशिक कारण भारत में विनिर्माण लागत कम होना तथा लागत प्रभावी समाधान विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना है। उदाहरण के लिये, भारत निर्मित आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली का मूल्य अन्य देशों की तुलनीय प्रणालियों की तुलना में काफी कम है, जिससे यह आर्मेनिया जैसे देशों के लिये एक आकर्षक विकल्प बन गया है। भारत की समायोजन नीति के तहत विदेशी रक्षा कंपनियों को अपने अनुबंध मूल्य का एक हिस्सा भारत में निवेश करना आवश्यक है। इस नीति ने निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है।

रेखाओं में सपने, रंगों में अभिव्यक्तिः नेशनल ड्रॉइंग डे

प्रो. आरके जैन

कल्पनाओं को रेखाओं में ढालने और भावनाओं को रंगों में उड़ान देने का दिन, नेशनल ड्रॉइंग डे, हर साल 16 मई को एक जादुई उत्सव के रूप में उभरता है, जो कला के माध्यम से अनंत संभावनाओं को जगाता है। यह दिन सिर्फ़ ब्रश और कैनवास का नहीं, बल्कि उन अनकही कहानियों का उत्सव है, जो हर दिल में पलती हैं। कला कोई सीमा नहीं मानती-न उम्र, न अनुभव, न ही कौशल। एक साधारण रेखा कागज़ पर उतरकर एक नई दुनिया रच सकती है, और एक रंग का स्पर्श मन की गहराइयों को उजागर कर सकता है। यह दिन हर उस शख्स को बुलाता है-चाहे वह बच्चा हो, जो दीवार पर सूरज उकेरता है, या बुजुर्ग, जो अपनी यादों को स्केच में ढालता है-अपनी भावनाओं को आज़ाद करने के लिए। नेशनल ड्रॉइंग डे हमें याद दिलाता हैः कला सिर्फ़ अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि आत्मा की उड़ान है! नेशनल ड्रॉइंग डे उस प्राचीन क्षण को जीवंत करता है, जब किसी ने कोयले से गुफा की दीवार पर पहली आकृति उकेरी होगी। यह दिन कला की उस अनंत यात्रा का उत्सव है, जिसने समय, संस्कृति और सरहदों को लाँघकर हर दिल को छुआ। कला सिर्फ़ सौंदर्य नहीं, बल्कि आत्मा की सबसे गहरी अभिव्यक्ति है-एक ऐसी भाषा, जो बिना शब्दों के हर भाव को बयाँ करती है। बचपन में क्रेयॉन्स से भरे रंगीन कागज़ सिर्फ़ खेल नहीं, बल्कि हमारी कल्पनाओं की पहली उड़ान होते हैं।

नेशनल ड्रॉइंग डे हमें उस मासूम रचनात्मकता को फिर से गले लगाने का न्योता देता है, जो हर इंसान के भीतर बसती है, चाहे वह बच्चे का उत्साह हो या किसी की अनकही कहानी। नेशनल ड्रॉइंग डे केवल पेशेवर चित्रकारों का उत्सव नहीं, बल्कि हर उस इंसान का सम्मान है, जो अपने भीतर छिपी रचनात्मकता को रंगों और रेखाओं से साकार करना चाहता है। एक गृहिणी, जो मेहंदी के जटिल डिज़ाइनों में अपनी कहानी बुनती है; एक कर्मचारी, जो लंच ब्रेक में डूडल्स के ज़रिए तनाव भूलता है; या एक छात्र, जो नोटबुक के किनारों पर फूलों की नाज़ुक आकृतियाँ उकेरता है-ये सभी इस दिन के सच्चे नायक हैं। 16 मई का संदेश स्पष्ट हैः कला को न प्रशिक्षण की ज़रूरत है, न किसी ख़ास वर्ग की। यह हर उस आत्मा का जन्मसिद्ध अधिकार है, जो कुछ नया रचने का सपना देखती है। नेशनल ड्रॉइंग डे, कला की उस जादुई शक्ति का उत्सव है, जो हर दिल को छूती है और हर आत्मा को अभिव्यक्ति देती है। स्कूलों में बच्चे अपने चटकीले चित्रों से कल्पनाओं को पंख लगाते हैं, कॉलेजों में ड्रॉइंग प्रतियोगिताएँ रचनात्मकता की नई मिसाल गढ़ती हैं, और आर्ट स्टूडियो में वर्कशॉप्स कला के जादू को हर उम्र तक पहुँचाती हैं। ये आयोजन सिर्फ़ कैनवास पर रंग नहीं भरते, बल्कि दिलों को जोड़ते हैं, प्रेरणा का सैलाब लाते हैं और समुदायों को एकता के रंग में रंग देते हैं। नेशनल ड्रॉइंग डे, वह चिंगारी है, जो हर इंसान की रचनात्मकता को प्रज्वलित कर, विचारों और भावनाओं को रंगों की आज़ादी देता है! नेशनल ड्रॉइंग डे केवल कला का जश्न नहीं, बल्कि मन और आत्मा को संवारने का एक अनमोल अवसर है। आज की भागदौड़ और तनाव भरी ज़िंदगी में, एक साधारण स्केच भी मन को सुकून की सैर करा सकता है। मनोविज्ञान में आर्ट थेरेपी को एक शक्तिशाली उपचार माना जाता है, जो उन लोगों के लिए वरदान है, जो शब्दों में अपनी भावनाओं को बयाँ नहीं कर पाते। बच्चे, जो अपनी बात कहने में हिचकते हैं, चित्रों के ज़रिए अपने दिल की गहराइयाँ उजागर करते हैं। यही वजह है कि नेशनल ड्रॉइंग डे सिर्फ़ सौंदर्य सृजन का नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को पोषित करने और आत्मविश्वास को प्रज्वलित करने का उत्सव है। तकनीक ने कला को नई उड़ान दी है। डिजिटल पेंटिंग, ग्राफिक डिज़ाइन, और एनिमेशन जैसे क्षेत्रों ने ड्रॉइंग को वैश्विक मंच पर ला खड़ा किया है। आज युवा इसे न सिर्फ़ शौक, बल्कि एक चमकदार करियर के रूप में गले लगा रहे हैं।

मगर नेशनल ड्रॉइंग डे हमें याद दिलाता है कि कला की असली ताकत उसकी सादगी में बसती है। चाहे वह पेंसिल से कागज़ पर उकेरी गई रेखा हो या टैबलेट पर रचा गया डिजिटल चित्र, कला तब तक अधूरी है, जब तक वह दिल की गहराइयों से न उपजे। यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम अपनी रचनात्मकता को हर डर और संकोच से आज़ाद कर, बेझिझक दुनिया के सामने लाएँ। शिक्षा के क्षेत्र में ड्रॉइंग सिर्फ़ एक कला नहीं, बल्कि बच्चों के मन को उड़ान देने वाला जादू है। जब शिक्षक उन्हें खुले विषयों पर चित्र बनाने को प्रेरित करते हैं, तो वे उनकी रचनात्मकता को पंख ही नहीं देते, बल्कि उनकी अनकही भावनाओं का द्वार भी खोलते हैं। बच्चों के चित्र अक्सर ऐसी कहानियाँ बयाँ करते हैं, जो शब्दों की सीमाओं से परे होती हैं-उनके सपने, डर, और आनंद की गहरी झलक।

राशन की लाइन

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आठ बजे की सरकारी सूरज अभी निकला नहीं था, लेकिन राशन की दुकान पर लाइन लग चुकी थी। ऐसा लगता था जैसे पूरी कॉलोनी अपनी भूख को घर में ताला लगाकर लाइन में खड़ी हो गई हो। बाबूलाल चायवाला लाइन में सबसे आगे था-इसलिए नहीं कि वो जल्दी आया था, बल्कि इसलिए कि उसकी दुकान के सारे ग्राहक भी लाइन में थे, और कोई चाय पीने वाला नहीं बचा था। भूख से ज़्यादा डर तो पेट की आदत का होता है, उसने दार्शनिकता में चाय छानी। राशन दुकान के मालिक पंडित कन्हैयालाल ने तख्ती टांग दी-"आज सिर्फ 32 परिवारों को राशन मिलेगा, बाकी कल आएं। लोकतंत्र है भाई, हर दिन का अपना राशन है।" बड़ा आया लोकतंत्र, पहले पेट भराओ, फिर संविधान पढ़ाओ! -यह संवाद था शंभू रिक्शेवाले का, जिसने पिछले महीने से सिर्फ चुनावी पकोड़े खाकर ज़िंदा रहने की कसम खाई थी। कसम ऐसी कि अब उसकी हड्डियाँ भी संविधान की धारा 370 जैसी लगने लगी थीं-अस्थिर, विवादित और सूखी। लाइन धीरे-धीरे सरक रही थी जैसे सरकारी योजना। लोग खड़े थे, धूप बिछी थी, और ऊपर से नेताजी के होर्डिंग मुस्कुरा रहे थे—"गरीबों का मसीहा, वोट दो हमें दोबारा।" मुस्कुराहट ऐसी जैसे खुद राशन की थैली बनकर बैग में आ जाए। भीड़ में बुज़ुर्ग थे, महिलाएं थीं, और थे रमुआ जैसे बेरोज़गार, जिनकी जेब में सिर्फ समय था और पेट में उम्मीद। रमुआ कहता, भाई राशन की लाइन अब धर्म बन गई है। जैसे मंदिर में घंटी बजती है, वैसे यहां थैलियाँ। पीछे से एक महिला बोल पड़ी, और नेताजी भगवान! हर चुनाव में अवतार लेते हैं! हंसी आई, लेकिन पेट ने टोका-"हंसी बाद में, पहले पेट भर!" जैसे ही लाइन आगे बढ़ी, एक वृद्धा चक्कर खाकर गिर पड़ी। लोग बोले-सासू मां को छोड़ो, नंबर देखो! और वृद्धा ने जाते-जाते कहा, इस देश में मरना भी नंबर से होता है। उसी वक़्त नेताजी का काफ़िला निकला-गाड़ियों की कतार लंबी थी, जैसे अमीरों का पेट, और जनता की लाइन उससे कहीं ज़्यादा लंबी-जैसे गरीबों की आह। काफिले की धूल राशन कार्डों पर पड़ी और नेताजी की मुस्कुराहट चमक गई। एक पोस्टर झूल रहा था-"जनता ही भगवान है।" भीड़ से कोई चिल्लाया, भगवान की ये हालत है, तो राक्षसों का क्या हाल होगा? और लोग हंसने लगे, फिर रो दिए। फिल्मी डायलॉग गूंजने लगे-"हम जहां खड़े होते हैं, लाइन वहीं से शुरू होती है!" पर अब यह संवाद किसी हीरो का नहीं था, बल्कि एक मजदूर का था, जो कल से भूखा था और आज नंबर एक आया था। लेकिन जैसे ही उसकी बारी आई, दुकान बंद। तख्ती फिर से टंगी-"राशन खत्म, अगली सप्लाई चुनाव से पहले।" लोग बोले, भाई ये चुनाव क्या राशन फैक्ट्री है? और जवाब मिला-हां, पर सिर्फ वादों की। लाइन में खड़ी रेहाना ने आंखों में आंसू लिए कहा-जब पेट खाली हो, तो अल्लाह भी लगता है गूंगा। वहीं पास खड़ा हरिराम बोला-राम नाम सत्य है, लेकिन पहले खाना सत्य है। एक रिक्शेवाले ने पेट थपथपाकर कहा-"ये संविधान का पेट नहीं है, असली भूख है।"

आज एकदंत संकष्टी चतुर्थी

एकदंत संकष्टी चतुर्थी का व्रत ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। यह मई का संकष्टी चतुर्थी है, इसे ज्येष्ठ की संकष्टी चतुर्थी भी कहते हैं। एकदंत संकष्टी चतुर्थी का व्रत 16 मई शुक्रवार को है। इस दिन सिद्ध योग और साध्य योग बनेंगे। पूजा के समय मूल नक्षत्र है। संकष्टी चतुर्थी में रात के समय चंद्रमा की पूजा का विधान है। इसके बिना संकष्टी चतुर्थी का व्रत पूरा नहीं होता है।

मई संकष्टी चतुर्थी 2025 तारीख

पंचांग के अनुसार, 16 मई को तड़के 4 बजकर 2 मिनट पर ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि का शुभारंभ होगा। यह तिथि अगले दिन 17 मई को सुबह 5 बजकर 13 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथि के आधार पर एकदंत संकष्टी चतुर्थी का व्रत 16 मई शुक्रवार को है।

2 शुभ योग में है एकदंत संकष्टी चतुर्थी 2025

एकदंत संकष्टी चतुर्थी के दिन सिद्ध और साध्य योग बन रहे हैं। सिद्ध योग प्रातःकाल से लेकर सुबह 7 बजकर 15 मिनट तक रहेगा। उसके बाद से साध्य योग होगा। एकदंत संकष्टी चतुर्थी की पूजा आप सिद्ध योग में कर सकते हैं, जबकि चंद्रमा का अर्घ्य साध्य योग में दिया जाएगा। एकदंत संकष्टी चतुर्थी पर मूल नक्षत्र शाम को 04:07 पी एम तक रहेगा, उसके बाद पूर्वाषाढा नक्षत्र है।

एकदंत संकष्टी चतुर्थी 2025 मुहूर्त

संकष्टी चतुर्थी व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त 04:06 ए एम से 04:48 ए एम तक है, वहीं अभिजीत मुहूर्त 11:50 ए एम से दोपहर 12:45 पी एम तक है। उस दिन का निशिता मुहूर्त रात में 11 बजकर 57 मिनट से देर रात 12 बजकर 38 मिनट तक है। व्रत के दिन लाभ-उन्नति मुहूर्त 07:12 ए एम से 08:54 ए एम तक है, उसके बाद अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त सुबह में 08:54 ए एम से 10:36 ए एम तक है।

एकदंत संकष्टी चतुर्थी 2025 चांद निकलने का समय

एकदंत संकष्टी चतुर्थी के दिन व्रती को चांद के निकलने का इंतजार रहता है। कृष्ण पक्ष का चंद्रमा देर से निकलता है। एकदंत संकष्टी चतुर्थी पर चंद्रोदय रात 10 बजकर 39 मिनट पर होगा। इस समय में आप चंद्रमा को अर्घ्य दें और पूजा करें। उसके बाद पारण करके व्रत को पूरा करें।

संकष्टी चतुर्थी पर शिववास का समय

संकष्टी चतुर्थी के दिन शिववास कैलाश पर रहेगा। उस दिन प्रातःकाल से लेकर अगले दिन शनिवार को सुबह 5 बजकर 13 मिनट तक शिववास कैलाश पर है। उसके बाद शिववास नंदी पर है। शिववास होता है तो रुद्राभिषेक करते हैं।

संकष्टी चतुर्थी का महत्व

हर माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी का व्रत होता है। इस दिन व्रत रखकर गणेश जी की पूजा करते हैं, जिससे सभी प्रकार के कष्ट, रोग, दोष मिटते हैं। गणेश जी की कृपा से सब संकट मिटते हैं और जीवन में शुभता आती है। गणेश जी को एकदंत भी कहते हैं क्योंकि परशुराम जी ने फरसा से उनके दांत पर प्रहार कर दिया था, जिससे गणेश जी का एक दांत टूट गया।

महाभारत : अगर कर्ण को पहले ही पता चल जाता कि वो पांडवों का भाई है तो क्या होता

अगर कर्ण को युद्ध से पहले ही पता चल जाता कि वह कुंती का पुत्र और पांडवों का बड़ा भाई है, तो क्या महाभारत की कथा पूरी तरह बदल सकती थी। दरअसल केवल तीन लोग जानते थे कि कर्ण वास्तव में कुंती का पुत्र है। इन तीन में दो ने ये बात कर्ण को ठीक महाभारत युद्ध से पहले बताई। तब कुछ नहीं बदल सकता था। लेकिन शायद ये तस्वीर तब अलग होती अगर ये बात कर्ण को उसके युवा काल या बचपन में ही बता दी गई होती।

हालांकि इस बात पर विद्वानों, पौराणिक ग्रंथों और आधुनिक विश्लेषणों में अलग-अलग बातें कही गई हैं।

जब कुंती ने ये बात कर्ण को बताई

महाभारत के उद्योग पर्व के 143 वें अध्याय में कहा गया है कि युद्ध से पहले कुंती कर्ण के पास जाती हैं। उसे बताती हैं कि वह उसकी मां हैं। पांडव उसके भाई हैं। वह उसे पांडवों के पक्ष में आने के लिए मनाती हैं। तब कर्ण का जवाब होता है कि वह बेशक वह कुंती को मां मानता है, लेकिन दुर्योधन के प्रति निष्ठा और अपमान के कारण पांडवों का साथ नहीं देगा। साथ ही कुंती को ये दिलासा भी देता है कि वह युद्ध में केवल अर्जुन को ही मारेगा, ताकि उसकी मां के पांच पुत्र बने रहें। महाभारत में ये साफ है कि कर्ण अर्जुन को हराने की अपनी प्रतिज्ञा से बंधा था, भले ही वह अपने भाइयों को बचाना चाहता था।

जब कृष्ण ने घर जाकर कर्ण को ये सच बताया श्रीमद्भागवत पुराण (1।8।17-18) कहती है कि जब युद्ध से पहले कृष्ण खुद कर्ण के घर जाते हैं। उससे मिलकर उसके जन्म का रहस्य बताते हैं। उसे धर्म का मार्ग दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन कर्ण अपनी प्रतिज्ञा (दुर्योधन के प्रति वफादारी) के कारण नहीं मानता।

क्या होता अगर कर्ण पहले जान जाता?

शायद युद्ध टल सकता था। अगर कर्ण को बचपन या युवावस्था में ही पता चल जाता कि वह कुंती का पुत्र है, तो वह पांडवों के साथ बड़ा होता। तब वह दुर्योधन के पाले में नहीं होता और पांडवों के साथ उसके रिश्तों में कोई कटुता नहीं आती।

तब कर्ण युधिष्ठिर की जगह हस्तिनापुर का उत्तराधिकारी बन सकता था (क्योंकि वह कुंती का ज्येष्ठ पुत्र था)। तब दुर्योधन की इतनी ताकत भी नहीं होती, ना ही वो फिर पांडवों से इतनी अदावत लेता, ना ही पांडवों के खिलाफ षड्यंत्र कर पाता।

युद्ध का स्वरूप बदल जाता

कर्ण अगर पांडवों के पक्ष में आ जाता, तो कौरवों की हार निश्चित थी, क्योंकि कर्ण और अर्जुन के मिल जाने से संयुक्त बल अजेय होता। दुर्योधन तब शायद ही युद्ध की हिम्मत ही नहीं करता। हालांकि दुर्योधन को युद्ध और पांडवों के खिलाफ उकसाने वालों में कर्ण भी था।

राहुल सांकृत्यायन अपनी किताब महाभारत की ऐतिहासिकता में लिखते हैं, "कर्ण की कहानी एक ऐसे योद्धा की है जो सच जानकर भी उसे झुठलाता नहीं, बल्कि उसके साथ न्याय करता है।"

कर्ण के परिवार का क्या पांडवों से मेल हुआ

महाभारत युद्ध के बाद कर्ण की मृत्यु तो हुई ही, साथ ही उसके दस पुत्रों में केवल उसका सबसे छोटा पुत्र वृषकेतु ही जीवित बचा रहा। बाकी सभी पुत्र युद्ध में मारे गए थे – अधिकांश पांडवों के ही हाथों। कर्ण की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी वृषाली ने पति के वियोग में सती होना चुना। वह चिता पर बैठ गई।

कर्ण के पुत्र को अपनाया

कर्ण की मृत्यु के बाद, जब पांडवों को यह पता चला कि कर्ण वास्तव में उनकी माता कुंती का पुत्र और उनका बड़ा भाई था, तो उन्हें गहरा पछतावा हुआ। इसके पश्चात पांडवों ने कर्ण के जीवित पुत्र वृषकेतु को न केवल अपनाया, बल्कि उसे राजकुमार जैसा सम्मान दिया। वृषकेतु को पांडवों ने अपने साथ रखा, उसे शिक्षा दी। कई युद्धों में अर्जुन के साथ भेजा गया।

अर्जुन ने उसे युद्धकला की शिक्षा दी। वह अर्जुन के साथ अश्वमेध यज्ञ के दौरान अनेक युद्धों में शामिल हुआ। कहा जाता है कि वृषकेतु ने कई क्षेत्रों को जीतकर अर्जुन की सहायता की थी। कुछ कथाओं के अनुसार, वृषकेतु को ब्रह्मास्त्र, वरुणास्त्र, अग्नि और वायुस्त्र जैसे दिव्य अस्त्रों का ज्ञान था, जो उसे अपने पिता कर्ण से मिला था। वह अत्यंत वीर और योग्य योद्धा बना।

राहु-केतु का राशि परिवर्तन 18 मई को

राहु कुंभ राशि में और केतु सिंह राशि में करेगा प्रवेश, हमेशा वक्री रहते हैं ये दोनों ग्रह

रविवार, 18 मई 2025 को एक महत्वपूर्ण ज्योतिषीय घटना घटित होने जा रही है। राहु और केतु, जिन्हें छाया ग्रह भी कहा जाता है, राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। राहु कुंभ राशि में प्रवेश करेगा जबकि केतु सिंह राशि में आएगा। ये दोनों ग्रह हमेशा वक्री रहते हैं यानी पीछे की चलते हैं।

राहु जब कुंभ राशि में प्रवेश करेगा तो वह अपने मित्र ग्रह शनि की राशि में होगा। केतु जब सिंह राशि में प्रवेश करेगा, ये सूर्य की राशि है। सूर्य आत्मा और नेतृत्व का प्रतीक है।

राहु और केतु प्रत्येक 18 महीने में राशि परिवर्तन करते हैं और वे सदैव वक्री गति से चलते हैं अर्थात वे पीछे की ओर यात्रा करते हैं। 2025 में यह दोनों ग्रह क्रमशः कुंभ और सिंह राशि में प्रवेश कर रहे हैं, जबकि

2025 से पूर्व 2007-2008 में भी यही स्थिति बनी थी। इसका अर्थ यह है कि लगभग 18 वर्षों बाद ये ग्रह पुनः इन राशियों में प्रवेश कर रहे हैं।

राहु-केतु के लिए कर सकते हैं ये शुभ काम

राहु-केतु के दोषों का असर कम करने के लिए गणेश जी, हनुमान जी और शनिदेव की पूजा करनी चाहिए। राहु-केतु के मंत्रों का जप करना चाहिए। राहु मंत्र - ऊँ रां राहवे नमः और केतु मंत्र - ऊँ कें केतवे नमः का जप कर सकते हैं। जरूरतमंद लोगों को काले कंबल का दान करें। ध्यान रखें राहु-केतु की कृपा चाहते हैं तो किसी भी गरीब व्यक्ति का अनादर न करें।

राहु-केतु से जुड़ी खास बातें

समुद्र मंथन की पौराणिक कथा के मुताबिक, जब समुद्र से अमृत निकला और देवताओं को दिया जा रहा था, तब एक असुर ने छल से अमृत पी लिया था। सूर्य और चंद्रमा ने उसकी पहचान कर ली और भगवान विष्णु को बता दिया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने उस असुर का सिर धड़ से अलग कर दिया। चूंकि उसने अमृत पी लिया था, इसलिए उसके सिर-धड़ की मृत्यु नहीं हुई। उस असुर का सिर राहु बन गया और धड़ केतु बन गया। ज्योतिष में इन दोनों ग्रहों को छाया ग्रह माना जाता है, इस कारण ये ग्रह अदृश्य प्रभाव डालते हैं। इन्हें मायावी ग्रह कहा जाता है। राहु भ्रम, महत्वाकांक्षा, छल-कपट, तकनीक, राजनीति और विदेश यात्रा का प्रतीक है। केतु मोक्ष, त्याग, अध्यात्म, आत्मज्ञान, और रहस्य का प्रतीक है।

श्रीकृष्ण की अर्जुन को सीख:परेशानियों से भागे नहीं, उनका डटकर सामना करें

जीवन में दुख का आना-जाना लगा रहता है। आधुनिक जीवन शैली की वजह से रिश्तों में असंतुलन, काम का दबाव और अनिश्चितता बनी रहती है। इन कारणों से हमें तनाव का सामना करना पड़ता है। श्रीकृष्ण के किस्सों से हम समझ सकते हैं कि दुख और तनाव को कैसे दूर किया जा सकता है...

परेशानियों से भागे नहीं, सामना करें

महाभारत के युद्ध से ठीक पहले अर्जुन युद्धभूमि में अपने ही संबंधियों को देखकर विचलित हो गए थे। वे धनुष-बाण नीचे रख देते हैं। उस समय श्रीकृष्ण उन्हें गीता का उपदेश देते हैं- श्रीकृष्ण अर्जुन को समझाते हैं कि तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, फल की चिंता मत करो। जब भी हम दुख या तनाव में हों तो भागने की बजाय समस्या का सामना करना चाहिए। परिणाम की चिंता छोड़कर अपने कर्म पर ध्यान दें, हमारे कर्म सही हैं तो परिणाम भी सही ही आता है।

रिश्तों में संतुलन बनाए रखें

श्रीकृष्ण एक ओर द्वारका के राजा थे, वहीं दूसरी ओर सुदामा जैसे गरीब ब्राह्मण के मित्र भी थे। जब सुदामा मित्र श्रीकृष्ण से मिलने आते हैं तो श्रीकृष्ण उनके चरण धोते हैं और उन्हें गले लगाते हैं।

तनाव तब बढ़ता है जब हम दिखावे, पद और स्थिति के अनुसार लोगों से व्यवहार करते हैं। श्रीकृष्ण संदेश देते हैं कि रिश्तों में सच्चाई, करुणा, समानता और संतुलन होना चाहिए। जब हम रिश्ते ठीक से निभाते हैं तो मानसिक शांति मिलती है।

महाभारत युद्ध से पहले श्रीकृष्ण शांति दूत बनकर कौरवों के पास जाते हैं, श्रीकृष्ण युद्ध को टालना चाहते थे। बहुत समझाने के बाद भी जब दुर्योधन ने शांति प्रस्ताव ठुकरा दिया, जब शांति का कोई मार्ग नहीं बचा, तब श्रीकृष्ण युद्ध के लिए तैयार हो जाते हैं।

श्रीकृष्ण ने शांति की स्थापना के लिए अपनी ओर से पूरी कोशिश की, लेकिन जब शांति का कोई मार्ग नहीं बचा, तब उन्होंने युद्ध करने का निर्णय लिया। बाद में महाभारत युद्ध में श्रीकृष्ण की नीतियों से पांडवों को जीत भी मिली।

हमें भी जहां तक हो सके विवादों से बचने की कोशिश करनी चाहिए, लेकिन जब विवाद टालना मुश्किल हो जाए तो नीति के अनुसार निर्णय लें और विरोधियों को पराजित करें।

सबसे ज्यादा आकर्षक होते हैं इन 5 राशियों के लोग

मेष राशि : मेष राशि के लोग साहसी और ऊर्जावान होते हैं। वे हमेशा कुछ नया करने के लिए तैयार रहते हैं। मेष राशि का स्वामी ग्रह मंगल है। मंगल ऊर्जा, क्रिया और जुनून का प्रतीक है। मेष राशि के लोग आत्मविश्वास से भरे होते हैं और जोखिम लेने से नहीं डरते। उनका सकारात्मक दृष्टिकोण और जीवन के प्रति जुनून उन्हें आकर्षक बनाता है। लोग उनकी ऊर्जा और आत्मविश्वास से प्रभावित होते हैं। वे दूसरों को भी साहसी बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इनके व्यक्तित्व का आकर्षण दूसरों की अपनी ओर बहुत जल्द ही खींच लेता है।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के लोग सुंदर और स्थिर होते हैं। वे शुक्र ग्रह द्वारा शासित होते हैं। शुक्र प्रेम, सौंदर्य और कामुकता का प्रतीक है। वृषभ राशि के लोग सुरुचिपूर्ण और आकर्षक होते हैं। वे भरोसेमंद और वफादार होते हैं। उनका शांत स्वभाव और जीवन के सुखों के प्रति प्रेम उन्हें खास बनाता है। लोग उनकी गर्मजोशी और वफादारी से आकर्षित होते हैं। इन राशियों के लोगों की लव लाइफ भी बहुत शानदार होती है और अपने पार्टनर को हर प्रकार का सुख दे पाते हैं।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के लोग मजाकिया और बुद्धिमान होते हैं। वे बुध ग्रह द्वारा शासित होते हैं। बुध संचार का प्रतीक है। मिथुन राशि के लोग अपनी बातों से लोगों को मोहित कर लेते हैं और वे हर तरह के माहौल में ढल जाते हैं। उनका मजाकिया अंदाज और तेज दिमाग लोगों को पसंद आता है। लोग उनकी बुद्धिमत्ता और हमेशा कुछ नया जानने की इच्छा से प्रभावित होते हैं। इस राशि के लोगों का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत शानदार होता है।

सिंह राशि : सिंह राशि के लोग आत्मविश्वास से भरे और करिश्माई होते हैं। वे सूर्य द्वारा शासित होते हैं। सिंह राशि के लोग स्वाभाविक रूप से नेता होते हैं और वे अपनी बातों और व्यवहार से लोगों को प्रभावित करते हैं। उनका उदार स्वभाव और गर्मजोशी लोगों को पसंद आती है। लोग उनके आत्मविश्वास और प्रेरणादायक व्यक्तित्व से आकर्षित होते हैं। ये दूसरों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं, खासकर तब जब कोई इनके प्रति ईमानदार और निष्ठावान हो। इनकी गर्मजोशी, हंसमुख स्वभाव और सामाजिक कौशल लोगों को इनके करीब लाता है।

मीन राशि : मीन राशि के जातक अत्यंत संवेदनशील, दयालु और कल्पनाशील होते हैं। जो ज्ञान, आध्यात्म, समृद्धि और रचनात्मकता के प्रतीक माने जाते हैं। इन जातकों का हृदय कोमल और सहानुभूति से भरपूर होता है। वे दूसरों के दर्द को अपनी आत्मा में महसूस कर सकते हैं। गुरु संपन्न्ता और समृद्धि और रचनात्मकता का प्रतीक है। मीन राशि के लोग दूसरों की भावनाओं को आसानी से समझ जाते हैं। वे कला और संगीत में रुचि रखते हैं। उनका रोमांटिक और दयालु स्वभाव उन्हें खास बनाता है। लोग उनकी गहरी भावनाओं और कलात्मक प्रतिभा से प्रभावित होते हैं।

दही से जुड़ी ये गलती भूलकर भी नहीं करनी चाहिए

वरना पछताना पड़ेगा, रावण भी करता था यही

दही न सिर्फ हमारे आहार का अहम हिस्सा है बल्कि कई धार्मिक कार्यों में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। दही को शुभता का प्रतीक माना जाता है। इसे पूजा-पाठ के दौरान भगवान को चढ़ाया जाता है। माना जाता है कि दही भगवान कृष्ण को प्रिय है। पूजन में काम आने वाले पंचामृत में भी दही एक अहम घटक है। हवन, अनुष्ठानों में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में दही से जुड़े कुछ शकुन और अपशकुन हैं, जो हमें जीवन में शुभ और अशुभ होने के संकेत देते हैं। इसके साथ ही एक अपशकुन तो रावण भी से जुड़ा है।

दही से जुड़े शकुन

हिंदू धर्म में घर से निकलने से पहले दही और चीनी खाने की परंपरा है। अहम कार्य या नए काम की शुरुआत करते हुए जाने से पहले दही चीनी खाने का शुभ माना जाता है। मान्यता है कि दही चीनी खाने से काम सफल होता है और मन को शांति मिलती है।

माना जाता है कि दही ग्रहों के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में भी मदद करता है। कुंडली में चंद्रमा की कमजोर स्थिति को मजबूत करने के लिए

दही का सेवन करना लाभदायक माना जाता है। इसी तरह राहु की शांति के लिए काले तिल और दही का दान करने से अशुभ प्रभावों में कमी आती है।

दही से जुड़े अपशकुन

दही का गिरना अशुभ संकेत माना जाता है। दही के गिरने का संकेत इस तरह लगाया जाता है कि सुख समृद्धि में कमी आ सकती है। या घर में कलह आदि हो सकती है। दरअसल दही को चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है इसलिए दही गिरने को चंद्रमा का अशुभ प्रभाव होने से जोड़ा जाता है। किसी काम के लिए घर से बाहर निकलते समय दही का गिरना बेहद अशुभ माना जाता है। बार-बार घर में दही का गिरना इस बात का संकेत देता है कि घर पर कोई बड़ी मुसीबत आने वाली है। अगर दही गिर जाए तो चंद्र देव से क्षमा मांगें और शिवजी का पूजन करें। साथ ही ध्यान रहे कि गिरे हुए दही पर पैर न रखें।

रोज सुबह सूर्य के दर्शन करने से सकारात्मकता बढ़ती है

प्रकृति से हमें प्राण, प्रकाश के रूप में जीवन मिलता है। इसलिए हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए। रोज सुबह कुछ देर खुले आकाश में रहें, सूर्य के दर्शन करें। आज हमें बहुत सी बीमारियां इसलिए हो रही हैं, क्योंकि हम सूर्य के दर्शन ही नहीं करते हैं। सूर्य की किरणों से मिलने वाली विटामिन डी हमें कई रोगों से बचाती है। हमें हरियाली में रहना चाहिए, बिल्व पत्र, धतूरा, विद्या, शमी, तुलसी का रोज स्पर्श करना चाहिए और ये चीजें भगवान को चढ़ानी चाहिए। ऐसा करने से हमें सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

-स्वामी अवधेशानंद गिरि

दादासाहेब फाल्के पर फिल्म बनाएंगे आमिर और राजकुमार हिरानी

दादासाहेब फाल्के को भारतीय सिनेमा का जनक माना जाता है। उन्होंने भारत में फिल्मों की शुरुआत की थी। उनकी याद में सबसे बड़ा फिल्म पुरस्कार 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' रखा गया है। उनका जीवन और फिल्मों का सफर बहुत दिलचस्प रहा है। अब उनकी कहानी पर एक फिल्म बनने जा रही है। आमिर खान और राजकुमार हिरानी मिलकर दादा साहेब फाल्के की जिंदगी पर फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

जानें कब से शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2025 से शुरू होने वाली है। आमिर खान अपनी फिल्म 'तारे जमीन पर' की रिलीज के तुरंत बाद इस नई फिल्म में अपने किरदार की तैयारी शुरू कर देंगे।

लॉस एंजिलिस के VFX स्टूडियो ने फिल्म की कहानी के समय और माहौल को ध्यान में रखते हुए एडवांस AI डिजाइन पहले ही तैयार कर लिए हैं। इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर राजकुमार हिरानी, अभिजात जोशी और दो लेखक हिंदुकुश भारद्वाज और अविष्कार भारद्वाज पिछले चार साल से लगातार काम कर रहे हैं।

दादासाहेब के पोते ने किया समर्थन

दादासाहेब फाल्के के पोते चंद्रशेखर श्रीकृष्ण पुसालकर ने इस प्रोजेक्ट का पूरा समर्थन किया है और दादासाहेब फाल्के के जीवन से जुड़ी कई खास बातें और घटनाएं भी शेयर की हैं। इसके अलावा, यह फिल्म राजकुमार हिरानी और आमिर खान की जोड़ी का नया प्रोजेक्ट है, जिन्होंने '3 इडियट्स' और 'पीके' जैसी कल्ट क्लासिक्स और सबसे बड़ी हिट फिल्में दी हैं। ऐसे में यह प्रोजेक्ट भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक नया बेंचमार्क सेट करने की तैयारी में है। बता दें कि अब तक हिंदी सिनेमा में किसी ने भी दादा साहेब फाल्के और भारतीय सिनेमा की शुरुआत की कहानी को बड़े पर्दे पर नहीं दिखाया है।

पाक समर्थक तुर्की-अजरबैजान को लेकर बड़ा फैसला

फिल्म एसोसिएशन बोला- न वहां शूटिंग हो और न वहां के कलाकारों को भारत का वीजा मिले

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के माहौल के बीच ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने तुर्की और अजरबैजान का पूर्ण बहिष्कार करने का ऐलान किया है। ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन का कहना है कि इन दोनों देशों का रवैया भारत के खिलाफ है। इसलिए अब उनसे जुड़ी किसी भी फिल्मी गतिविधि में भाग नहीं लिया जाएगा। इस फैसले को देशभक्ति और एकजुटता का प्रतीक बताया गया है।ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने सरकार के हर कदम के साथ खड़े रहने की बात भी कही है। ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने सरकार से इन देशों के सभी कलाकारों का वीजा रद्द करने की भी मांग की है। साथ ही भविष्य में वीजा न देने की अपील भी की है।

इंडस्ट्री के लिए कड़ा संदेश

ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने बॉलीवुड और सभी क्षेत्रीय फिल्म इंडस्ट्री से अपील करते हुए कहा है कि कोई भी कलाकार या निर्माता तुर्की और अजरबैजान में शूटिंग के लिए न जाए। इन देशों से प्रायोजित किसी भी कार्यक्रम या इवेंट में हिस्सा न लें। तुर्की और अजरबैजान के कलाकारों या फाइनेंसर के साथ कोई भी प्रोजेक्ट न करें।

सरकार से बड़ी मांग

साथ ही ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मांग करते हुए कहा है कि तुर्की और अजरबैजान के सभी कलाकारों के वीजा तुरंत रद्द किए जाएं। आगे भी इन देशों के किसी भी फिल्मी शख्स को वीजा न दिया जाए।

जो तोड़ेगा नियम, होगी सख्त कार्रवाई

ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने साफ कहा है कि अगर कोई कलाकार या निर्माता इस बहिष्कार का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। उसे इंडस्ट्री में निंदा और विरोध का सामना करना पड़ेगा।

जनता से भी अपील

ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भारतीय जनता से भी इस फैसले को समर्थन देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग उन कलाकारों की फिल्में, गाने या शो न देखें, जो इस बहिष्कार की अनदेखी करेंगे।

तुर्की में शूट हो चुकी हैं कई बॉलीवुड फिल्में

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 'एक था टाइगर', 'रेस 2', 'दिल धड़कने दो', 'पठान', 'लाल सिंह चड्ढा' जैसी कई फिल्में तुर्की में शूट हुई हैं।

तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार की मांग

गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार की मांग उठ रही है क्योंकि तुर्की और अजरबैजान ने पाकिस्तान का समर्थन किया है। उन्होंने पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर भारत के हालिया हमलों की भी निंदा की है। पाकिस्तान का समर्थन करने के बाद पूरे देश में तुर्की के सामान और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है।

ट्रेलर देखकर मेरे पापा खुशी से रो पड़े भाई ने चुपके से बना ली उनकी वीडियो

सोमनाथ मंदिर पर विदेशी आक्रांताओं के हमलों की कहानी कहती फिल्म 'केसरी वीर' से दिल्ली की आकांक्षा शर्मा बतौर लीड हीरोइन डेब्यू कर रही हैं। सुनील शेट्टी को अभिनय में अपना गुरु मान चुकी आकांक्षा शर्मा।

मैं तो मानती हूं कि ये महादेव की ही कृपा रही होगी कि मुझे सोमनाथ मंदिर पर बनी फिल्म से बड़े परदे पर शुरुआत करने के लिए चुना गया। मेरी ये पहली फिल्म है और मुझे सबसे अच्छा तब लगा जब फिल्म के सारे कलाकारों ने पहले दिन से ही सेट पर मेरा खास ख्याल रखा।

फिल्म में सुनील शेट्टी मेरे पिता का किरदार निभा रहे हैं। मैं अपनी पहली फिल्म को लेकर कितनी भी नर्वस रही हूं लेकिन जिस दिन मेरी शूटिंग उनके साथ थी, मुझे ऐसा लगा कि मैं तो इन्हें बरसों से जानती हूं। हमारे घर में उनकी फिल्में खूब देखी जाती थीं।

जब पहले दिन उनके साथ कैमरे का सामना किया तब हां, ये सच है कि जब पहले सीन की शूटिंग शुरू हुई तो मैं अपने संवाद ही भूल गई। लेकिन, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जिन सुनील शेट्टी की फिल्में देखकर हम बड़े हुए, उनके साथ अभिनय करने की बात तो मैंने कभी सपने में भी नहीं सोची थी। लेकिन, उन्होंने उस दिन जो गुरुमंत्र दिए, वे बहुत अनमोल हैं।

जिस दिन फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, उस दिन मेरे पापा बहुत खुश थे। उनकी आंखों से खुशी के आंसू भी रह रहकर आ रहे थे लेकिन वह शायद किसी को ये दिखाना नहीं चाहते थे और किनारे जाकर अपनी आंखें पोछ रहे थे, तभी मेरे भाई ने चुपके से उनका ये वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

दिलजीत दोसांझ ने छोड़ी फिल्म नो एंट्री 2?

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ से जुड़ी एक खबर सामने आई है। खबर है कि उन्होंने 'नो एंट्री' फिल्म के सीक्वल से अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। मेकर्स से क्रिएटिव मतभेद के कारण उन्होंने क्विट करने का फैसला लिया है। मार्च 2024 में ऐलान हुआ था कि दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ अहम रोल में नजर आएंगे।

एक सूत्र ने बताया, 'दिलजीत, वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड थे। लेकिन पिछले कुछ हफ्तों से वो फिल्म क्रिएटिव के आइडिया से तालमेल नहीं बैठा पा रहे हैं। इसलिए उन्होंने क्रिएटिव मतभेद के कारण इस प्रोजेक्ट को छोड़ने का फैसला किया।' हालांकि, 'चमकीला' फिल्म के एक्टर ने अभी तक इस पर कोई अपडेट नहीं दिया है। प्रोड्यूसर्स भी चुप्पी साधे हुए हैं।

दिलजीत के फैंस हुए खुश!

जैसे ही ये खबर सामने आई, दिलजीत के फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि सिंगर ने फिल्म का हिस्सा ना बनने का अच्छा फैसला लिया है। एक यूजर ने लिखा, 'उन्हें पहले ही ये प्रोजेक्ट नहीं लेना चाहिए था।' दूसरे ने लिखा, 'अच्छा हुआ कि उन्होंने ये प्रोजेक्ट छोड़ दिया। वो इन फिल्मों में फिट नहीं बैठते।'

दूसरे ने लिखा, 'अगर ऐसा है तो स्क्रिप्ट शायद एक रूढ़िवादी 'पंजाबी सरदार' व्यक्ति की हो सकती थी।'

20 साल पहले रिलीज हुई थी 'नो एंट्री'

बता दें कि साल 2005 में 'नो एंट्री' फिल्म आई थी। इसमें सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान थे। इसका निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था। वे ही सीक्वल का डायरेक्शन भी करेंगे। निर्माता बोनी कपूर ने कथित तौर पर कहा था कि नई फिल्म में ऑरिजनल स्टार्स काम नहीं करेंगे। इस प्रोजेक्ट के लिए 10 फीमेल एक्ट्रेसेस को चुनने का प्रोसेस चल रहा है। उन्होंने कहा था, 'वो चैप्टर (पुरानी स्टार कास्ट का) खत्म हो चुका है। अब फिल्म में दिलजीत, वरुण और अर्जुन हैं। वरुण और अर्जुन सबसे अच्छे दोस्त हैं और दिलजीत कॉमेडी में शानदार हैं। इसलिए मुझे लगता है कि ये एक अच्छा और दिलचस्प मेल है।'

ये थी कहानी और कास्ट

'नो एंट्री' की कहानी दो शादीशुदा मर्दों (अनिल कपूर और फरदीन खान) के इर्द-गिर्द घूमती है। वो अपने दोस्त प्रेम (सलमान) की वजह से मुसीबत में पड़ जाते हैं, जब वह उन्हें एक वेश्या के साथ फंसा देती है। इसके बाद झूठ और गलतफहमी से मामला उलट-पलट जाता है। पहले पार्ट में लारा दत्ता, ईशा देओल और सेलिना जेटली थीं। बिपाशा बसु का कैमियो भी था।

सामंथा से नाम जोड़े जाने के बीच राज की पत्नी का पोस्ट हुआ वायरल

साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस सामंथा ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन्हीं तस्वीरों में से एक तस्वीर में वह डायरेक्टर राज निदिमोरु के कंधे पर सिर रखे नजर आ रही हैं। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर यह तस्वीर ट्रेंड करने लगी। सामंथा के फैंस का मानना था कि एक्ट्रेस ने अपने रिश्ते को डायरेक्टर राज के साथ स्वीकार कर लिया। इसी बीच राज निदिमोरु की पत्नी की सोशल मीडिया पोस्ट भी वायरल हुई। क्या था इस पोस्ट में जानिए?

निर्देशक की पत्नी ने भी की क्रिप्टिक पोस्ट

सामंथा और राज की तस्वीरें जब वायरल होने लगीं तो निर्देशक की पत्नी शामली डे ने भी इंस्टाग्राम पर एक क्रिप्टिक पोस्ट की। इसमें लिखा था, 'मैं उन सभी को प्यार भेजती हूं जो मेरे बारे में सोचते हैं, मुझे देखते हैं, मुझे सुनते हैं, मुझसे बात करते हैं, मेरे बारे में पढ़ते हैं, मेरे बारे में लिखते हैं और आज भी मुझसे मिलते हैं।' इस पोस्ट में राज निदिमोरु की पत्नी ने किसी का नाम नहीं लिया है लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि इस पोस्ट का इशारा सामंथा और राज की तरफ ही है। बताते चलें कि अभी तक राज निदिमोरु और उनकी पत्नी के तलाक की स्थिति स्पष्ट नहीं है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इनका तलाक हो गया है, वहीं कुछ रिपोर्ट्स में कहा जाता है कि अभी ये ऑफिशियल अलग नहीं हुए हैं। लेकिन सामंथा और राज की नजदीकियां जरूर लोगों से नहीं छिपी हैं।

सामंथा ने राज संग साझा की कई तस्वीरें

अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट एक्ट्रेस सामंथा ने की। यह पोस्ट एक्ट्रेस ने अपने प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'शुभम' को लेकर की लेकिन एक्ट्रेस के फैंस का ध्यान राज निदिमोरु वाली तस्वीर पर ही गया। एक तस्वीर में वह राज के कंधे पर सिर रखे दिखीं। इन तस्वीरों को देखकर फैंस ने भी रिएक्शन दिए। इन तस्वीरों के वायरल होते ही यह अटकलें तेज हो गईं कि सामंथा और राज ने अपने रिश्ते को दुनिया के सामने स्वीकार कर लिया है। सामंथा और राज कई मौकों पर साथ नजर आ चुके हैं, जिस वजह से इनके रिलेशनशिप में होने की अटकलें लगाई जाती रही हैं लेकिन दोनों ने अपने रिश्ते पर चुप्पी अब तक साधे रखी है। अब राज की पत्नी की क्रिप्टिक पोस्ट सामने आई है तो इस कहानी में नया एंगल जुड़ गया है।

इन प्रोजेक्ट्स में साथ काम किया

राज निदिमोरु के साथ सामंथा ने सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' और 'फैमिली मैन 2' में काम किया। इस सीरीज को राज ने डीके साथ मिलकर बनाया था। वह एक और सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' भी उनके साथ काम कर रही हैं।

सामंथा की पर्सनल लाइफ हमेशा चर्चा में रही

यह भी बताते चलें कि साउथ एक्ट्रेस सामंथा रूथ की एक्टर नागा चैतन्य से शादी टूट गई थी, इनका तलाक हुए लंबा वक्त गुजर गया है। नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला से शादी कर ली है। सामंथा भी तलाक के बाद अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं, उनका नाम अब राज निदिमोरु के साथ जोड़ा जा रहा है। करियर के अलावा इन बातों को लेकर सामंथा की पर्सनल लाइफ अक्सर चर्चा में रहती है।

'अपनी खूबसूरती से हमें हमेशा चौंकाती रहें' कुछ इस तरह काजोल ने किया माधुरी को बर्थडे विश

माधुरी दीक्षित नेने उर्फ 'धक-धक गर्ल' 58 साल की हो गई हैं। उन्होंने पर्दे पर कई लोकप्रिय किरदार निभाए, जिसमें मोहिनी, निशा और चंद्रमुखी शामिल हैं। एक्टिंग हो या डांस, रोमांस हो या एक्शन, माधुरी हर रोल में जान डाल देती थीं। आज उनके जन्मदिन के मौके पर हर कोई एक्ट्रेस को बधाई दे रहा है। इस कड़ी में काजोल ने भी माधुरी को खास अंदाज में बर्थडे विश किया। काजोल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर माधुरी की बेहद खूबसूरत फोटो शेयर की। फोटो में माधुरी लाल रंग की साड़ी में नजर आ रही हैं। उनकी मुस्कुराहट सीधा लोगों के दिलों को छू रही है। इस फोटो को शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा- "डांसिंग क्वीन को जन्मदिन की शुभकामनाएं... आप स्टेज पर और बाहर अपनी खूबसूरती से हमें हमेशा चौंकाती रहें।"

नब्बे के दशक में काजोल और माधुरी दोनों लोकप्रिय अभिनेत्रियों के तौर पर पहचानी जाने लगी थीं। भले ही दोनों ने कभी एक फिल्म में काम न किया हो, लेकिन उनके बीच काफी अच्छी दोस्ती है। काजोल के पति अजय देवगन ने माधुरी के साथ कुछ फिल्मों में काम किया है, जिसमें 'लज्जा' और 'ये रास्ते हैं प्यार के' जैसी फिल्में शामिल हैं। आखिरी बार दोनों को फिल्म 'टोटल धमाल' में स्क्रीन स्पेस शेयर करते देखा गया था।

काजोल ने माधुरी के साथ एक वीडियो शेयर किया था, जो मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी का था। इसमें दोनों मस्ती करती हुई नजर आईं। इस वीडियो को शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा था- "ओरिजिनल डांसिंग क्वीन के साथ! फ्लोर पर इतना मजा करने के लिए धन्यवाद.. सभी को दिवाली से पहले जश्न की शुभकामनाएं"

एक इंटरव्यू में काजोल से जब माधुरी दीक्षित को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने एक्ट्रेस को 'अंडररेटेड एक्ट्रेस' बताकर फैंस को चौंका दिया। काजोल से पूछा गया कि फिल्म इंडस्ट्री में वो किसे अंडरेटेड मानती हैं। इसके जवाब में काजोल ने माधुरी दीक्षित का नाम लिया और कहा, 'माधुरी डिफरेंट रोल्स पाना डिजर्व करती थीं।'

आवारा कुत्तों को पीटने की धमकी देना टीनू आनंद को पड़ा भारी, शिकायत दर्ज हुई तो एक्टर ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर और डायरेक्टर टीनू आनंद मुश्किलों में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, हाल ही में टीनू आनंद का एक वॉट्सऐप मैसेज सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ, जिसमें वह कथित तौर पर आवारा कुत्तों को हॉकी स्टिक से पीटने की बात कह रहे हैं। अब इसी पर संज्ञान लेते हुए उनकी सोसाइटी के लोगों ने एक्टर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवा दी है और शिकायत दर्ज होने के बाद अब एक्टर ने भी इस पर चुप्पी तोड़ी है। चलिए जानते हैं कि एक्टर ने इस पर क्या कहा है।

टीनू आनंद का वायरल मैसेज

बता दें कि एक्टर टीनू आनंद ने अपने वॉट्सऐप मैसेज में लिखा था, "एक डरावने शूट के बाद वापस आने पर मुझे कुछ भयानक कुत्ते भौंकते हुए मिले और मुझे नहीं पता था कि वह अब किसे काटेंगे, चुनौती स्वीकार कर ली है। उनका सामना करने के लिए हॉकी स्टिक है। मैं सभी डॉग लवर्स को चेतावनी दे रहा हूं कि उन्हें घर ले जाओ या फिर मेरे गुस्से का सामना करो। मेरी सोसाइटी को पहले से ही सूचना दे दी गई है।'

सोसायटी की निवासी ने दर्ज कराई शिकायत

एक्टर का ये मैसेज वायरल होने के बाद एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट से लेकर स्थानीय लोगों और नेटिजन्स तक ने उनकी कड़ी आलोचना की। यहां तक कि टीनू आनंद के उनके कमेंट से नाराज होकर उनकी सोसायटी की निवासी आंचल चड्ढा ने वर्सोवा पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत भी दर्ज कराई। फिर पुलिस ने इस मामले में हस्तक्षेप किया।

बता दें कि अब इस मामले में मुंबई पुलिस अधिकारी और एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट सुधीर कुडलकर ने बताया कि टीनू आनंद को मा फी ना मा लिखने के लिए कहा गया है। अधिकारी ने कहा कि मैसेज में धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया गया। किसी को नुकसान पहुंचाने की धमकी, खासकर सार्वजनिक मंच पर नैतिक रूप से निंदनीय है।

टीनू आनंद ने तोड़ी चुप्पी

शिकायत दर्ज होने के बाद अब फ्री प्रेस जर्नल से बात करते हुए टीनू आनंद ने भी इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा, "मैं 80 साल का हूं और अगर कोई कुत्ता मुझ पर हमला करता है, तो मुझे अपना बचाव करने का पूरा अधिकार है। मेरा यही मतलब था।" साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अब कई लोग उन्हें नकारात्मक रूप में पेश कर रहे हैं और उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं है।

एक्टर ने आगे कहा, "यह कुत्तों पर हमला करने के बारे में नहीं है, यह सिर्फ खुद का बचाव करने के बारे में है, और मुझे ऐसा करने का पूरा अधिकार है। ये लोग सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहां लिखा है कि आप अपने ऊपर हमला करने वाले कुत्ते से अपना बचाव नहीं कर सकते? इसके अलावा हाल ही में यह खबर आई कि टीवी एक्ट्रेस रूपाली गांगुली सेट पर कुत्ते ने काट लिया है। खबर वायरल होने के बाद एक्ट्रेस ने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना बताया।

अनुराग कश्यप के पास नहीं थे बेटी की शादी के पैसे, साउथ एक्टर विजय सेतुपति ने की थी मदद

भारतीय सिनेमा के पॉपुलर फिल्ममेकर्स में से एक अनुराग कश्यप इन दिनों फिल्मों में एक्टिंग को लेकर भी चर्चा में हैं। वो साउथ की फिल्मों में एक्टिंग कर रहे हैं। पिछले 2 महीनों में उन्होंने अपने कई प्रोजेक्ट्स की अनाउंसमेंट की है। पिछले साल आई विजय सेतुपति की फिल्म 'महाराजा' में उन्होंने विलेन की भूमिका निभाई और सभी का ध्यान खींच लिया। हालांकि, पहले भी वो हिंदी की कई फिल्मों में विलेन की भूमिका निभा चुके हैं। फिल्मों के साथ-साथ वो अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं।

वो सामाजिक मुद्दों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के बारे में भी खुलकर बात करते हैं। ऐसे में अब उन्होंने अपनी बेटी आलिया कश्यप की शादी को लेकर कहा कि वो इसे अफॉर्ड नहीं कर सकते थे। डायरेक्टर ने खुद इस बात का खुलासा किया अगर साउथ एक्टर ने उनकी मदद ना की होती तो बेटी की शादी का खर्चा नहीं उठा पाते।

दरअसल, अनुराग कश्यप ने फिल्ममेकिंग के अलावा एक्टिंग में भी हाथ आजमा चुके हैं। 3-4 फिल्मों में विलेन या फिर सपोर्टिंग रोल में उन्हें देखा जा चुका है। ऐसे में उन्होंने बताया कि उनके लिए साउथ फिल्म 'महाराजा' बहुत जरूरी थी।

इसमें वो खलनायक के रोल में थे। फिल्म में विजय सेतुपति हीरो थे। उनके लिए ये फिल्म इसलिए जरूरी थी क्योंकि वो बेटी आलिया की शादी के लिए पैसे जुटाना चाहते थे।

अनुराग कश्यप ने हाल ही में साउथ फिल्मों में काम करने के बारे में बात की थी और बताया था कि जब वो राहुल भट्ट और सनी लियोनी स्टारर फिल्म 'केनेडी' के पोस्ट प्रोडक्शन में काम कर रहे थे तो उनकी मुलाकात विजय सेतुपति से हुई थी। फिल्ममेकर ने बताया कि उन्होंने 'इमाइका नोडिगल' के बाद बहुत सी साउथ फिल्मों को रिजेक्ट कर दिया था।

उनको हर दूसरे दिन ऑफर आ रहे थे। वहीं, जब वो 'केनेडी' के दौरान विजय सेतुपति से मिले तो एक्टर ने उन्हें बताया कि अच्छी स्क्रिप्ट है, जिसमें उन्हें कास्ट करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन, शुरुआत में उन्होंने इसे मना कर दिया था।

बेटी की शादी का खर्च उठाने के नहीं थे पैसे

इसके साथ रही अनुराग कश्यप ने आगे बताया कि उनके पास बेटी आलिया कश्यप की शादी का खर्च उठाने के पैसे नहीं थे। इसके बारे में उन्होंने विजय सेतुपति से बात भी की थी और उन्होंने ही उन्हें बतौर एक्टर रोल दिलाने में मदद की थी। अनुराग ने विजय से बताया था कि उन्हें अगले साल बेटी की शादी करनी है।

उस समय उनको नहीं लगता था कि वो अपनी बेटी का खर्च भी उठा पाएंगे। अनुराग कश्यप ने बताया कि ऐसे में विजय सेतुपति ने उन्हें मदद करने का आश्वासन दिया था। डायरेक्टर कहते हैं कि इसी तरह से 'महाराजा' बनी थी और फिर उन्हें रोल मिला था।

'भोजपुरी वाले मुझे एफर्ड नहीं कर पाएंगे'

आकांक्षा पुरी का बड़ा बयान

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस और 'बिग बॉस' फेम आकांक्षा पुरी पिछले काफी समय से भोजपुरी में एक्टिव हैं। उनकी और खेसारी लाल यादव की जोड़ी स्क्रीन पर खूब धमाल मचा रही है। दोनों ने साथ में कई म्यूजिक वीडियो और फिल्मों में काम किया है। काजल राघवानी से अलग होने के बाद खेसारी लाल की जोड़ी आकांक्षा पुरी के जमी और भोजपुरी में उन पर काफी प्यार भी लुटाया। लेकिन, अब अभिनेत्री का कहना है कि भोजपुरी वाले उन्हें अफॉर्ड नहीं कर पाएंगे और वो यहां पर ज्यादा काम भी नहीं करना चाहती हैं। अगर करती हैं तो उनका काफी लॉस हो जाएगा। अपने इस बयान के बाद वो चर्चा में आ गई हैं।

दरअसल, आकांक्षा पुरी हाल ही में एक इंटरव्यू से उनके वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। ऐसे में अब उनका एक वीडियो क्लिप और सामने आया है, जिसमें भोजपुरी इंडस्ट्री के साथ ही अभिनेत्रियों को लेकर बात करते हुए नजर आ रही हैं। इसमें वो दावा करते हुए दिखाई दे रही हैं कि भोजपुरी में एक्ट्रेसेस उनसे जलती होंगी क्योंकि उनके वीडियोज पर उनसे ज्यादा व्यूज आते हैं और ट्रेंड करते हैं।

आकांक्षा पुरी कहती हैं, 'भोजपुरी की फीमेल एक्टर्स शायद वो मुझसे जल तो रही ही होंगी। क्योंकि उनकीशायद सॉन्ग पर भी इतने व्यूज नहीं आए, जितनी मेरी बीटीएस स्टोरीज को आ जाते हैं। प्लस वहां देखिए बजट बहुत कम है जो हमारा हर दिन यहां लेते हैं एक गाने का वहां उतने बजट में पूरा गाना शूट हो जाता है तो उन लोगों के लिए हम लोगों को अफॉर्ड करना थोड़ा मुश्किल है।' इसके साथ ही आकांक्षा पुरी ने भोजपुरी में काम करने को लेकर कहा, 'भोजपुरी में मैं बहुत ज्यादा तो काम नहीं करना चाहती हूं। क्योंकि मेरा लॉस हो जाएगा।'

आकांक्षा ने खेसारी को बताया 'कंजूस' तो पवन सिंह को 'हॉट'

इसके साथ ही आकांक्षा पुरी ने इस इंटरव्यू में खेसारी लाल यादव को 'कंजूस' बताया था। उन्होंने कहा था कि वो अपनी जेब से एक कॉफी तक नहीं पिलाते हैं। वो अपने साथ हमेशा स्पॉन्सर्स रखते हैं। एक्ट्रेस ने कहा था कि उनको नहीं लगता है कि खेसारी ने कभी एक रूमाल तक अपनी जेब से खरीदा होगा। उनका मानना है कि उन्होंने खेसारी से ज्यादा कंजूस अपना कोई दोस्त अबतक नहीं देखा। वहीं, उन्होंने पवन सिंह को लेकर भी बात की और उन्हें 'हॉट' का टैग दिया था। साथ ही ये भी कहा था कि उनका ऑरा ऐसा है कि जब वो सेट पर आते हैं तो उनके सामने ज्यादा मजाक मस्ती की ही नहीं जा सकती है।

अमिताभ ने जब जया बच्चन को गोद में उठाकर गाया था गाना 'जिसकी बीवी छोटी' तो लोग बोले- 'ताल पर पकड़ गजब है'

सदी की महानायक कहे जाने वाले एक्टर अमिताभ बच्चन बेहतरीन एक्टर तो हैं ही साथ ही वो एक शानदार सिंगर भी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई गाने गाए हैं, जो कि हिट रहे हैं। इसी में से उनका एक गाना काफी पॉपुलर रहा है, जो आज भी बज जाए तो कमाल ही हो जाता है। पुराने दिन ताजा हो जाते हैं। बिग बी के यादगार गानों में से एक उनकी फिल्म 'लावारिश' (1981) का रहा था, जिसके बोल 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम' है। ये उनका सदाबहार गाना है। ऐसे में उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो जया बच्चन के साथ इस गाने पर परफॉर्म करते हुए नजर आ रहे हैं।

80 के दशक में रिलीज हुई फिल्म 'लावारिश' (1981) अमिताभ बच्चन की हिट फिल्मों में से एक रही है। इसमें उनका गाना 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है' को फिल्माया गया था। फिल्म में बिग बी की परफॉर्मेंस ने फैंस का दिल जीत लिया था। ऐसे में आज भी जब वो इस गाने पर परफॉर्म करते दिखते हैं तो ये फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं होता है। इसी बीच उनका एक पुराना वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्हें जया

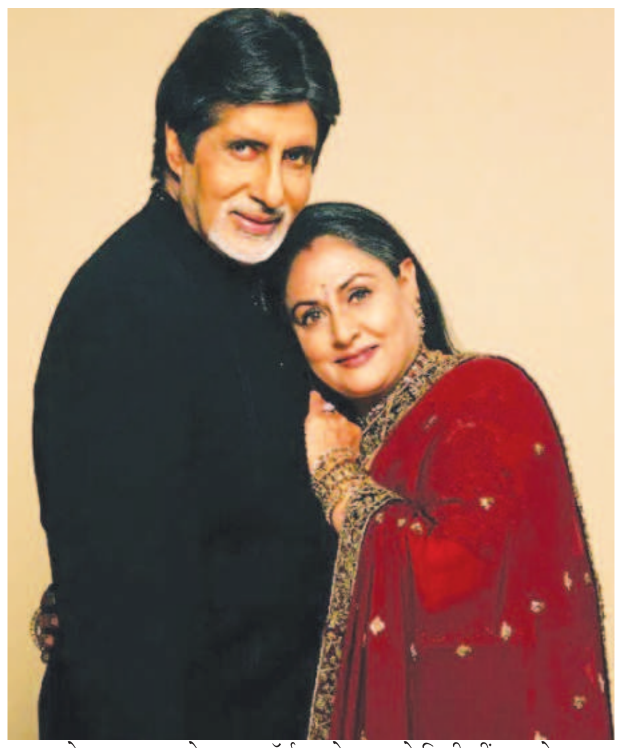

बच्चन के साथ इस गाने पर परफॉर्म करते हुए देखा जा सकता है। एक लाइव स्टेज शो के दौरान अमिताभ बच्चन पत्नी जया बच्चन के साथ पहुंचे थे। इस लाइव स्टेज शो के दौरान अमिताभ बच्चन ने फिल्म 'लावारिश' का गाना 'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है' को गाया था। उनके साथ जया बच्चन भी स्टेज शेयर करते दिखी थीं। 90 के दशक के इस प्रोग्राम में अमिताभ बच्चन को ब्लैक सूट-बूट में देखा गया था। स्टेज पर वो पत्नी के सामने गा रहे थे 'जिसकी बीवी छोटी उसका भी बड़ा नाम है, गोद में उठा लो बच्चे का क्या काम है।' वीडियो में देखा जा सकता है कि एक्टर लाइव शो में जया बच्चन को गोद में उठाकर गाना गा रहे होते हैं। वहीं, जया भी उनके साथ इस परफॉर्मेंस को चिल करती हुई नजर आती हैं। खास बात ये है कि जब अमिताभ उन्हें गोद में उठाकर गाना गा रहे होते हैं तो वो माइक पकड़े नजर आती हैं। पूर्व एक्ट्रेस का ये अंदाज देखकर हर कोई हैरान है। अमिताभ के मस्ती भरे वीडियो को लहरें के इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है।

शॉक्ड लोगों ने दिए ऐसे रिएक्शन्स

अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के इस वीडियो को देखकर हर कोई हैरान है। एक ने तो उनकी तुलना रणवीर सिंह से कर दी। एक यूजर ने लिखा, 'वो अपने समय के रणवीर सिंह थे।' दूसरे ने जया बच्चन को लेकर लिखा, 'वो पहले कितनी स्वीट थीं और अब।' तीसरे ने दावा करते हुए लिखा, 'आज के टाइम में अमिताभ बच्चन को इस हरकत के लिए थप्पड़ पड़ जाता।' इसके साथ ही एक अन्य ने उन्हें चैलेंज देते हुए लिखा, 'अगर हिम्मत है तो आज के समय इस गाने को फिर से जया बच्चन के सामने गाकर दिखाओ।' इसी के साथ ही एक ने बिग बी की गायिकी की तारीफ की और लिखा, 'ताल पर गजब पकड़ है।' इसी तरह से लोग इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

टेस्ट से विराट कोहली के 'प्रीमैच्योर' संन्यास से निराश हैं जावेद अख्तर

स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने महज़ 36 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 12 मई को उन्होंने सोशल मीडिया पर यह ऐलान किया। कोहली चाहते तो एक-दो साल और खेलकर टेस्ट क्रिकेट में 10 हज़ार रन पूरे कर सकते थे, लेकिन उन्होंने इस रिकॉर्ड की परवाह किए बिना संन्यास का फैसला किया।

विराट कोहली के इस फैसले से उनके फैन्स खासे निराश हैं, क्योंकि वे अभी महज 36 साल के हैं और आराम से 3-4 साल और खेल सकते थे। जहां फैन्स सोशल मीडिया पर अपनी नाराज़गी ज़ाहिर कर रहे हैं, वहीं मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने भी अपनी निराशा जताई है।

जावेद अख्तर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, "जाहिर है कि विराट को खुद बेहतर पता है, लेकिन एक फैन के तौर पर मैं टेस्ट क्रिकेट से उनके समय से पहले संन्यास लेने से निराश हूं। मुझे लगता है कि उनमें अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है। मैं उनसे ईमानदारी से अनुरोध करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें।"

जावेद अख्तर के ट्वीट पर विराट के फैंस समर्थन जता रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि विराट को अपने संन्यास के बारे में दोबारा सोचना चाहिए। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि विराट ने ये फैसला सोच-समझकर लिया है हमें इसका सम्मान करना चाहिए।

एक यूज़र ने लिखा, "सम्मानपूर्वक, विराट जैसे दिग्गज जानते हैं कि कब शालीनता से संन्यास लेना है। इसे प्रीमैच्योर कहने के बजाय, आइए उनके अविश्वसनीय टेस्ट सफर का जश्न मनाएं और उनकी टाइमिंग पर भरोसा करें – उन्होंने इतना कुछ हासिल किया है।"

एक यूज़र ने लिखा है, "मैं आपसे सिर्फ़ एक बार सहमत हूँ सर। वापस आ जाओ विराट कोहली।" एक यूज़र ने लिखा है, "मैं भी चाहता हूं कि वह अपने फैसले पर पुनर्विचार करें।" वहीं एक यूज़र ने लिखा, "वह 20 बार वापसी करने वाले अफरीदी नहीं हैं, उनमें ईमानदारी है!"

'तेजाब' से रातोंरात बनी स्टार माधुरी दीक्षित को बताया गया था कि वो हीरोइन मटेरियल नहीं, फिर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

90 के दशक की बेहतरीन अदाकारा माधुरी दीक्षित 58 साल की हो चुकी हैं। वो उम्र के इस पड़ाव में भी फिल्मों में एक्टिव हैं और स्क्रीन पर आज भी जब-जब आती हैं तो कमाल ही कर देती हैं। फैंस उनकी एक झलक पाने का बेसब्री से इंतजार करते हैं। 2022 में माधुरी थिएटर में रिलीज हुई फिल्म 'मजा मां' और नेटफ्लिक्स की फिल्म 'द फेम गेम' में नजर आई थीं। इसके साथ ही वो डांस रियलिटी शोज में भी बतौर जज दिखाई देती हैं। वो इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। लेकिन, उनकी लाइफ एक समय ऐसा भी रहा था जब उनको कहा गया कि वो हीरोइन मैटेरियल नहीं हैं। चलिए बताते हैं इस किस्से के बारे में।

दरअसल, माधुरी दीक्षित अपना 58वां जन्मदिन मना रही हैं। उनका जन्म 15 मई, 1967 को हुआ था। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1984 में आई फिल्म 'अबोध' से की थी। उनके लिए शुरुआती सफर तय करना आसान नहीं था। ये बेहद ही मुश्किल रहा। उनकी कई फिल्में फ्लॉप होती चली गई थीं, जिसके बाद उन्हें साइड रोल ऑफर होने लगे थे। यहां तक लगातार फ्लॉप के बाद देखने वालों ने ये तक कह दिया था कि वो हीरोइन मैटेरियल नहीं हैं। हालांकि, माधुरी के अंदर हुनर था और लगन के साथ ही उन्होंने कड़ी मेहनत भी की, जिसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री में खुद को टॉप पर जगह दिलाई। यही वजह है कि फिल्म 'साजन' में उन्हें संजय दत्त से ज्यादा और 'हम आपके हैं कौन' में सलमान खान से ज्यादा फीस दी गई।

माधुरी दीक्षित 90 के दशक की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार थीं। उनके नाम कई रिकॉर्ड्स दर्ज है। यहां तक कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी अभिनेत्री का नाम दर्ज है। गुजरे जमाने में

माधुरी की पॉपुलैरिटी का आलम ऐसा था कि वो अपनी फिल्में देखने जाने के लिए बुर्का पहनकर जाती थीं।

माधुरी दीक्षित का शुरुआती सफर

माधुरी दीक्षित के लिए फिल्मों में करियर शुरू करना आसान नहीं था। जब वो 12वीं क्लास में थीं तो उन्होंने फिल्म 'अबोध' के लिए ऑडिशन देने का फैसला किया था। उनकी बड़ी बहन की दोस्त के पिता राज श्री प्रोडक्शन में काम करते थे तो वहां से अभिनेत्री को पता चला था कि मेकर्स को एक नई लड़की की तलाश है। ऐसे में 12वीं के एग्जाम के बाद उन्होंने गर्मी की छुट्टी में ऑडिशन देने पहुंच गई थीं। वहीं, जब उनके घरवालों को पता चला की मेकर्स उन्हें फिल्म में लेना चाहते हैं तो परिवार ने साफ इनकार कर दिया था। प्रोडक्शन टीम भी माधुरी का कास्ट करने को लेकर मन बना चुकी थी। बाद में समझाने-बुझाने के बाद सब राजी हो गए थे।

फिल्मों की वजह से छोड़ा कॉलेज

माधुरी दीक्षित की पहली फिल्म 'अबोध' भले ही फ्लॉप रही थी लेकिन, इससे उन्हें नोटिस किया गया था। यही वजह है कि एक्ट्रेस को लगातार फिल्में ऑफर होने लगी थी। ऐसे में कॉलेज में दाखिला लेने के 6 महीने बाद ही उनको पढ़ाई छोड़नी पड़ी। यहां से माधुरी ने फिल्मी करियर चुन लिया। इसके बाद 1985 में उन्हें फिल्म 'आवारा बाप' मिली। इसमें राजेश खन्ना और मीनाक्षी शेषाद्रि लीड रोल में थीं। इसमें माधुरी साइड रोल में थीं। इस फिल्म की शूटिंग जब कश्मीर में चल रही थी तो इस दौरान उनकी मुलाकात सुभाष घई से हुई थी। वो अपनी फिल्म 'कर्मा' के लिए नई लड़की की तलाश कर रहे थे। खासकर उसको जिसको डांस आता रहा हो। ऐसे में माधुरी इसमें पारंगत थीं। उन्होंने बिना समय गंवाए उन्हें सेट पर बुला लिया था।

सुभाष घई ने कहा था 'ये आने वाले कल की स्टार है'

सुभाष घई की फिल्म में सरोज खान कोरियोग्राफर थीं। सरोज ने माधुरी को उनके डांस स्टेप्स दिखाने के लिए कहे थे और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उन्हें गाने में कास्ट कर लिया गया था। एक्ट्रेस ने भी उस गाने को 2 टेक में पूरा कर लिया था। इससे हर कोई इंप्रेस था। माधुरी का शॉट देखकर इस दौरान सुभाष घई ने कहा था, 'ये आने वाले कल की स्टार हैं।'

फ्लॉप फिल्मों के बाद भी सेंसेशन बनी थीं माधुरी

माधुरी दीक्षित की फिल्म 'आवारा बाप', जो कि 1985 में आई थी। ये बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थी। ऐसे में एक्ट्रेस लगातार दो फिल्में फ्लॉप दे चुकी थीं। फिल्म फ्लॉप होने के बाद भी एक्ट्रेस को पहली बार 1986 की फिल्मफेयर मैगजीन के कवर पेज पर जगह दी गई थी, जिस पर 'माधुरी दीक्षित-द न्यू सेंसेशन' का नाम दिया गया था। बाद में एक्ट्रेस ने फिल्में स्वाति (1986), मानव हत्या (1986), हिफाजत (1987) और उत्तर दक्षिण (1987) में काम किया और ये भी फ्लॉप रही थीं। इसके बाद फिल्मी गलियारों में चर्चा हो गई थी कि ये हीरोइन मैटेरियल नहीं हैं। लेकिन माधुरी ने हार नहीं मानी और काम जारी रखा। इस बात की जानकारी उन्गोंने सिमी गरेवाल के इंटरव्यू में बताई थी।

'तेजाब' से रातोंरात बनी स्टार

माधुरी दीक्षित के करियर में वो समय भी आ गया जब उनकी किस्मत पलटी। साल 1988 में आई फिल्म 'तेजाब' उनके करियर का टर्निंग प्वॉइंट रही। इस फिल्म में एक्ट्रेस का एक गाना 'एक दो तीन' था, जो कि हिट रहा था। फिल्म ब्लॉकबस्टर रही साथ ही इस गाने में माधुरी ने ऐसे ठुमके दिखाए थे कि सभी को दीवाना बना दिया था। ये फिल्म उनकी पहली ब्लॉकबस्टर थी। यहीं से उनका करियर चल पड़ा। इस फिल्म की रिलीज के बाद आलम ऐसा था कि माधुरी दोस्तों की बात सुनकर भीड़ में बुर्का पहनकर 'तेजाब' देखने के लिए चंदन थिएटर में गई थीं। पॉपुलैरिटी के बाद माधुरी दीक्षित 'राम लखन', 'किशन कन्हैया', 'दिल', 'थानेदार', 'साजन', 'बेटा', 'राजा', 'दिल तो पागल है' जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आईं और 90 के दशक में माधुरी हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस बन गईं। इसके चलते उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है।

माधुरी दीक्षित से जुड़ा एक और किस्सा काफी पॉपुलर है। कारगिल युद्ध 1999 के दौरान पाकिस्तान वालों ने शवों के बदले माधुरी दीक्षित की मांग की थी, जिस पर भारतीय सेना का कमाल का जवाब रहा था।

दोस्तों की बात सुनकर माधुरी भीड़ से बचते हुए बुर्का पहनकर तेजाब देखने चंदन थिएटर गई थीं।

कतर में मुकेश अंबानी की राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात

वैश्विक व्यापारिक जगत में जबर्दस्त कयासबाजी

दोहा, 15 मई (एजेंसियां)। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने कतर के दोहा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कतर के अमीर से मुलाकात की। ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद मुकेश अंबानी की उनसे यह दूसरी मुलाकात की है। इससे पहले जनवरी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। ट्रंप के साथ मुकेश अंबानी की मुलाकात की वैश्विक व्यापारिक जगत में खूब चर्चा है। यह हाई-प्रोफाइल मीटिंग वैश्विक व्यापार और कूटनीति में मुकेश अंबानी के बढ़ते प्रभाव को दिखाती है। गौरतलब है कि बीते कुछ सालों में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और वहां के सॉवरेन वेल्थ फंड ने रिलायंस वेंचर्स में काफी निवेश किया है। साथ ही मुकेश अंबानी ने गूगल और मेटा जैसी प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ भी मजबूत व्यापारिक संबंध बना रखे हैं। ऐसे में यह बैठक रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और निवेश संभावनाओं को और मजबूत करती है।

ट्रंप के टैरिफ लगने के बाद रिलायंस के कारोबार पर पड़ा है असर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ निर्णय का मुकेश अंबानी के कारोबार पर असर पड़ा है। उनकी कंपनी रिलायंस ने पिछले साल वेनेजुएला से कच्चा तेल आयात फिर से शुरू करने के लिए अमेरिका से छूट हासिल की थी। लेकिन मार्च में ट्रंप द्वारा दक्षिण अमेरिकी देश से तेल खरीदने वाले देशों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद इसे रोकना पड़ा था।

ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल हुए थे मुकेश और नीता अंबानी

जनवरी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। उन्होंने ट्रंप के साथ कैंडल लाइट डिनर में भी भाग लिया था। रात्रिभोज के दौरान दोनों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा से भी मुलाकात की थी।

भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी के परिवार के ट्रंप के परिवार के साथ अच्छे संबंध हैं। 2017 में जब डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट के लिए हैदराबाद आईं तो अंबानी वहां मौजूद थे। फरवरी 2020 में जब ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में भारत आए थे तब भी अंबानी मौजूद थे।

अनंत-राधिका के प्री वेडिंग में भी आई थी इवांका

मार्च 2024 में गुजरात के जामनगर में मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और मंगेतर राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग समारोह में भी डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका, उनके पति जेरेड कुशनर और उनकी बड़ी बेटी अरेबेला रोज शामिल हुए थे। उन्होंने समारोह में पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर भाग लिया था। वे यहां तीन दिन तक रहे थे।

पाक के दोस्त तुर्किये-अजरबैजान का सामान नहीं ले जाएंगे ट्रक चालक; ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदला माहौल

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत के एहसानों को भूलकर पाकिस्तान का साथ देना टर्की को चार हजार करोड़ रुपये महंगा पड़ सकता है। अजरबैजान को भी पाकिस्तान की दोस्ती की कीमत तीन हजार करोड़ रुपये वार्षिक की चपत लगा सकती है। देशभर के व्यापारियों ने तुर्किये और अजरबैजान से आयात होने वाली वस्तुओं पर पहले ही एक तरफा प्रतिबंध लगा दिया है। 16 मई को दिल्ली में व्यापारियों की एक बड़ी बैठक में तुर्किये और अजरबैजान से सभी व्यापारिक रिश्तों को तोड़ने पर निर्णय लिया जा सकता है। वहीं, देश के ट्रक ऑपरेटर संगठनों की बैठक में पाकिस्तान के दोस्त देश तुर्किये और अजरबैजान से आने वाली किसी भी वस्तु को देश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने से इनकार कर दिया है। व्यावसायिक ट्रक ऑपरेटर संगठनों ने भी व्यापारियों के सुर में अपना सुर मिलाते हुए केंद्र सरकार से इन देशों से व्यापारिक रिश्ते बंद करने की मांग कर रहे हैं। व्यापारी केंद्र सरकार से टर्की और अजरबैजान की एयरलाइंस पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग कर सकते हैं। यदि यह निर्णय अमल में लाया जाता है तो इससे भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के समय में पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्किये और अजरबैजान को हर साल तीन से चार हजार करोड़ का नुकसान हो सकता है। तुर्किये से हर साल भारत को करोड़ों रुपये का नमक और खाद्य सामग्री, रसायन, आभूषण, पशुओं के उत्पाद, खनिज तेल और परमाणु रिएक्टर के पुर्जे का आयात होता है। यदि व्यापारियों का निर्णय पूरा हुआ तो इन देशों को हर साल हजारों करोड़ रुपये का नुकसान होगा। हालांकि, इसके बदले इन देशों में भी भारत के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठ सकती है। ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र कपूर ने कहा कि देश भर के ट्रक ऑपरेटर तुर्किये और अजरबैजान से आयातित किसी भी सामान को देश के दूसरे स्थानों पर पहुंचाने के लिए अपनी सेवा नहीं देंगे। बुधवार को ट्रक ऑपरेटर संगठन की बैठक में यह निर्णय लिया गया है और राष्ट्रीय स्तर पर इस निर्णय का पालन किया जाएगा।

सोने का दाम 2,375 गिरकर 91,484 पर आया

चांदी भी 2,297 रुपए सस्ती; कैरेट के हिसाब से सोने-चांदी की कीमत

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी गुरुवार, 15 मई को बड़ी गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,375 रुपए घटकर 91,484 रुपए पर आ गया है। कल सोने की कीमत 93,859 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी का भाव भी 2,297 रुपए कम होकर 94,103 रुपए पर आ गया है। बुधवार को एक किलो चांदी की कीमत 96,400 रुपए थी। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 86,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 94,080 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 86,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 93,930 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 86,100 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 93,930 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 86,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 93,930 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 93,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 86,100 रुपये है।

सेंसेक्स 1200 अंक चढ़कर 82,531 पर बंद

निफ्टी ने 6 महीने बाद 25,100 का लेवल पार किया; ऑटो, मेटल और रियल्टी शेयर्स सबसे ज्यादा चढ़े

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार, 15 मई को सेंसेक्स 1200 अंक (1.48%) चढ़कर 82,531 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से इसने 1769 अंक की रिकवरी की। निफ्टी में भी 395 अंक (1.6%) की तेजी रही, ये 25,062 के स्तर पर बंद हुआ। इसमें दिन के निचले स्तर से 568 की रिकवरी हुई। 17 अक्टूबर के बाद निफ्टी ने आज पहली बार 25,100 के स्तर को पार किया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में तेजी रही। टाटा मोटर्स 4.16%, एचसीएल टेक 3.37%, जोमैटो 2.22%, अडाणी पोर्ट्स 2.19% और एशियन पेंट्स 2.07% ऊपर बंद हुए। इंडसइंड बैंक के शेयरे में मामूली गिरावट रही। निफ्टी के 50 में से 49 शेयरों में उछाल रही।

एनएसई का निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.92%, रियल्टी 1.92%, मेटल 1.74%, मीडिया 1.59% और आईटी 1.16% चढ़कर बंद हुए। रिटेल महंगाई अप्रैल में गिरकर 3.16% पर आ गई है। ये जुलाई 2019 के बाद सबसे कम है। ऐसे में निवेशकों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी रेपो रेट में कटौती कर सकती है। इससे बाजार में तेजी आई है। विदेशी निवेशक लगातार खरीदारी कर रहे हैं। वे मई में अब तक कैश सेगमेंट में 9,558.65 करोड़ रुपए और घरेलू निवेशकों ने 19,779 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की है। वहीं, 14 मई को एफआईआई ने 931 करोड़ रुपए और डीआईआई ने 316 करोड़ रुपए की खरीदारी की। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 373अंक (0.98%) नीचे 37,756 पर और कोरिया का कोस्पी 20 अंक (0.73%) गिरकर 2,621 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 187 अंक (0.79%) नीचे 23,453 पर बंद हुआ। चीन के शंघाई कंपोजिट में 23 अंक (0.68%) की गिरावट रही, ये 3,381 पर बंद हुआ। 14 मई को अमेरिका का डाउ जोन्स 90 अंक (0.21%) गिरकर 42,051 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट 137 अंक चढ़कर 19,146.81 पर पहुंच गया। 14 मई को विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 931.80 करोड़ रुपए और घरेलू निवेशकों ने 316.31 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की। मई महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 9,558.65 करोड़ रुपए और घरेलू निवेशकों ने 19,779.93 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी है। अप्रैल महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 2,735.02 करोड़ रुपए रही। घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में 28,228.45 करोड़ की नेट खरीदारी की।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-47
सूर्यास्त - 18-37
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय
सूर्य-	वृष मे	वृष--- 05-44 बजे
चंद्र-	धनु मे	मिथुन.. 07-44 बजे
मंगल	कर्क मे	कर्क-- 09-56 बजे
बुध-	मेष मे	सिंह--- 12-07 बजे
गुरु-	मिथुन मे	कन्या...14-14 बजे
शुक्र-	मीन मे	तुला....16-20 बजे
शनि-	मीन मे	वृश्चिक..18-30 बजे
राहु-	मीन मे	धनु..... 20-43 बजे
केतु-	कन्या मे	मकर... 22-50 बजे
		कुंभ... 00-40 बजे
		मीन.... 02-22 बजे
		मेष..... 03-55 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी 05-13 अहोरात्र तक
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , शुक्रवार 16 May
नक्षत्र - मूल 16-07 तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - सिद्ध 07-14 तक उप साध्य
करण- बव - 16-41 तक बालव
विशेष:- श्री गणेश चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार - चन्द्रोदय रात्रि - 22-59

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:36 से 12:13 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:47 - 07:22	शुभ	रोग	18:37 - 20:03	अशुभ
लाभ	07:22 - 08:59	शुभ	काल	20:03 - 21:26	अशुभ
अमृत	08-59- 10:36	शुभ	लाभ	21:26 - 22:49	शुभ
काल	10:36 - 12:13	अशुभ	उत्पात	22:49 - 00:12	अशुभ
शुभ.	12:13 - 13:49	शुभ	शुभ.	00:12 - 01:36	शुभ
रोग	13:49 - 15:26	अशुभ	अमृत	01:36 - 02:59	शुभ
उत्पात	15:26 - 17:03	अशुभ	चंचल	02:59 - 04:22	शुभ
चंचल	17:03 - 18:37	शुभ	रोग.	04:22 - 05:47	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी । कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी । आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे । दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। इस समय आपको अपने परिवार से वित्तीय मांगों की सूची मिल सकती है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आज आप एक बुद्धिमान निर्णय लेंगे । सलाह आपका उचित मार्गदर्शन करेंगी , तो आज छोटे लाभ से संतुष्ट रहे । शेयर बाज़ार में लगे लोग आज बड़े शेयरों के निवेश से बचे । अपने भीतर की आवाज सुनकर अपने अंतर्ज्ञान से काम करे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है । यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है , तो पूर्वाद्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
यह गतिविधियों और उपलब्धियों को याद करने या समर्थन करने का अछा समय है और ये आपकी उपलब्धियों को मजबूती देगा की आप रास्ते पर प्रथम है । ये समय नयी शुरुआत करने के लिए अच्छा है चाहे वह नई परियोजना या एक नई नौकरी को लेकर हो । इस ऊर्जा को जब तक बनाए रखने की कोशिश करें , जब तक आप अपनी मंज़िल पर नहीं पहुंच जाते ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप में अति आत्मविश्वास पैदा होगा क्योकि आपके सारे कार्य बड़ी खूबसूरती के साथ क्रियान्वयन हो रहे है। आज समय है की आप अपना कदम पीछे ले और सोचे की वास्तव में आप के लिए क्या आवश्यक है , उसका मूल्यांकन करे और ध्यान दे की आप अपनी क्षमताओ से क्या हासिल कर सकते हैं । आपको ध्यान रखना है की आपकी जितनी चादर है उतना ही पाव फैलाये ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग को दी बड़ी राहत

आयकर दर घटाई, जुलाई 2025 से ही मिलेगा फायदा

ओटावा, 15 मई (एजेंसियां)। कनाडा की सरकार ने नई कैबिनेट के एलान के तुरंत बाद एक बड़ा फैसला किया है। दरअसल कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग के लिए आयकर में कटौती करने का फैसला किया है। एलान के तहत सरकार ने आयकर की दर को 15 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया है और घटी हुई दर एक जुलाई 2025 से लागू हो जाएंगी।

मध्यम वर्ग को मिलेगा फायदा

कनाडा सरकार के इस कदम से देश के करीब 2.2 करोड़ लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है। सरकार के अनुमान के मुताबिक दो आय वाले घरों को सालाना 840 अमेरिकी डॉलर की बचत हो सकती है। कनाडा के वित्त विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि सरकार के एजेंडे के तहत मध्यम वर्गीय लोगों को आयकर में राहत दी गई है। इस फैसले से कनाडा के मेहनतकश लोगों को फायदा मिलेगा और लोग अपनी जरूरत की चीजों पर ज्यादा खर्च कर सकेंगे। सरकार के फैसले से कनाडा के लोगों की अगले पांच वर्षों में 27 अरब डॉलर की टैक्स बचत हो सकती है। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। कनाडा में जस्टिन ट्रूडो सरकार में बढ़ती महंगाई और रोजमर्रा के खर्चों की लागत काफी बढ़ गई थी, जिसे लेकर लोगों में सरकार के प्रति नाराजगी थी। अब सरकार के आयकर में कटौती के फैसले से जीवन यापन की लागत कम होने की उम्मीद है। अमेरिका के साथ जारी टैरिफ युद्ध के चलते कनाडा में आर्थिक अस्थिरता का माहौल है। ऐसे में सरकार के आयकर में कटौती के फैसले से आमजन को थोड़ी राहत मिल सकती है।

एहसान फरामोश तुर्की ने यूं ही नहीं की पाकिस्तान की मदद, ये है उसका असली मकसद

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जब तनाव चरम पर था तब दुनिया के दो देश खुलकर इस 'आतंकिस्तान' के सपोर्ट में खड़े हो गए थे। मुस्लिम बहुल तुर्की ने पाकिस्तान की मदद के लिए सैन्य साजोसामान भेज दिया था। तुर्की वही देश है जहां विनाशकारी भूकंप आने के बाद भारत ने फौरन सहायता भेजी थी और तुर्की ने भी भारत को मुसीबत में उसके साथ खड़े होने के लिए सच्चा दोस्त कहा था, लेकिन वह तो एहसान फरामोश निकला।तुर्की ने हमेशा पाकिस्तान को समर्थन दिया है, चाहे वह कूटनीतिक विवाद हो या सैन्य साझेदारी। लेकिन क्या यह महज दोस्ती का मामला है? वास्तव में, तुर्की की पाकिस्तान को मदद करने के पीछे का असली मकसद कुछ और है। आइए जानते हैं क्या है तुर्की का सबसे बड़ा मकसद?

तुर्की का सबसे बड़ा मकसद

तुर्की ने हाल के वर्षों में अपनी रक्षा उद्योग को मजबूत किया है और अब वह दुनिया के शीर्ष हथियार निर्यातकों में शामिल होने की कोशिश कर रहा है। तुर्की हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक बनना चाहता। पाकिस्तान, जिसकी सेना और रक्षा पर भारी निर्भरता है, तुर्की के लिए एक आदर्श ग्राहक है। पाकिस्तान के साथ तुर्की ने कई बड़े रक्षा सौदे किए हैं, जिनमें मिलगेम युद्धपोत, टी-129 अटैक हेलीकॉप्टर और विभिन्न ड्रोन शामिल हैं। ये सौदे तुर्की के रक्षा उद्योग के लिए अरबों डॉलर की आमदनी का स्रोत हैं। तुर्की का पाकिस्तान को समर्थन सिर्फ दोस्ती नहीं बल्कि एक रणनीतिक निवेश है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान का समर्थन कर तुर्की न केवल एक दोस्ताना देश की छवि बना रहा है, बल्कि अपने हथियारों के बाजार का भी विस्तार कर रहा है। इसके अलावा, पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य संबंधों से तुर्की की रक्षा कंपनियों को नए अनुबंध और बिक्री के अवसर मिलते हैं। तुर्की का मकसद केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। वह दुनिया भर में अपने हथियार बेचने का इच्छुक है। मिडल ईस्ट, अफ्रीका और एशिया में तुर्की अपने रक्षा उत्पादों का बाजार तेजी से बढ़ा रहा है। पाकिस्तान जैसे देशों में मदद और सहयोग देकर, तुर्की इन बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।तुर्की का पाकिस्तान को समर्थन केवल एक कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति है जो उसके

हथियार उद्योग को बढ़ावा देने में मदद करती है। आने वाले वर्षों में, तुर्की इस रणनीति के जरिए अपने रक्षा उद्योग को और मजबूत करेगा और वैश्विक हथियार निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति को और भी मजबूत करेगा।तुर्की ने हथियार बनाने और बेचने की दिशा में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। तुर्की अब दुनिया का 11वां सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश बन गया है। इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार, 2014-2018 की तुलना में 2019-2023 में तुर्की का हथियार निर्यात दोगुना हो गया है। 2019 से 2023 के बीच तुर्की के हथियारों के निर्यात में 106 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसने तुर्की को दुनिया के प्रमुख हथियार निर्यातकों की कतार में ला दिया है। मालदीव ने भी तुर्की से टीबी 2 हमलावर ड्रोन खरीदे हैं। यह मुद्री निगरानी के लिए हैं। ये ड्रोन यूक्रेन में तबाही मचा चुके हैं।

हाईवे पर गाड़ियों की चार्जिंग की नो टेंशन, 15 मिनट में बैटरी फुल चार्ज; सरकार लगाने जा रही ऐसे प्वाइंट

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत में तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। कई कंपनियों ने अपने नए इलेक्ट्रिक मॉडल्स को लॉन्च किया है। इसी देखते हुए केंद्र सरकार राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और बस स्टेशनों पर उच्च क्षमता वाले चार्जर लगाने जा रही है। इन 360 किलोवाट क्षमता वाले चार्जरों से हैवी ड्यूटी इलेक्ट्रिक वाहनों और प्रीमियम कारों जैसे जैगुआर और मर्सिडीज की बैटरी महज 15 मिनट में चार्ज हो जाएगी। आमतौर पर 60 किलोवाट का डीसी चार्जर एक इलेक्ट्रिक वाहन को चार्ज करने में 1 घंटा लगता है। सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है, आने वाले दिनों में चार्जिंग स्टेशनों पर वाहन महज 15 मिनट में चार्ज हो सकेंगे। इसके लिए सरकार चार्जर की क्षमता बढ़ाने पर भी प्रयास कर रही है। इससे चार्जिंग अवधि न केलव कम होगी बल्कि लंबी दूरी के सफर के दौरान चार्जिंग सुविधा भी मिल सकेगी। इससे लोगों को सफर के दौरान परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। दरअसल, सरकार ने 2030 तक कम से कम एक लाख चार्जिंग स्टेशन

बनाने का लक्ष्य रखा है। इस समय शहरी इलाकों में 60 किलोवाट के चार्जर लगाए जा रहे हैं। एक्सप्रेस वे और हाइवे पर 240 किलोवाट क्षमता के चार्जर स्थापित होंगे। सभी जरूरी मंजूरी मिलने शेष स्टेशनों पर 360 किलोवाट के चार्जर लगेंगे। जिससे वाहन कम समय में चार्ज हो सकेंगे। दरअसल, केंद्र सरकार ने सड़कों के अलावा रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और बंदरगाह पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन बनाने की स्कीम तैयार की है। इसमें बैटरी स्वैपिंग सुविधाएं भी शामिल होंगी। केंद्र सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण, बंदरगाह, जहाजरानी और जल मार्ग मंत्रालय समेत विभिन्न राज्य सरकारों के साथ बातचीत शुरू कर दिया है।

तुर्की को मिलेगा जवाब! भारत के डिफेंस स्टॉक्स ने दिखाई ताकत, पीएम मोदी की तारीफ बनी गेमचेंजर

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारतीय डिफेंस सेक्टर में इस हफ्ते शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है, और इसका सबसे बड़ा कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मेक इन इंडिया' रक्षा उपकरणों की तारीफ करना है. उनके बयान के बाद भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड , भारत डायनेमिक्स और अन्य प्रमुख रक्षा कंपनियों के शेयरों में रिकॉर्ड बढ़त दर्ज की गई. इस हफ्ते निफ्टी 500 इंडेक्स के 23 शेयरों ने नया 1 साल का उच्चतम स्तर छू लिया है, जिनमें ज्यादातर डिफेंस सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं.इस हफ्ते जिन कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, उनमें भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड , भारत डायनेमिक्स लिमिटेड , हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और कोचीन शिपयार्ड प्रमुख हैं. बीईएल का शेयर इस हफ्ते अपने 1 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया. वहीं, भारत डायनेमिक्स ने भी अपने निवेशकों को बेहतरीन रिटर्न दिया है. विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पर दिया गया जोर इन कंपनियों के लिए गेमचेंजर साबित हो रहा है. भारत सरकार की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नीति के चलते इन कंपनियों को लगातार नए ऑर्डर मिल रहे हैं, जिससे उनका मुनाफा और बाजार में हिस्सेदारी दोनों बढ़ रही हैं.प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में एक कार्यक्रम में भारतीय रक्षा कंपनियों की सराहना की और 'मेक इन इंडिया' हथियारों की तारीफ की. उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया में हथियारों का आयातक नहीं, बल्कि निर्यातक बनने की ओर बढ़ रहा है.

ट्रंप के टैरिफ से भारत को होगा सबसे ज्यादा फायदा!

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। भारत की इकॉनमी के लिए एक और अच्छी खबर आई है। बोफा सिक्योरिटीज ने दुनिया भर के फंड मैनेजर्स का एक सर्वे किया। इस सर्वे में पता चला कि एशिया में निवेश करने के लिए भारत सबसे अच्छी जगह है। बहुत सारे फंड मैनेजर्स मानते हैं कि टैरिफ में बदलाव होने से भारत को सबसे ज्यादा फायदा होगा। पहले जापान निवेश के लिए सबसे अच्छी जगह थी, लेकिन अब भारत ने उसे पीछे छोड़ दिया है। अब जापान दूसरे नंबर पर है। सर्वे में यह भी पता चला कि एशिया में निवेश के लिए सबसे बेहतरीन देशों में चीन तीसरे नंबर पर है। बोफा सिक्योरिटीज के सर्वे में कहा गया है कि भारत सबसे पसंदीदा बाजार बनकर उभरा है। ऐसा माना जा रहा है कि टैरिफ के कारण सप्लाई चेन में जो बदलाव हो रहे हैं, उससे भारत को फायदा होगा। जापान पहले नंबर से हट गया है,

जबकि चीन पिछले महीने सबसे नीचे था, लेकिन अब तीसरे नंबर पर आ गया है। थाईलैंड अभी भी निवेश के लिए सबसे कम पसंदीदा बाजार है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर्स को लगता है कि थाईलैंड में निवेश करना अभी उतना फायदेमंद नहीं है। इस बारे में सर्वे बताता है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर और खपत ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर निवेशक खास ध्यान दे रहे हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर का मतलब है सड़कें, पुल, बिजली जैसी चीजें। खपत का मतलब है लोग कितना सामान खरीद रहे हैं। सर्वे में यह भी कहा गया है कि एशिया में जापान को छोड़कर बाकी देशों में टेलीकॉम और सॉफ्टवेयर कंपनियों में निवेश करने वाले ज्यादा हैं। वहीं, एनर्जी, मैटेरियल्स और कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी जैसे क्षेत्रों से बचने की कोशिश कर रहे हैं।

पहचान छिपाकर रह रही बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

आधार कार्ड और नाम फर्जी निकला, अवैध तरीके से 2 साल रही, मकान–मालिक भी पकड़ाया

भिलाई, 15 मई (एजेंसियां)। भिलाई में एसआईटी (स्पेशल टास्क फोर्स) ने बुधवार को अवैध तरीके से रह रही बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया है। पिछले 2 साल से वह पहचान छिपाकर किराए के घर पर रह रही थी। पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराने पर मकान मालिक को भी पकड़ा गया है। जांच में महिला का आधार कार्ड और नाम फर्जी पाया गया।

बताया जा रहा है कि, महिला दूसरे के घरों में काम करती थी। आईआईएमएमओ एप से परिजनों से बातचीत करती थी। इस एप की विशेषता है, इसमें नंबर डिस्प्ले नहीं होते हैं। यहां से कमाए पैसों को अपने परिचित के जरिए परिवार को बांग्लादेश भेजती थी। यह मामला सुपेला थाना इलाके का है।

एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि, अवैध अप्रवासियों को पकड़ने के लिए भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी के

नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई है। जांच के दौरान पता चला कि, सुपेला नेहरू रोड पर एक बांग्लादेशी महिला किराए पर सूरज साव का मकान ले रखी है।

जब उसने दस्तावेज का इस्तेमाल शासकीय अस्पताल में इलाज के लिए दिया, तब पुलिस अलर्ट हुई। महिला से पूछताछ में पता चला कि, उसका असली नाम पन्ना बीबी है, लेकिन भिलाई में अंजली सिंह उर्फ काकोली घोष के नाम से रह रही थी। उसने अपना फर्जी आधार कार्ड भी बनवा लिया था।

पन्ना बीबी के खिलाफ पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 विदेशी नागरिक विषयक अधिनियम 1946 और भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1920 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने उसे किराए से देने वाले मकान मालिक सूरज साव को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पन्ना बीबी उर्फ काकोली घोष ने पूछताछ में बताया कि, उसने अवैध पासपोर्ट और वीजा तैयार कर 8 साल पहले बांग्लादेश से उत्तर प्रदेश के बनगांव पेट्रापोल जिला और पश्चिम बंगाल स्थित बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर को पार कर अवैध रूप से भारत पहुंची थी।

काकोली घोष भारत पहुंचने के बाद 5 साल तक पश्चिम बंगाल के सोनागाछी में थी। इसके बाद दिल्ली आई। एक साल तक दिल्ली में रहने के बाद अपनी सहेली पूजा के साथ भिलाई आ गई। यहां पिछले करीब 2 सालों से सूरज साव के मकान में रह रही थी।

भिलाई से काम करने के बाद मिले पैसों को समय-समय पर अपने घर बांग्लादेश भेजती थी। इसके लिए पहले पैसे कोलकाता पश्चिम बंगाल अपने परिचित के पास भेजती थी। इसके बाद वो युवक उन पैसों को उसके परिवार वालों तक पहुंचाता था।

एसएसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि, काकोली किस तरह बांग्लादेश से भारत पहुंची, उसमें किन लोगों का इन्वॉल्वमेंट है। उसका फर्जी आधार कार्ड किसने बनाया। इन सबकी पुलिस जांच करेगी। इस पर कार्रवाई करने के लिए संबंधित एजेंसियों को पत्र लिखा जाएगा।

हेमंत कैबिनेट की बैठक में 17 एजेंडों पर लगी मुहर

शिक्षक नियुक्ति नियमावली को मिली मंजूरी

रांची, 15 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में 17 एजेंडों पर मुहर लगी है। कैबिनेट की बैठक में शिक्षक नियुक्ति नियमावली को मंजूरी दे दी गई है।

कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने पत्रकारों को बताया कि झारखंड सरकार के माध्यमिक आचार्य, प्रधानाचार्य और कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए सेवाशर्त नियमावली को मंजूरी दी गई। इसके अलावा एनसीसी कैडेट्स के शिविरों के लिए भोजन भत्ता में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई। उन्होंने बताया कि अभी एनसीसी कैडेट्स शिविर में प्रत्येक कैडेट को 150 रुपए प्रतिदिन की दर से भोजन भत्ता मिलता है। इसे बढ़ाकर अब 220 रुपए प्रति प्रतिदिन कर दिया गया है।

झारखंड में 18 मई तक गर्मी से राहत

झारखंड के रास्ते गुजर रही टर्फ लाइन, 15 जिलों में बारिश के आसार, यलो अलर्ट

रांची, 15 मई (एजेंसियां)। मई के महीने में झारखंड में जितनी गर्मी पड़नी चाहिए उतनी गर्मी नहीं पड़ रही है। दरअसल राज्य के मौसम में लगातार परिवर्तन देखने को मिल रहा है। रुक-रुक कर हो रही बारिश और बादल छाए रहने की वजह से गर्मी का असर बहुत अधिक नहीं हो रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के मुताबिक झारखंड का मौसम अभी भी सामान्य ही है।

मौसम में हो रहे बदलाव का सिलसिला अभी जारी रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने बताया है कि राज्य के लोगों को गर्मी और उमस से 18 मई तक राहत मिल सकती है। आज राज्य के लगभग 15 जिलों में दोपहर के बाद बारिश हो सकती है। इस दौरान में गर्जन, वज्रपात की संभावना बन रही है। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने 15 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक आज दुमका, साहिबगंज, गोड्डा, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम में बारिश हो सकती है।

इसी तरह 16 मई यानी शुक्रवार को राज्य के चार जिले को छोड़कर 20 जिलों में मेघ गर्जन, वज्रपात, तेज हवा और बारिश की संभावना बन रही है। जिन जिलों में मौसम का मिजाज ऐसा नहीं रहेगा, उसमें गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार जिला शामिल है। 16 मई के लिए भी यलो अलर्ट 20 जिलों के लिए जारी किया गया है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया है कि राज्य में 17 और 18 में को सभी जिलों में मौसम में बदलाव रहेगा। इससे गर्मी और उम्र से राहत मिलेगी। अधिकतम तापमान में कमी आएगी। मेघ गर्जन, वज्रपात के साथ तेज हवा और बारिश हो सकती है।

दरअसल बिहार से झारखंड होते हुए एक तरफ लाइन गुजर रही है। यह टर्फ लाइन झारखंड के लिए फायदेमंद है। इसी वजह से 18 मई तक राज्य के अधिकतर हिस्सों में बारिश की संभावना है। बीते 24 घंटे के दौरान मौसम की बात करें तो राज्य के 12 जिलों में लू की स्थिति बनी रही। दिन में तेज धूप के कारण गर्मी तथा उमस से लोगों को परेशानी हुई। देर शाम कुछ जिलों में हल्की बारिश हुई है, लेकिन इस बारिश से गर्मी से राहत नहीं मिली। पलामू और संथाल परगना के इलाके में अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस रह रहा है। वहीं कोल्हान और आसपास खिलाफ में 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और रांची और मध्य इलाके में 37 से 39 डिग्री सेल्सियस तापमान रह रहा है। राज्य में लगातार बढ़ रहे तापमान को देखते हुए मौसम विभाग ने लोगों से धूप से बचने की सलाह दी है।

झरना में डूबने से युवक की मौत

नहाने के दौरान हुआ हादसा, एनडीआरएफ ने 45 मिनट में निकाला शव, 40 घंटे से चल रहा था रेस्क्यू

हजारीबाग, 15 मई (एजेंसियां)। हजारीबाग के चमेली झरना में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। मंगलवार को दोस्तों के साथ नहाने गया शिवम कुमार (19) डूब गया था। गुरुवार को एनडीआरएफ की टीम ने 45 मिनट के प्रयास में उसका शव बाहर निकाला। जबकि लोग पिछले 40 घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे थे।

शिवपुरी पूरी मोहल्ला निवासी शिवम अपने दो दोस्तों पीयूष कुमार और श्याम कुमार के साथ चमेली झरना घूमने और नहाने आया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। इसके बाद दोस्तों ने परिजनों को सूचना दी। फिर पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। एनडीआरएफ कमांडेंट धीरज कुमार ने बताया कि झरने का पानी बेहद ठंडा और स्थिर है। डेडबॉडी करीब 40 फीट गहराई में मिली। इससे विजिबिलिटी कम हो जाती है। यही वजह है कि शव निकालना चुनौतीपूर्ण था।

स्थानीय लोगों के मुताबिक यह जलाशय अवैध पत्थर खनन से बना है। यहां पहले भी कई लोगों की जान जा चुकी है। मृतक के भाई राहुल कुमार ने प्रशासन पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चलेगा कि कोई साजिश तो नहीं हुई।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से हजारीबाग में स्थायी एनडीआरएफ टीम की तैनाती की मांग की है। साथ ही चेतावनी बोर्ड लगाने और बैरिकेडिंग की भी मांग की है। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। पदमा और इचाक थाना सीमाना अंतर्गत से जुड़े चमेली झरना (बरसाती) आए दिन दुर्घटनाओं को लेकर चर्चा में रहता है। पिकनिक स्पॉट होने के कारण पर्यटक मौज मस्ती व पिकनिक के लिए आते रहते हैं और नहाने के क्रम में अपनी जान गवा बैठते हैं।

कर्रेगुट्टा हिल्स से नक्सलियों का राज खत्म

महाभारत काल की वेदम गुफा को जल्द देख सकेंगे लोग

रायपुर, 15 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में स्थित जिस कर्रेगुट्टा पहाड़ी को सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस ने नक्सली मुक्त कराया है। यह पहाड़ी जल्द ही लोगों के घूमने-फिरने के लिए ओपन कर दी जाएगी। इसमें अंतिम दौर की सर्च की जा रही है ताकि अभी भी अगर कहीं नक्सलियों ने पहाड़ी पर कहीं आईईडी छिपा रखी हों तो उन्हें ढूंढकर पहाड़ी को आईईडी फ्री भी करा दिया जाए। इसके बाद लोकल लोग और टूरिस्ट पहाड़ी के एक हिस्से में स्थित महाभारत के इतिहास से जुड़ी ऐतिहासिक वेदम गुफा में भी जा सकेंगे। जिसमें नक्सलियों का कब्जा होने पर लोगों ने जाना छोड़ दिया था।

नक्सलियों का गढ़ कर्रेगुट्टा पहाड़ी को नक्सल मुक्त कराने के लिए सुरक्षाबलों ने 21 अप्रैल को नक्सलियों के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन संकल्प शुरू किया था। इसमें सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ के करीब 20 हजार जवानों को

लगाया गया था। यह ऑपरेशन बाद 11 मई को बंद कर दिया गया। इस ऑपरेशन की सफलता के बारे में बुधवार को बीजापुर में सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और छत्तीसगढ़ पुलिस के डीजीपी अरुण देव गौतम ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। इस बारे में एनबीटी ने मंगलवार को ही बताया था कि इस ऑपरेशन में 31 नक्सली मारे गए। इनमें 16 महिलाएं शामिल थी।

सीआरपीएफ के डीजी सिंह ने बताया कि इस पहाड़ी को नक्सल मुक्त करा लिया गया है। नक्सलियों ने इस पहाड़ी में जगह-जगह आईईडी लगा रखी थी। 450 आईईडी सुरक्षाबलों ने ढूंढ निकाली। ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट होने से हमारे कई जवान घायल भी हुए। उन्होंने बताया कि कुछ ही दिनों में इस पहाड़ी को आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। इस पहाड़ी पर नक्सलियों ने कब्जा कर रखा था। इस पहाड़ी पर ऐतिहासिक वेदम गुफा है। वहां भी लोग जा सकेंगे। बस, पहाड़ी को आम लोगों के लिए ओपन करने से पहले इसकी फाइनल सर्च की जानी है। ताकि कहीं कोई आईईडी अभी भी ना रह गई हो।

60 किलोमीटर लंबी और पांच किलोमीटर से 20 किलोमीटर चौड़ी इस पहाड़ी की भौगोलिक परिस्थिति काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण है। नक्सलियों ने करीब ढाई साल पहले से इस पहाड़ी पर धीरे-धीरे अपना मेन बेस तैयार कर लिया था। जिसमें उनके लगभग 350 आर्म्ड काडर समेत पीएलजीए बटालियन की टेक्निकल डिपार्टमेंट (टीडी) यूनिट और अन्य महत्वपूर्ण संगठनों की शरणस्थली थी।

इसी पहाड़ी पर नक्सलियों की चार टेक्निकल डिवीजन और हथियार बनाने की चार फैक्ट्री भी पकड़ी गई। जहां यह छोटे रॉकेट जैसे बीजीएल और आईईडी भी बनाते थे।

कंटेनर में लगी आग, जल कर राख

डुमरी के कुलगो टोल प्लाजा पर हादसा, शॉर्ट सर्किट से लगी आग, फायर ब्रिगेड ने बुझाया

गिरिडीह, 15 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के डुमरी अनुमंडल में कुलगो टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार कंटेनर (एचआर38एसी2678) ने एक अज्ञात वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर से कंटेनर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कुछ समय बाद कंटेनर से धुआं निकलने लगा और शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। स्थानीय ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया। उन्होंने पानी की व्यवस्था की और कुछ फ्रिज को बचाने की कोशिश की। लेकिन आग इतनी तेज थी कि वे कुछ नहीं कर पाए।

कंटेनर में फ्रिज लदा हुआ था। आग लगने से 90% फ्रिज पूरी तरह जलकर राख हो गए। कंटेनर का भी बड़ा हिस्सा आग की चपेट में आ गया।

करीब एक घंटे बाद गिरिडीह से अग्निशमन वाहन पहुंचा और आग पर काबू पाया। तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर डुमरी अनुमंडल में फायर ब्रिगेड की गाड़ी होती, तो इस नुकसान से बचा जा सकता था।

बारातियों से भरी बस खाई में गिरी, 3 की मौत

झारखंड जा रही थी बारात, करीब 80 लोग थे सवार, 63 घायल

बलरामपुर, 15 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के कंठी घाट पर गुरुवार दोपहर बारातियों से भरी तेज रफ्तार बस खाई में गिर गई। हादसे में 3 बारातियों की मौत हो गई, जबकि महिला-बच्चे समेत 63 लोग घायल है। वहीं, गंभीर रूप से घायल 7 बारातियों को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। घटना बलरामपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, शंकरगढ़ के बेलकोना निवासी गुंजन रात के बेटे सुनील की शादी झारखंड के बरगढ़ में तय हुई थी। गुरुवार को करीब 70 से 80 ग्रामीण बस में सवार होकर बारात के लिए निकले थे। इसी दौरान चांदो थाना क्षेत्र के कंठी घाट पर बस बेकाबू होकर लुढ़कते हुए खाई से नीचे दूसरे सड़क पर गिर गई।

हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई। बस में सवार महिला महंती पति हेमंत (27) और मांदुर पिता सीताराम (18) की मौके पर मौत हो गई। दोनों बस के अंदर ही दब गए थे। पुलिस ने जेसीबी की मदद से बस को उठाकर उन्हें बाहर निकाला।

घटना की सूचना पर चांदो पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को चांदो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। बलरामपुर पहुंचने पर ममेश बड़ा (12) की मौत हो गई। बच्चा गोपालपुर से शादी में आया था। वहीं, हादसे की सूचना पर बलरामपुर कलेक्टर राजेंद्र कटारा समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। सीएस डॉ. सीएस शशांक गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. बसंत सिंह समेत डॉक्टरों की पूरी टीम घायलों के इलाज में जुट गई।

बलरामपुर सीएमएचओ डॉ बसंत सिंह का कहना है कि, बलरामपुर हॉस्पिटल में 56 घायलों को लाया गया है। जिनमें से 7 घायलों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

रोने की आवाज सुन जंगल में पहुंची महिला, मिली बच्ची

निसंतान महिला ने गोद लेने की बनाई योजना, कुछ देर में नवजात ने तोड़ा दम

गिरिडीह, 15 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह में गुरुवार को एक मां ने अपनी नवजात बच्ची को जंगल में छोड़ दिया। जबकि उस बच्ची को गोद में लेकर एक निसंतान महिला मां बनने की खुशी से रो पड़ी। हालांकि महिला की यह खुशी पल भर के लिए ही रही। अस्पताल ले जाने के बाद नवजात बच्ची ने दम तोड़ दिया। घटना पिरटांड थाना क्षेत्र के मधुपुर के बांध गांव की है।

दरअसल, जंगल में रोने की आवाज आने पर बकरी चरा रही कुंती देवी उस ओर पहुंची तो उन्हें एक नवजात बच्ची नजर आई। उन्होंने फौरन अपनी रिश्तेदार तिलेश्वरी देवी को सूचना दी। तिलेश्वरी देवी निसंतान है। उसने बच्ची को गोद लेने की योजना बनाई और काफी खुश हो गई। इसी बीच उन्हें बच्ची के सिर पर चोट का निशान दिखा तो उसे अस्पताल लेकर पहुंची, पर बच्ची ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। पलभर के लिए मां बनी तिलेश्वरी देवी बच्ची को सीने से लगाकर रोने लगी। अस्पताल का माहौल पूरी तरह से गमगीन हो गया। इसके बाद इसकी सूचना पीरटांड थाना को दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बच्ची को छोड़ने वाली महिला की तलाश में जुटी है। पुलिस ने नवजात के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया। इस दौरान तिलेश्वरी देवी भी मौजूद रही। भारी मन से तिलेश्वरी देवी ने नवजात बच्ची को पोस्टमॉर्टम में मौजूद कर्मियों को सौंप दिया। इस दौरान महिला तिलेश्वरी देवी के आंसू नहीं रुक रहे थे। वे लगातार रोये जा रही थी।

मिड-डे मील खाने से 24 बच्चे बीमार

देवघर, 15 मई (एजेंसियां)। झारखंड के देवघर जिले में मोहनपुर प्रखंड स्थित जमुनिया राज्यकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय में बुधवार को मिड-डे मील के बाद 24 से अधिक छात्र-छात्राएं बीमार हो गए। भोजन करने के कुछ देर बाद बच्चों को पेट दर्द, उल्टी और चक्कर आने की शिकायत हुई।

विद्यालय प्रशासन ने तुरंत 108 एम्बुलेंस बुलाकर सभी प्रभावित बच्चों को देवघर सदर अस्पताल पहुंचाया। कुल 26 बच्चों को प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती किया गया। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. प्रभात रंजन के अनुसार, सभी बच्चों की स्थिति स्थिर है और कोई भी गंभीर नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यालय पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। भोजन के नमूने लैब में परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। प्रारंभिक जांच में भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं।

अवैध रेत खनन, माफिया-ग्रामीणों में विवाद

एक हफ्ते पहले रेत घाट में गोली भी चली थी, एक जेसीबी और 7 ट्रैक्टर जब्त

बिलासपुर, 15 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के कोटा इलाके में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। मंगलवार की रात ग्रामीणों ने रेत से भरे एमपी पासिंग की एक गाड़ी को पकड़ लिया। जिसे लेकर रेत माफिया और स्थानीय लोगों के बीच खूब बहसबाजी हो गई। विवाद का वीडियो भी सामने आया है। वहीं, बुधवार को खनिज विभाग ने एक जेसीबी और 7 ट्रैक्टर जब्त किया है। दरअसल, कोटा और कोनी थाना इलाके में अरपा से लगातार रेत निकाली जा रही है। आरोप लग रहे हैं कि, लगातार शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई खनिज, राजस्व और पुलिस नहीं करती है। स्वीकृत रेत घाट में बड़ी मशीनें लगाकर रेत निकाली जा रही है। जहां मारपीट और विवाद की घटनाएं भी आती रहती हैं।

13 मई को कोटा के ग्राम पंचायत आमागोहन-खोंगसरा में मध्यप्रदेश पासिंग की गाड़ी में रेत उत्खनन और परिवहन किया जा रहा था। जिसे स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। जिस पर रेत माफिया और लोगों के बीच बहस हो गई। बताया जा रहा है कि, यहां से रेत निकालकर मध्यप्रदेश ले जाया जा रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि, प्रशासन से बार-बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, तब ग्रामीणों ने खुद अवैध रेत उत्खनन रोकने का प्रयास किया। इसके जवाब में मध्यप्रदेश की ओर से आए माफिया ने उन्हें धमकाया और विवाद की स्थिति उत्पन्न कर दी। इसका वीडियो भी सामने आया है।

इसी तरह एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि, रतखंडी स्थित रेत घाट से सरपंच और किसी यासीन नाम के व्यक्ति के संरक्षण में रेत निकाली जा रही है।

झारखंड की राजधानी में अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन का डंडा

जमकर हंगामा

रांची, 15 मई (एजेंसियां)। शहर के मोरहाबादी मैदान के आसपास अतिक्रमण कर बनाए गए घर दुकानों को जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने देर रात हटा दिया है। इस कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारी प्रशासन से भिड़ भी गए। महिलाओं ने जमकर विरोध जाताया। प्रशासन और स्थानीय लोगों के बीच जमकर नोक झोंक भी हुई। इस अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान मैदान के आसपास बने सभी स्ट्रक्चर को रौंद दिया गया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान से वहां रहने वाले लोगों में खासा आक्रोश है और उन्होंने बिरसा

मुंडा फुटबॉल स्टेडियम के पास मोरहाबादी की सड़क को जाम कर दिया है। बांस बल्ली लगाकर स्थानीय लोग प्रशासन के खिलाफ खड़े हो गए हैं और विरोध जाता रहे हैं। सड़क जाम कर महिलाएं वहीं बैठ गईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने से पहले उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए थी। लेकिन सरकार और प्रशासन की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे अब वह कहां जाएं? यह उनके सामने बड़ी समस्या सामने आ गई है। उनकी रोजी-रोटी भी छिन गई है।

पीएलएफआई के 3 उग्रवादी गिरफ्तार

दो पिस्टल और गोलियां बरामद, लेवी वसूली और गोलीबारी में थे शामिल

लातेहार, 15 मई (एजेंसियां)। लातेहार पुलिस ने चंदवा के हड़गड़वा जंगल से पीएलएफआई (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादियों में संतोष उरांव उर्फ सूर्या कुजूर (24), बालक राम उर्फ दिलीप राम (25) और आशीष उरांव (23) शामिल हैं।

पुलिस ने इनके पास से दो पिस्तौल, 7.65 एमएम की चार गोली, 315 एमएम के तीन गोली और सात मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसडीपीओ अरविंद कुमार ने बताया कि लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की।

मुख्य आरोपी संतोष उरांव

चंदवा और आसपास के क्षेत्रों में क्रशर मशीन और ईंट भट्ठा मालिकों से लेवी वसूली कर रहा था। ये सभी उग्रवादी बीते 4 अप्रैल को हड़गड़वा में संतोष सिंह के क्रशर पर गोलीबारी में शामिल थे। इन्होंने फिरोज अहमद के ईंट भट्ठे पर उनके मुंशी को लेवी के लिए गोली मारी थी। साथ ही पीआरए रोड कंस्ट्रक्शन कंपनी से भी रंगदारी मांगी थी। संतोष उरांव के खिलाफ लातेहार, चतरा और रांची जिले में कुल 23 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मवेशी से टकराई बुलेट, युवक की मौत

हेलमेट नहीं पहनने से सिर में लगी गंभीर चोट परिजनों का आरोप– अज्ञात वाहन से टक्कर

जमशेदपुर, 15 मई (एजेंसियां)। जेम्को चौक के पास बुधवार की रात 10.30 बजे सड़क दुर्घटना में बुलेट सवार संदीप दास (20) की मौत हो गई। उसके सिर पर गंभीर चोट आई है। उसने हेलमेट नहीं पहन रखा था। घटना के बाद घायल संदीप को परिवार वाले इलाज के लिए रात 11.15 बजे एमजीएम अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि संदीप की बुलेटसांड से टकरा गई, जिससे वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। वहीं परिजनों का कहना था कि किसीअज्ञात वाहन की चपेट में आने से दुर्घटना हुई है। मिली जानकारी के अनुसार संदीप के पिता अशोक दास की आठ साल पहले सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक संदीप मनीफीट बीर बिरसागढ़ बस्ती का रहने वाला था। वह तीन भाईयों में दूसरे नंबर का था। वह अपने बड़े भाई चंदन दास को टाटा मोटर्स कंपनी में रात ड्यूटी के लिए छोड़कर बुलेट से वापस घर लौट रहा था।

संदीप आईआईटी करने केबाद कंपनी में ट्रेनिंग कर रहा था। बुधवार को क्लोजर होने की वजह से संदीप ट्रेनिंग में नहीं गया था। इधर, सूचना मिलने पर टेल्को पुलिस पहुंच गई थी।

भारत के हमलों ने पाकिस्तान को बड़ा नुकसान पहुंचाया

ज्यादा सटीक हमले किए, सैन्य ठिकानों और एयरबेस को निशाना बनाया, सैटेलाइट तस्वीरों में सच

न्यूयॉर्क, 15 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चली सैन्य झड़प पिछले 50 सालों में सबसे बड़ी लड़ाई थी। दोनों देशों ने एक-दूसरे की एयर डिफेंस क्षमताओं को परखा और सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों के लिए ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया। दोनों ने एक-दूसरे को गंभीर नुकसान पहुंचाने का दावा किया।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता लगा कि हमले काफी ज्यादा थे, लेकिन नुकसान दावे से कहीं कम था। इनमें भी ज्यादातर हमले भारत ने पाकिस्तानी ठिकानों पर किए थे। इस हाई-टेक वॉरफेयर की जमाने में दोनों पक्षों ने सटीक निशाना साधा।

इस लड़ाई में दोनों पक्षों की सेनाओं को नुकसान भी उठाना पड़ा है। भारत ने पांच सैनिकों के नुकसान की बात स्वीकार की है, जबकि पाकिस्तान ने 11 सैनिकों के नुकसान की बात कही है।

हमलों से पहले और बाद की हाई रिजॉल्यूशन तस्वीरों से पता चला है कि भारतीय हमलों से पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। ये हमले

सीमित और सटीक थे।

पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची से 150 किमी से भी कम की दूरी पर मौजूद भोलारी एयरबेस को भारत ने निशाना बनाया। भारतीय सैन्य अधिकारियों के मुताबिक उन्होंने एक विमान हैंगर पर सटीक हमला किया। सैटलाइट तस्वीरों से भारत का यह दावा सही नजर आया। तस्वीरों में हैंगर वाली जगह पर साफ तौर पर बड़ा नुकसान दिखाई दे रहा है।

पाकिस्तानी आर्मी के हेडक्वार्टर और प्रधानमंत्री कार्यालय से सिर्फ 25 किमी दूर भारत ने नूर खान एयरबेस को निशाना बनाया। परमाणु हथियारों की स्टोरेज फैसिलिटी और सिक्योरिटी यूनिट यहां से कुछ ही दूरी पर है।

इस लिहाज से यह सबसे संवेदनशील सैन्य टारगेट था, जिस पर भारत ने हमला किया।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रहीम यार खान एयर खान एयरबेस को भी निशाना बनाया। यह पाकिस्तान का एक अहम एयरपोर्ट भी है। भारत के हमले से एयरबेस की एयरस्ट्रिप पर गहरा गड्ढा बन गया।

सैटेलाइट तस्वीरों में नुकसान साफ देखा जा सकता है। 10 मई को पाकिस्तान की सेना ने नोटिफिकेशन जारी किया था। इसमें कहा गया था कि यह रनवे चालू नहीं हैं।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सरगोधा एयरबेस के दो अलग-अलग हिस्सों को भारत ने निशाना बनाया। इसके लिए सेना ने सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया। इससे रनवे पर दो अलग-अलग गड्ढे बन गए। पाकिस्तान की सेना ने दो दर्जन भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। जबकि भारत ने सिर्फ चार ठिकानों पर सीमित नुकसान होने की बात कही है।

भारत के खिलाफ नया मोर्चा खोलने में लगे चीन और पाकिस्तान

बांग्लादेश को साथ लेकर घेरने का प्लान, मोहम्मद यूनुस भी शामिल

इस्लामाबाद, 15 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच शुरू हुआ सैन्य टकराव चार दिनों बाद युद्धविराम के साथ रुक गया, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव शांत नहीं हुआ है। भारत ने साफ कर दिया है कि पहलगाम जैसा कोई भी आतंकी हमला अब सीधे युद्ध माना जाएगा। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत अब आतंकियों और उन्हें संरक्षण देने वालों को अलग-अलग करके नहीं देखेगा। भारत के साथ सैन्य टकराव में पाकिस्तान का साथ उसके दोस्त चीन ने दिया था, जो बीजिंग के लिए किरकिरी की वजह बन गया है। पाकिस्तानी सेना चीनी हथियारों और एयर डिफेंस के सहारे बैठी थी, लेकिन भारतीय वायु सेना ने उसकी वायु रक्षा प्रणाली को जाम करके पाकिस्तान को लाचार कर दिया। इस बीच रिपोर्ट है कि चीन-पाकिस्तान अब कश्मीर से अपना ध्यान हटाकर भारत की पूर्वी सीमा पर केंद्रित कर रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस ने खोले दरवाजे शेख हसीना के रहते चीन-पाकिस्तान के इस गठजोड़ में शामिल होने से बांग्लादेश ने दूरी बना रखी लेकिन मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में इस्लामिक कट्टरपंथ के उभार और आर्थिक दबाव ने बाहरी हस्तक्षेप के लिए जमीन तैयार कर दी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने इसी साल मार्च में बांग्लादेश को पूर्वोत्तर के भारतीय राज्यों के लिए समुद्र का एकमात्र संरक्षक बताया था। उन्होंने सुझाव दिया था कि यह चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार हो सकता है। हाल के घटनाक्रमों से पता चलता है कि बांग्लादेश में चीनी हितों को बढ़ाने के लिए पाकिस्तान यूनुस का इस्तेमाल कर रहा है। पाकिस्तान सोच रहा है कि पूर्व में उलझाकर वह भारत का ध्यान कश्मीर से हटा सकता है। पाकिस्तान की इस योजना में बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमान रोड़ा बन रहे हैं। इससे निपटने के लिए पाकिस्तानी सेना की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई एक्टिव हो गई है।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि आईएसआई बांग्लादेश के सेना प्रमुख को हटाने के लिए साजिश रच रही है। हालांकि, सेना के अधिकांश कमांडर जनरल जमान के साथ बने हुए हैं, जो आईएसआई के लिए बड़ी मुश्किल है। इसी साल जनवरी के आखिर में चार वरिष्ठ आईएसआई अधिकारियों ने ढाका का दौरा किया था, जिसकी अगुवाई आईएसआई चीफ और पाकिस्तान के नवनियुक्त एनएसए लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक ने की थी। इसके साथ ही चीन बांग्लादेश में भारत के व्यापार प्रभुत्व को कम करने की कोशिश कर रहा है। बांग्लादेश को अपनी तरफ लाने के लिए चीन कपड़ा और मशीनरी समेत कम लागत वाले चीनी आयातों की पेशकश कर रहा है। इसके लिए चीन पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा है। पाकिस्तान की आईएसआई बांग्लादेश में हिफाजत-ए-इस्लाम और जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी इस्लामी समूहों को भारत विरोधी बयानबाजी के लिए धन मुहैया कराने का आरोप है।

आईएसआई की कोशिश भारत के पूर्वी हिस्से पर सीमा पार अशांति भड़काना है। बांग्लादेश में मौजूद अपने पाले गुर्गों के माध्यम से पाकिस्तान पूर्वोत्तर भारत में विद्रोही गुटों को फिर से सक्रिय कर रहा है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच चीन का नया दांव

भारत की तीखी प्रतिक्रिया के बाद फिर ठोका अरुणाचल पर दावा

बीजिंग/नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से तनाव के बीच चीन ने अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बता दिया है। जिसपर भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से कड़ी प्रतिक्रिया दी गई थी। लेकिन चीन ने भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया का जवाब देते हुए एक बार फिर से अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताते हुए, प्रदेश में नाम बदलने को अपना संप्रभु अधिकार बताया है। इससे पता चलता है कि चीन, पाकिस्तान पर भारतीय हमले से बौखलाया हुआ है और वो किसी ना किसी तरह से भारत और चीन के बीच चल रहे संघर्ष में खुद को लाना चाहता है। चीन के विदेश मंत्रालय ने नया बयान जारी कर कहा है कि अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलना उसके 'संप्रभु अधिकार' के तहत आता है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जब चीनी विदेश मंत्रालय ने रॉयटर्स के रिपोर्टर ने पूछा कि 'भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया है, जिसमें चीन की तरफ से अरुणाचल प्रदेश का नाम बदलने का विरोध करते हुए चीनी दावे को खारिज कर दिया गया है, तो क्या चीनी विदेश मंत्रालय इस पर कुछ कहना चाहेगा?' इस सवाल पर जवाब देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि 'ज़ंगनान (चीन ने अरुणाचल प्रदेश का नया नाम रखा) चीन का भाग है। चीन ने इसके कुछ हिस्सों के नाम का मानकीकृत करना चीन के संप्रभु अधिकार के तहत आता है।'

भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच अचानक से अरुणाचल प्रदेश का जिक्र आने का मतलब है कि चीन किसी तरह से पाकिस्तान की ढाल बनना चाहता है।

संघर्षविराम के लिए पाकिस्तान डरे हुए कुत्ते की तरह दुम दबाकर भागा फिरा था

अमेरिकी अधिकारी का दावा

वॉशिंगटन, 15 मई (एजेंसियां)। भारत के साथ संघर्ष के बाद पाकिस्तानी सेना ने अपने देश की जनता को मुर्ख बनाया और ये दावा किया कि लड़ाई में उनकी जीत हुई है, लेकिन दुनियाभर के रक्षा विशेषज्ञों का साफ कहना है कि भारत ने पाकिस्तान को धूल चटा दी और पाकिस्तानी वायुसेना का भारतीय वायुसेना से कोई मुकाबला ही नहीं था। अब पेंटागन के पूर्व शीर्ष अधिकारी माइकल रुबिन ने भी खुलासा किया है कि भारत ने पाकिस्तान के हमले को भोथरा साबित कर दिया और सैन्य ठिकानों पर हमले के बाद पाकिस्तान इतना घबरा गया था कि डरे हुए कुत्ते की तरह अपनी दुम पैरों में दबाकर संघर्षविराम की मांग कर रहा था।

माइकल रुबिन ने कहा कि 'पाकिस्तानी सेना इस हकीकत से नहीं बच सकती कि वे बुरी तरह हारे हैं। भारत पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में कूटनीतिक और सैन्य दोनों तरीकों से विजयी रहा और अब सभी का पूरा फोकस पाकिस्तान के आतंक को बढ़ावा देने पर चला गया है।' माइकल रुबिन ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए कहा कि 'पाकिस्तानी सेना के अफसर आतंकियों के जनाजे में शामिल हुए, जो ये दिखाता है कि पाकिस्तानी सशस्त्र बल, आतंकवादी या आईएसआई में कोई अंतर नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान पर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का दबाव बनेगा। भारत के रुख ने पाकिस्तान को भी अचंभित कर दिया है।' माइकल रुबिन ने कहा कि 'पाकिस्तान ने भारत के साथ हर बार लड़ाई शुरू की और उसे ये भुलावा है कि भारत के खिलाफ लड़ाई में उसकी जीत हो सकती है।

अलकायदा के जिस आतंकी पर 84 करोड़ का इनाम था

ट्रम्प ने उसकी तारीफ की, कहा- वह बहुत काबिल, सीरिया पर लगे बैन क्यों हटाए

रियाद, 15 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को सीरिया पर लगाए गए सभी अमेरिकी प्रतिबंधों को खत्म करने का आदेश दिया। ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला सीरिया को दोबारा तरक्की करने का मौका देगा।

आदेश के अगले ही दिन ट्रम्प ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से मुलाकात की। कभी टॉप मोस्ट वांटेड आतंकी रह चुके शख्स से अमेरिकी राष्ट्रपति की मुलाकात की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है।

अहमद अल-शरा पहले आतंकी संगठन अलकायदा की सीरियाई शाखा का चीफ रह चुका है। इससे पहले उसे अबु मोहम्मद अल-जुलानी के नाम से जाना जाता था। उसने 2011 में सीरिया में कई आत्मघाती हमले कराए थे।

अमेरिका ने जुलानी पर 10 मिलियन डॉलर (करीब 84 करोड़ रुपए) का इनाम रखा हुआ

था। यह सिर्फ 5 महीने पहले दिसंबर में ही हटाया गया।

ट्रम्प ने अल-शरा से करीब 37 मिनट तक मुलाकात की। 25 साल के बाद यह पहला मौका था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने सीरियाई राष्ट्रपति से मुलाकात की हो। ट्रम्प ने अल-शरा को लेकर कहा कि वे युवा और आकर्षक हैं।

ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने शरा से इजराइल के संबंधों को सामान्य करने और सीरिया से विदेश आतंकियों को निकालने के लिए कहा है। अल-शरा ने भी ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि वे मिडिल ईस्ट में शांति लाने में सक्षम हैं।

अमेरिकी संसद ने 2019 में सीरिया पर सख्त प्रतिबंधों के लिए कानून बनाया था। हालांकि इस कानून में यह प्रावधान था कि अमेरिकी राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए इन प्रतिबंधों को हटा सकते हैं।

अमेरिका में पर्वतारोहण हादसे में भारतीय मूल के विष्णु समेत तीन की मौत

परिवार और दोस्तों ने दी श्रद्धांजलि

वाशिंगटन, 15 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के नॉर्थ कैस्केड्स रेंज में पहाड़ चढ़ने के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में भारतीय मूल के टेक प्रोफेशनल विष्णु इरिगिरेड्डी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। बता दें कि अमेरिका के सिएटल में रहने वाले 48 वर्षीय विष्णु अपने तीन दोस्त टिम गुयेन, ओलेक्जेंडर मार्टिनेंको और एंटन सेलिएख के साथ नॉर्थ अर्ली विंटर्स स्पायर पर चढ़ाई कर रहे थे। चढ़ाई के दौरान मौसम खराब होते देख समूह ने वापस लौटने का फैसला किया, लेकिन नीचे उतरते समय एंकर पॉइंट फेल हो गया, जिससे चारों करीब 200 फीट नीचे गिर पड़े।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस हादसे में सिर्फ एंटन सेलिएख जीवित बच सके, जो गंभीर रूप से घायल अवस्था में 64 किलोमीटर दूर जाकर मदद लेने पहुंचे। उन्हें आंतरिक चोटों और सिर की गंभीर चोट के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विष्णु के दोस्तों ने एक वेबसाइट पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए लिखा कि मूल रूप से भारत से आने वाले विष्णु सिएटल के जिंदा दिल केसांस्कृतिक समुदाय के गौरवशाली सदस्य थे। उन्होंने एक ऐसा जीवन जिया जो ईमानदारी, प्यार और निरंतर विकास जैसे मूल्यों से भरा था।

विष्णू के परिवार ने बताया कि विष्णु को पहाड़ चढ़ने का बढ़ा शौक था। साथ ही ये काम उनके जीवन का अहम हिस्सा बन चुका था। उनकी याद में गुरुवार को होने वाले अंतिम संस्कार के मौके पर दो गैर-लाभकारी संस्थाओं को दान किया जाएगा, जिनसे वह जुड़ाव रखते थे।

मुल्ला जनरल ने पाकिस्तानी सेना को मजहबी दस्ते में बदल दिया

आसिम मुनीर ने कराई पाकिस्तान की इंटरनेशनल बेइज्जती

इस्लामाबाद, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना ने कभी अपने इस्लामी आधार को लेकर कभी कोई संकोच नहीं दिखाया है। पाकिस्तानी सेना के भारत के खिलाफ हालिया ऑपरेशन 'बुनयान उल मरसूस' का नाम इसका ताजा उदाहरण है। इसे कुरान की एक आयत से लिया गया है।

पाकिस्तान सेना की मीडिया विंग आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने इस्लाम न केवल सैनिकों के विश्वास का अभिन्न अंग है, बल्कि सेना के प्रशिक्षण का भी हिस्सा है। पाकिस्तानी सेना के इस कबूलनामे ने वर्दीधारी सैनिकों और बिना वर्दीधारी जेहादियों, जैसे जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबार के बीच किसी भी अंदर को खत्म कर दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा हमारे पास

एक सेना प्रमुख है, जिसका इसमें दृढ़ विश्वास है।

अहमद शरीफ बात कर रहे थे, पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर की, जिन्हें कट्टर इस्लामी सोच से प्रेरित होने के चलते मुल्ला जनरल भी कहा जाता है। दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक पटल पर पाकिस्तान के वर्तमान सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर की तरह विवादास्पद या धार्मिक रूप से प्रेरित व्यक्ति बहुत ही कम हैं। गहरी धार्मिक आस्था वाले मुनीर ने केवल एक सैन्य नेता के रूप में ही नहीं, बल्कि एक धार्मिक नेता के रूप में भी छवि बनाई है।

सैन्य ब्रीफिंग और ऑपरेशन मॉनीटरिंग के दौरान वह जिस तरह बार-बार कुरान के संदर्भों का उल्लेख करते हैं, वह उन्हें प्रोफेशनल सैन्य अधिकारी कम, एक जेहादी कमांडर के रूप में ज्यादा प्रस्तुत करता है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि धार्मिक भाषण के उलट रणनीतिक रूप से जनरल मुनीर कमजोर हैं। भारत के साथ ताजा संघर्ष में उनकी कमजोरी उजागर हो गई। जनरल मुनीर ने धार्मिक उपदेशक की तरह सैनिकों में जोश भरने की कोशिश की, लेकिन भारत की सैन्य मजबूती और तकनीकी लाभ के आगे पाकिस्तानी सेना पस्त हो गई।

आसिम मुनीर ने सेना को किया कमजोर

पाकिस्तान में ही कई लोगों को मानना है कि जनरल मुनीर ने राष्ट्रवाद को धार्मिक प्रतीकों से इस तरह मिला दिया है, जिससे सेना का अनुशासन कमजोर होता है। मिलिट्री कम्युनिकेशन में धार्मिक भाषा का बढ़ता इस्तेमाल एक नए खतरे को दिखा रहा है। ऐसा माहौल बन रहा है, जिसमें असहमति को दबाने के लिए उसे इस्लाम विरोधी घोषित किया जा सकता है।

ईरान के खिलाफ चला अमेरिका का डंडा

बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम के खिलाफ नए प्रतिबंधों का ऐलान, एक दिन पहले ही ट्रंप ने दी थी धमकी

तेहरान, 15 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने बुधवार को ईरान के बैलिस्टिम मिसाइल कार्यक्रम के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। इसके तहत मिसाइल कार्यक्रम का समर्थन करने के लिए 12 फर्मों और 6 लोगों पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिसमें कई चीनी नागरिक भी शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन ने हाल के हफ्तों में ईरान के तेल उद्योग और परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी कई संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। नए प्रतिबंधों का ऐलान ऐसे समय में हुआ है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्य पूर्व के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इसके पहले उन्होंने मंगलवार को सऊदी अरब के साथ इतिहास का सबसे बड़ा हथियार सौदा किया था।

बुधवार के प्रतिबंधों का उद्येश्य उन संगठनों को निशाना बनाना है, जो तेहरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण सामग्रियों के निर्माण के लिए ईरानी शासन को घरेलू स्तर पर मदद करने के प्रयासों में शामिल हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान में कहा, अमेरिका ईरान को अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल विकसित करने की अनुमति नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि मिसाइलों और घटकों का घरेलू स्तर पर उत्पादन करने का तेहरान का प्रयास अमेरिका और क्षेत्र की स्थिरता के लिए एक अस्वीकार्य खतरा दिखाता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने परमाणु वार्ता का समर्थन करते हुए तेहरान के खिलाफ अधिकतम दबाव अभियान जारी रखा है। इसके एक दिन पहले ही अमेरिका ने चीन को ईरानी तेल की बिक्री पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की थी।

भारत के हमले के बाद पाकिस्तान में हुआ न्यूक्लियर रेडिएशन लीक?

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए ने क्या बताया

इस्लामाबाद, 15 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चला सैन्य टकराव युद्धविराम के साथ रुक गया है। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के अंदर मौजूद आतंकी अड्डों के साथ ही उसके अहम सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इस बीच सोशल मीडिया पर ऐसे दावों की भरमार है कि भारत ने पाकिस्तान के परमाणु केंद्र को भी निशाना बनाया, जिसमें इसे नुकसान पहुंचा है। हालांकि, भारतीय सैन्य अधिकारियों ने पाकिस्तान के किसी भी परमाणु स्थल को निशाना बनाए जाने की खबरों को खारिज किया, लेकिन सोशल मीडिया पर कई एक्सपर्ट ने दावा किया कि अमेरिका ने अपना परमाणु सुरक्षा सहायता विमान

बी350 एएमएस पाकिस्तान भेजा था, जिसके बाद इन आशंकाओं को और बल मिला। अब संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी ने इस बारे में बयान जारी किया है। सोशल मीडिया पर ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान के किराना हिल्स में परमाणु भंडारण सुविधा को निशाना बनाया गया। ये दावे तब शुरू हुए, जब सरगोधा स्थित मुशफ एयरबेस को निशाना बनाने की खबरें आईं। किराना हिल्स का इलाका सरगोधा से महज 7 किलोमीटर की दूरी पर है। यह भी दावा किया गया कि भारत के हमले में पाकिस्तानी परमाणु सुविधा को नुकसान पहुंचा है। कुछ लोगों ने रेडिएशन लीक को लेकर भी दावे किए और मिस्र से एक विमान के बोरान सेल लेकर आने की बात कही। हालांकि, परमाणु ऊर्जा एजेंसी के बयान में रेडिएशन लीक को गलत बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रवक्ता ने इंडियन एक्सप्रेस के सवाल के जवाब में रेडिएशन लीक की खबरों को गलत बताया। प्रवक्ता से जब पूछा गया कि क्या परमाणु घटना या रिसाव को आईएईए के घटना और आपातकालीन केंद्र के संज्ञान में लाया गया है, तो उन्होंने कहा कि हम उन रिपोर्टों से अवगत हैं जिनका आप जिक्र कर रहे हैं।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में खंडित की गईं अहमदी समुदाय की करीब 100 कब्रें

तहरीक-ए-लब्बैक पर शक

लाहौर, 15 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अल्पसंख्यक अहमदी समुदाय की करीब 100 कब्रों के साथ तोड़फोड़ की गई है। इस ताजा घटना के साथ ही अब देशभर में इस साल अहमदी समुदाय की खंडित की गई कब्रों की संख्या 250 से अधिक हो गई है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान के प्रवक्ता आमिर महमूद ने बताया कि कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पर दो दिन पहले लाहौर से ढाई सौ किलोमीटर दूर खुशाब जिले में अहमदिया समुदाय की कब्रों में तोड़फोड़ करने का शक है।

भारत की कार्रवाई जरूरी थी

अफगान नेता की दो टूक, पाक-आईएसआई को आतंकवाद का पनाहगार बताया

कैलिफोर्निया, 15 मई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की निर्वासित सांसद मरियम सोलेमंखिल ने ऑपरेशन सिंदूर को वाजिब बताया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर जरूरी था, क्योंकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है और कश्मीर में निर्दोष लोगों की जान लेता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत ने जो किया वह जरूरी था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कश्मीर में घुसपैठ की और निर्दोष लोगों की जान ली। आप इसे इतनी आसानी से नहीं जाने दे सकते। भारत जैसा पलटवार किया, वह बहुत जिम्मेदाराना है। वे आतंकवाद की चौकियों, आतंकवादी शिविरों, उन जगहों पर हमला कर रहे थे, जहां

सेना पाकिस्तान में आतंकवादियों को और भी ज्यादा पनपने में मदद कर रही है। अफगान नेता सोलेमंखिल ने कहा कि पाकिस्तान दशकों से झूठ फैला रहा है। सरकार और आईएसआई भी यही काम करते हैं। उन्होंने कहा, 'भारत उन्हीं मुद्दों को उठा रहा है, जिन पर वह पिछले 77 साल से बोल रहा है। पाकिस्तान वही झूठ फैला रहा है। वह ऑनलाइन ट्रोल फर्मों से, अपने पेड मीडिया प्रवक्ताओं का इस्तेमाल कर रहा है। वे अपने आईएसआई, अपने नेतृत्व, साथ ही अपने विदेश मंत्री से भी वे झूठ फैलवा रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका को बलि का बकरा बनाता है और आतंकवादियों को पनाह देता है तथा दुनिया को धमकाता है। उन्होंने कहा, 'वे ध्यान भटका रहे हैं, आतंकवादियों का समर्थन करने, उन्हें तैयार करने, उन्हें अपनी सीमाओं के भीतर आतंकवादियों को पनाह देने के लिए मजबूर करने के लिए अमेरिका को दोषी ठहरा रहे हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जयपुर में बीजेपी की तिरंगा यात्रा

पाकिस्तान मुर्दाबाद के लगे नारे; सीएम भजनलाल भी हुए शामिल

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित एक ऐतिहासिक और भावनात्मक तिरंगा यात्रा का आयोजन जयपुर में किया गया। इसका उद्देश्य हाल ही में सफलतापूर्वक सम्पन्न ऑपरेशन सिंदूर के जांबाज़ सैनिकों को सम्मान देना था। इस यात्रा में हर वर्ग, हर समुदाय, और हर उम्र के लोग देशप्रेम की भावना के साथ जुड़ते दिखे।

जयपुर के ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल से आरंभ होकर बड़ी चौपड़ तक निकली इस यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, सहित अनेक जनप्रतिनिधि और हजारों की संख्या में आमजन शामिल हुए। न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार और जामा मस्जिद जैसे प्रमुख स्थानों पर स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया।

सीएम का राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत संबोधन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की जनता के मन में उठे ज्वार को शांति दी है। हमारे सैनिकों ने आतंक के अड्डों पर जिस वीरता से प्रहार किया है, वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी कैबिनेट को इस साहसिक निर्णय के लिए धन्यवाद देता हूँ।

उन्होंने आगे कहा कि यह नया भारत है, जो न सिर्फ़ सहता है, बल्कि उचित समय पर करारा जवाब देना भी जानता है। यह तिरंगा यात्रा सैनिकों को श्रद्धांजलि है और हम सबका एकजुट संकल्प भी।

मुस्लिम समाज की बढ़चढ़कर भागीदारी

जयपुर में इस तिरंगा रैली के दौरान जामा मस्जिद क्षेत्र में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा तिरंगा यात्रा का स्वागत एकता और भाईचारे की मिसाल बन गया। बड़ी संख्या में मुस्लिम युवक, महिलाएं और बुजुर्ग इस यात्रा में शामिल हुए और देशभक्ति के नारों के साथ सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के लगे नारे

यात्रा के दौरान देशभर में हो रहे आतंकवाद के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला। 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारों के साथ लोग आतंक के खिलाफ एक स्वर में बोलते नजर आए। हर हाथ में तिरंगा और हर दिल में देशभक्ति का संकल्प था। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने देशभक्ति के गीतों, नारों और भावनाओं से इस आयोजन को अद्वितीय बना दिया।

यात्रा में राष्ट्रभावना की झलक

तिरंगा यात्रा का समापन बड़ी चौपड़ पर हुआ, जहां देशभक्ति की लहर अपने चरम पर थी। लोगों ने आतंकी हमलों के खिलाफ नारों और संदेशों से सजे कार्डबोर्ड उठाए हुए थे। यह नजारा दर्शाता है कि भारत आज एकजुट है, सजग है और हर हाल में अपने सैनिकों के साथ खड़ा है।

गौरतलब है कि प्रशासन और आयोजन समिति के अनुसार, यह तिरंगा यात्रा सिर्फ जयपुर तक सीमित नहीं रहेगी। इसे संभाग स्तर, जिला स्तर और विधानसभा क्षेत्रवार भी आयोजित किया जाएगा, जिससे हर नागरिक इस राष्ट्र-गौरव अभियान से जुड़ सके।

सीएम भजनलाल और खेल सचिव को मिली जान से मारने की धमकी

लिखा- आईएएस के टुकड़े कर सूटकेस में भर देंगे

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव नीरज के पवन को ईमेल के माध्यम से जान से मारने की गंभीर धमकी दी गई है। यह धमकी भरा मेल खेल परिषद की आधिकारिक आईडी पर भेजा गया, जिसमें आपत्तिजनक और हिंसक भाषा का प्रयोग करते हुए हमले की बात कही गई। दरअसल, इस मेल में हत्या की धमकी के साथ-साथ सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी भी दी गई है। यह पांचवां मौका है जब एसएमएस स्टेडियम को ऐसी धमकी दी गई है। इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पुलिस और साइबर सेल ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है, जबकि बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर तैनात किया गया है।

मेल में क्या-क्या लिखा?

खेल परिषद की आधिकारिक आईडी पर भेजे गए मेल में लिखा है कि नीरज के पवन की हत्या करके उसके टुकड़े सूटकेस में बंद कर देंगे, अगर पुलिस हमें पड़ती है तो हम खुद को मानसिक रूप से बीमार बता कर छूट जाएंगे, हमारे पास पहले से मानसिक बीमारी का डॉक्टर सर्टिफिकेट है। पुलिस सो रही है वह कुछ नहीं कर सकती। अगर जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भी हत्या कर देंगे।

विदेशी आईपी एड्रेस से भेजे गए मेल

बता दें, साइबर सेल की शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि धमकी भरे ईमेल्स जर्मनी और नीदरलैंड्स सहित कई अन्य देशों के आईपी एड्रेस से भेजे गए हैं। जांच अधिकारियों का मानना है कि मेल भेजने वालों ने अपनी असली पहचान छुपाने के लिए वीपीएन का सहारा लिया है। फिलहाल पुलिस, मेल सर्वर और इंटरनेशनल एजेंसियों के सहयोग से आरोपियों की सटीक लोकेशन और पहचान की कोशिश में लगी है।

मेल की फॉरेंसिक जांच जारी

वहीं, इस घटना के बाद जयपुर के एसएमएस स्टेडियम सहित आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और पुलिस बल को तैनात किया गया है। साथ ही, सभी संदिग्ध ईमेल्स और डिवाइसेज़ की फॉरेंसिक जांच जारी है। खुफिया एजेंसियां भी इस मामले को गंभीरता से ले रही हैं और लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि नज़र आती है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

भारत-पाक बॉर्डर के पास मिला संदिग्ध ड्रोन

इलाके में फैली सनसनी, पुलिस ने बनाया सुरक्षा घेरा

श्रीगंगानगर, 15 मई (एजेंसियां)। सीजफायर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध का खतरा फिलहाल टल सा गया है, लेकिन श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ क्षेत्र में आज संदिग्ध ड्रोन मिलने से सनसनी फैल गई। अनूपगढ़ उपखंड के सीमावर्ती गांव 12 ए में गुरुवार सुबह मिली ड्रोननुमा वस्तु हवाई जहाज के आकार की बनी हुई है। जिसमें कैमरे भी लगे हुए है।

सुबह लगभग साढ़े 8 बजे ग्रामीणों को वन विभाग की भूमि पर यह वस्तु दिखाई दी। जिसकी सूचना ग्राम पंचायत सरपंच को दी। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए इसकी सूचना पुलिस में दी।

सुरक्षा घेरे में लिया पूरा क्षेत्र

सूचना मिलते ही थानाधिकारी ईश्वर जांगिड़ पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। साथ ही सीमा सुरक्षा बल की टीम भी मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया। लगभग 500 मीटर का सुरक्षा घेरा बनाकर सभी को दूर रहने के निर्देश दिए गए।

मौके पर पहुंचे ये अधिकारी

मौके पर एडिशन एसपी सुरेंद्र कुमार, पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कौशिक, थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद, सेना के अधिकारी, सीआईडी, आईबी तथा सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी सहित विभिन्न एजेंसियां मौके पर जांच पड़ताल के लिए जुटी हुई है।

5 से 7 फीट लंबा ड्रोन, टूटा हुआ कैमरा मिला

मौके से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह ड्रोननुमा वस्तु लगभग 5 से 7 फीट लंबी है और इसमें लगा कैमरा टूटकर अलग गिरा हुआ पाया गया। प्रथम दृष्टया यह कोई निगरानी या सर्विलांस ड्रोन प्रतीत होता है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही की जा सकेगी।

थानाधिकारी बोले- अभी जांच जारी

थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि जांच की जा रही है कि यह ड्रोन कहां से आया है। किस उद्देश्य से उड़ाया गया था और क्या यह सीमा पार से आया है या भारतीय सेना या सीमा सुरक्षा बल की तरफ से उड़ाया गया है। उन्होंने बताया कि स्थिति साफ नहीं है कि यह पाकिस्तान की तरफ से आया हो। संदिग्ध वस्तु की जांच पूरी होने के बाद ही वस्तु की प्रकृति व उद्देश्य के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल पाएगी। फिलहाल सुरक्षा की दृष्टि से इसे एक संवेदनशील मामला मानते हुए सतर्कता बरती जा रही है।

ग्रामीणों को पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों की सलाह

पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को सलाह दी है कि वे उक्त वस्तु के निकट न जाएं और किसी प्रकार का संपर्क न करें। सुरक्षा एजेंसियां की तरफ से संदिग्ध ड्रोन की तकनीकी व भौगोलिक स्थिति का आकलन किया जा रहा है। सभी एंगलों से जांच की जा रही है।

11वीं से लेकर पीएचडी तक मिलेगी प्रोत्साहन राशि

सरकार का अहम फैसला

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में ग्रामीण और शहरी अंचल की आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की ऐसी छात्राएं जो दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ग्यारहवीं कक्षा में कृषि विषय लेना चाहती हैं और कृषि विषय में ही उच्च अध्ययन करना चाहती हैं उन्हें यह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक होगी।

कितनी होगी प्रोत्साहन राशि?

कृषि विषय लेकर सीनियर सैकंडरी में अध्ययनरत छात्राओं को 15 हजार रुपये प्रतिवर्ष 11वीं और 12वीं कक्षा के लिए दी जाएगी। इसके तहत उद्यानिकी, डेयरी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रसंस्करण में कृषि स्नातक में अध्ययनरत छात्राओं को 25 हजार रुपये प्रतिवर्ष 4 वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए एवं श्री कर्ण नरेन्द्र ेव्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर में बीएससी कृषि एवं एग्री बिजनेस में अध्ययनरत छात्राओं को 25 हजार प्रति वर्ष या 5 वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए, एमएससी कृषि में अध्ययनरत छात्राओं को 25 हजार प्रतिवर्ष 2 साल के लिए और कृषि विषय में पीएचडी में अध्ययनरत छात्राओं को 40 हजार रूपए प्रति वर्ष अधिकतम 3 वर्ष के लिए प्रदान किए जाएंगे।

क्या होगी पात्रता?

राजस्थान की मूल निवासी ऐसी छात्राएं जो राजकीय एवं राज्य सरकार की ओर से मान्यता प्राप्त विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत हैं। आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों में मूल निवास प्रमाण पत्र, गत वर्ष की अंकतालिका प्रस्तुत करनी होगी।

योजनान्तर्गत प्रोत्साहन राशि के लिए पात्र छात्राओं को ई-मित्र के माध्यम से या स्वयं की एसएसओ आईडी से राज किसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन स्वयं या नजदीकी ई-मित्र केन्द्र पर जाकर आवेदन करना होगा। संबंधित कृषि अधिकारी की ओर से ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों की जांच कर ई-साइन सर्टिफिकेट जारी करने के लिए संबंधित स्कूल, कॉलेज अथवा यूनिवर्सिटी के संस्था प्रधान को अग्रेषित किया जाएगा।

संस्था प्रधान जारी करेंगे ई-साइन सर्टिफिकेट?

राज किसान साथी पोर्टल पर पंजीकरण के बाद संबंधित संस्था प्रधान की ओर से आवेदनों की जांच कर ई-साइन सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा । इसमें बताया जाएगा कि छात्रा किस कक्षा में अध्ययनरत है। साथ ही, संस्था प्रधान की ओर से यह भी सर्टिफाई किया जाएगा कि छात्रा ने पुनः उसी कक्षा में प्रवेश नहीं लिया है और वह अनुत्तीर्ण नहीं हुई है। छात्राओं के गलत आवेदनों पर ई-साइन सर्टिफिकेट जारी होने पर जिम्मेदारी संस्था प्रधान की होगी। संस्था प्रधान की ओर से जारी ई-साइन सर्टिफिकेट की जांच के बाद वित्तीय स्वीकृति संयुक्त निदेशक (कृषि विस्तार) जिला परिषद देंगे। छात्राओं की ओर से जिस वित्तीय वर्ष प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन किया गया है, संस्था प्रधान की ओर से उसी वित्तीय वर्ष में ई-साइन सर्टिफिकेट जारी नहीं होने पर प्रोत्साहन राशि देय नहीं होगी।

इन्हें नहीं मिलेगा लाभ?

गत वर्ष में अनुत्तीर्ण छात्राएं जिन्होंने पुनः उसी कक्षा में प्रवेश लिया हो, श्रेणी सुधार के लिए उसी कक्षा में पुनः प्रवेश लेने वाली छात्राएं, सत्र के मध्य विद्यालय, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय छोड़कर जाने वाली छात्राएं प्रोत्साहन राशि का लाभ नहीं उठा सकेंगी।

आरपीएससी का कारनामा, सवाल का जवाब नहीं लिखा

फिर भी दिए नंबर; चार साल बाद खुलासा; एसडीएम पदमा की रैंक बदली

अजमेर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग एक बार फिर विवादों में है। आरएएस-2018 के फाइनल रिजल्ट में चार साल बाद बड़ा संशोधन सामने आया है।

एसडीएम पदमा चौधरी की मेरिट में गड़बड़ी उजागर हुई है। आयोग ने बुधवार देर रात आदेश जारी कर बताया कि अब चौधरी की मेरिट रैंक 24 से गिरकर 39-ए हो गई है।

दरअसल, 13 जुलाई 2021 को घोषित आरएएस-2018 फाइनल रिजल्ट में नॉन-टीएसपी क्षेत्र में रोल नंबर 810581 को मेरिट क्रमांक 24 पर सफल घोषित किया गया था। यह अभ्यर्थी पदमा चौधरी थीं, जो वर्तमान में अजमेर में उपखंड अधिकारी के पद पर तैनात हैं। अब चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि चौधरी ने आरएएस मेन्स के पेपर-4 (अंग्रेजी) के प्रश्न संख्या 34 का उत्तर लिखा ही नहीं था, इसके बाद भी उन्हें उस प्रश्न में 7 अंक दे दिए गए थे। पदमा की उत्तर पुस्तिका सार्वजनिक होने के बाद सवाल उठने लगे। सोशल मीडिया पर मचे हंगामे के बाद आयोग पर दबाव बना। आरपीएससी ने उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन कराया तो खुलासा हुआ कि दो परीक्षकों (ई-1 और ई-2) ने प्रश्न में 0 अंक दिए थे, वहीं तीसरे परीक्षक (ई-3) ने 7 अंक दे दिए।

अब क्या होगा कार्मिक विभाग तय करेगा ?

आयोग ने मेरिट रैंक को संशोधित कर पदमा चौधरी की रैंक 24 से 39-ए कर दी है। अब उनकी नई स्थिति के अनुसार कार्मिक विभाग तय करेगा कि उन्हें सेवा में नीचे भेजा जाएगा या सेवा आवंटन ही बदला जाएगा। उधर, संबंधित मूल्यांकनकर्ता को शो-कॉज नोटिस भेजा गया है। आयोग ने पूरे मामले की रिपोर्ट कार्मिक विभाग को सौंप दी है।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने उठाए सवाल

इस मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है। सांसद हनुमान बेनीवाल ने एक्स (ट्विटर) पर लिखा- अरपीएससी आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। एसडीएम बनी पदमा चौधरी को अंग्रेजी के जिस सवाल का जवाब तक नहीं लिखा, उसमें 7 अंक मिलना कैसे संभव है? ये घोटाला बिना चेयरमैन, सदस्यों और कोचिंग माफिया की सांठगांठ के मुमकिन नहीं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जयपुर की स्प्रिंग बोर्ड कोचिंग ने पदमा चौधरी को रोल मॉडल बना दिया, हिंदी की किताब छपवा दी लेकिन अंग्रेजी पेपर का पन्ना नहीं दिखाया, क्योंकि वहां तो खाली पन्ने पर भी नंबर बंट रहे थे।

सीबीआई जांच और कार्रवाई की मांग

बेनीवाल ने पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने और आरपीएससी को भंग कर पुनर्गठन करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि पदमा चौधरी को तत्काल निलंबित किया जाए और आरपीएससी के तत्कालीन सदस्यों और अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाए।

गमेती समाज के प्रसादी कार्यक्रम में चूरमा-बाटी खाने से 39 बच्चों सहित 50 बीमार, अस्पताल में भर्ती

सिरोही, 15 मई (एजेंसियां)। सिरोही जिले के पिंडवाड़ा उपखंड अंतर्गत भूला गांव में हुए गमेती समाज के प्रसादी कार्यक्रम में चूरमा-बाटी खाने से 39 बच्चों सहित 50 लोग बीमार हो गए। परिजन सभी बीमार लोगों को समीपवर्ती रोहिड़ा और सरूपगंज कस्बों में लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज किया गया।

जानकारी के अनुसार, भूला गांव में गमेती समाज की ओर से प्रसादी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें चूरमा-बाटी का प्रसाद बनाया गया था। इसे खाने के बाद 39 बच्चों सहित 50 लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। तबीयत बिगड़ने पर इस परिजन उन्हें निजी वाहनों से रोहिड़ा और सरूपगंज के सरकारी व निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे और सभी को भर्ती करवाया, जहां उनका इलाज किया गया। एक साथ इतने लोगों के बीमार होने की सूचना मिलने पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और प्रसादी के सैंपल लिए। जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

गमेती समाज का यह प्रसादी कार्यक्रम भूला गांव के दुर्गम क्षेत्र में आयोजित किया गया था। ऐसे में वहां तक वाहनों को ले जाना संभव नहीं था। जैसे ही प्रसादी ग्रहण करने वाले लोगों की तबीयत बिगड़ी, परिजन बच्चों को गोद में और बड़ों को खाट पर लिटाकर वाहनों तक लेकर आए। इस दौरान उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

जिले में बीते लंबे समय से घी, तेल एवं अन्य खाद्य सामग्री में मिलावट को लेकर शिकायतों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागीय अधिकारी सख्ती से कार्रवाई करने के बजाय त्योहारी सीजन में औपचारिकता निभाकर ही संतुष्ट हो जाते हैं। विभागीय टीम जब मौके पर पहुंचती है तो उन्हें स्थिति की पूरी जानकारी होती है, लेकिन सैंपलों के फेल होने के बावजूद दोषियों के विरुद्ध विभागीय प्रशासन अक्सर मेहरबानी वाला रवैया अपनाता है। ऐसे में आमजन को ही खामियाजा भुगतना पड़ता है।

बेटे के डीएनए टेस्ट से अवैध संबंध की खुलने वाली थी पोल

सिपाही के प्रेम में फंसी टीचर ने आईबी अधिकारी की कराई हत्या

झालावाड़, 15 मई (एजेंसियां)। जिले में 7 साल पहले इंटेलिजेंस ब्यूरो अधिकारी की हुई हत्या मामले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इस हत्या को जिस बारीकी से अंजाम दिया गया, शायद देश में इस तरह का यह पहला मामला होगा। आईबी अधिकारी की हत्या में खुद पुलिसकर्मी शामिल था, ऐसे में उसने बचने के सभी रास्ते अपनाए। इंटेलीजेंस ब्यूरो के अधिकारी की बेहोशी का इंजेक्शन लगाकर हत्या करने की आरोपी उसकी लेक्चरर पत्नी और पुलिसकर्मी प्रेमी समेत चार लोगों को न्यायालय ने दोषी ठहराया है। दो दोषियों को आजीवन और 2 लोगों को 14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। वारदात के बाद अभियुक्तों ने इसे हत्या की जगह हार्ट अटैक या अन्य तरह से स्वाभाविक मौत का रूप देने की कोशिश की थी। दूसरी तरफ आईबी अधिकारी के पिता ने शुरू से ही इसे हत्या माना और दोषियों को सजा दिलाने के लिए 7 साल तक कानूनी लड़ाई लड़ी। इस मामले में विशेष न्यायाधीश सुनीता मीणा ने फैसला सुनाते हुए चारों अभियुक्तों को हत्या और हत्या का षड्यंत्र रचने के आरोप में दोषी ठहराया, जबकि एक अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया। दोष सिद्ध करते ही चालानी गार्ड ने अनीता मीणा, प्रवीण राठौर, शाहरूख खान और संतोष निर्मल को हिरासत में ले लिया। चारों को अदालत परिसर में बैरक में ले जाकर रखा गया। करीब दो घंटे बाद चारों अभियुक्तों को फिर से अदालत में बुलाया गया और सजा सुनाई गई।

आईबी अधिकारी चेतन प्रकाश को शक हो गया था कि उसकी पत्नी का प्रवीण के साथ अवैध संबंध हैं। उसको यहां तक शक था कि उसका बेटा पता नहीं उसका है या नहीं। ऐसे में वह बेटे का डीएनए टेस्ट कराने का दबाव बना रहा था। ऐसे में अनीता को डर था कि अगर डीएनए टेस्ट होता है तो उसके अवैध संबंधों की पोल खुल जाएगी, ऐसे में उसने अपने पति को ही रास्ते से हटाने का फैसला किया।

मामले के जांच अधिकारी संजय प्रसाद मीणा के अनुसार देश में इंजेक्शन लगाकर हत्या करने का संभवतः यह पहला मामला था। पूरी दुनिया में इस तरह के कुछ ही मामले सामने आए हैं। मीणा के अनुसार चूंकि अभियुक्त प्रवीण राठौर खुद पुलिसकर्मी था, इसलिए उसने वह सभी तरीके अपनाए, जिससे वह पुलिस के पकड़ में नहीं आ सके। जिस इंजेक्शन को लगाकर हत्या की गई थी, उसके बारे में पोस्टमार्टम में पता नहीं चलता।

बेटे की मौत मामले में पंचों ने बाप पर लगाया हत्या का आरोप

हुक्का-पानी किया बंद, 10 लोग गिरफ्तार

सिरोही, 15 मई (एजेंसियां)। सिरोही जिले में आबूरोड रीको पुलिस द्वारा बेटे की मौत मामले में बाप पर उसकी हत्या करने का आरोप लगाने तथा समाज से बहिष्कृत कर 51 हजार रुपये दंड वसूलने के मामले में समाज के 10 पंचों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में पीड़ित का आरोप है कि आरोपी उसे समाज में वापस लेने के लिए पांच लाख रुपये की मांग कर रहे थे। आबूरोड रीको थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह चंपावत की अगुवाई में टीम द्वारा चंद्रावती, पुलिस थाना आबूरोड रीको जिला सिरोही निवासी किशनलाल पुत्र नारायणलाल गवारिया, सोनाराम पुत्र पुनमाजी गवारिया, मोरथला, पुलिस थाना आबूरोड सदर, जिला सिरोही निवासी रामाराम उर्फ रामलाल पुत्र खेताराम उर्फ राणाराम गवारिया, कालामगरा, पुलिस थाना रोहिडा, जिला सिरोही निवासी थानाराम पुत्र लाबुराम गवारिया, हरीराम उर्फ हरा पुत्र बाबुजी गवारिया, चंद्रावती, पुलिस थाना आबूरोड रीको जिला सिरोही निवासी मुल्लानभाई उर्फ मुलाराम पुत्र लाबुजी गवारिया, मोरथला, पुलिस थाना आबूरोड सदर, जिला सिरोही निवासी राणाराम पुत्र उकाजी गवारिया, सांतपुर, आबूरोड जिला सिरोही रूपाराम पुत्र सालुजी गवारिया, अंबाजी, पुलिस थाना अंबाजी, गुजरात निवासी कालुभाई पुत्र विरभाजी गवारिया, मोरथला, पुलिस थाना आबूरोड सदर, जिला सिरोही निवासी लक्ष्मण पुत्र भाणाराम गवारिया को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई में आबूरोड रीको पुलिस थाना के हेड कांस्टेबल किशनलाल, कांस्टेबल भूपेश एवं गोपालराम शामिल रहे। पहले पिता पर लगाया पुत्र की हत्या का आरोप पुलिस के अनुसार, इस मामले में मावल निवासी थानाराम पुत्र भगाजी गवारिया ने सात अप्रैल 2025 को रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसके बेटे की एक्सीडेंट में मौत हो गई थी।

कांग्रेस नेता के घर करोड़ों की लूट कर नेपाल भाग रहे थे बदमाश, बॉर्डर से पुलिस ने दबोचा

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर में कांग्रेस नेता के घर बुधवार की सुबह हुई लूट के मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को नेपाल बॉर्डर के पास से दबोच लिया है। कांग्रेस नेता के घर से हुई करोड़ों की लूट के मामले में पुलिस आज प्रेस वार्ता करेगी। इस दौरान लूट से जुड़े बड़े खुलासे हो सकते हैं। दरअसल, वैशाली नगर थाना इलाके में कांग्रेस नेता एवं बंजर भूमि एवं चारागाह विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष संदीप चौधरी के घर बुधवार सुबह बड़ी लूट हुई। इस लूट को हाल ही में नौकरी पर रखे गए नेपाली नौकर दंपती ने अंजाम दिया। इस दौरान उन्होंने परिवार के दो सदस्यों को पहले तो नशीली चाय पिलाई फिर इंजेक्शन लगाकर बेहोश कर दिया। दोनों ने इस बीच अपने दो साथियों को भी मौके पर बुला लिया और जेवर-नकदी लूटकर लग्जरी कार से भाग गए।

तापमान : गंगानगर में पारा 45 डिग्री के पार

जयपुर, 15 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के बॉर्डर फिर से भीषण गर्मी से तपने लगे हैं। अधिकतम 45 डिग्री का स्तर पार कर गया है। प्रदेश पश्चिमी जिलों में जबरदस्त हीट वेव चलनी शुरू हो गई हैं। बीते 24 घंटों में गंगानगर सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री पहुंच गया। वहीं, मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिन प्रदेश में तापमान का स्तर इसी के आस-पास बना रहेगा। इसके बाद फिर से धूल भरी आंधी और बारिश का दौर चलेगा।

पासपोर्ट व खाड़ी देशों के वीजा में छेड़छाड़ करने वाले दो आरोपी पकड़े गए

> 14 पासपोर्ट समेत अन्य संबंधित दस्तावेज जब्त

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआईए पुलिस ने एसओटी शमशाबाद जोन के साथ मिलकर हैदराबाद के नामपल्ली में दो आरोपियों को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपी पासपोर्ट, वीजा में छेड़छाड़ करने और ईसीआर पासपोर्ट धारकों को आव्रजन कानूनों को दरकिनार करने और निर्दोष लोगों को पीओई (प्रवासी की सुरक्षा) प्रमाण पत्र, कार्य अनुबंध दस्तावेजों के बिना खाड़ी देशों में भेजने में शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार बीते 13 मई को, 38 वर्षीय गंडिकोटा वेंकट रमना, निवासी पश्चिमी गोदावरी, एपी ने शिकायत दर्ज कराई कि उसे एजेंट बालाजी शिव कुमार और उनके सहयोगियों ने धोखा दिया, जिन्होंने उसे और सात अन्य महिलाओं को पर्यटक वीजा का उपयोग करके मस्कट के माध्यम से अवैध रूप से कुवैत भेजने का प्रयास किया। ईसीआर पासपोर्ट होने के बावजूद, उसे यह विश्वास दिलाने के लिए गुमराह किया गया कि उसकी यात्रा वैध थी। आरजीआई एयरपोर्ट, हैदराबाद में, अधिकारियों ने पाया कि उसके पासपोर्ट में उसके कुवैत वीजा पर "रद्द" की मुहर लगी हुई थी। इस तरह पासपोर्ट से छेड़छाड़ की गई थी। वह धोखाधड़ी और आव्रजन उल्लंघन के लिए एजेंटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करती है। इस मामले में आरोपी चिलुकुरी बालाजी निवासी पेनुगोंडा गांव और मंडल, पश्चिम गोदावरी जिला, एपी, सुनकारा शिव कुमार, निवासी चेन्ना राजुपोडु गांव, ओबुलावारिपल्ली मंडल, अन्नामय्या जिला, एपी को नामपल्ली में स्थित एक होटल से गिरफ्तार किया गया। इस मामले के अन्य आरोपी श सत्यनारायण निवासी रमन्नापलेम गांव, पेनुगोंडा मंडल, पश्चिम गोदावरी जिला, एपी, अंजी उर्फ पेनेगलपति रामंजनेयुलु, निवासी आसिफ नगर, गोपाल निवासी रायचोटी, कडपा और अन्य फरार है। पुलिस ने बताया कि चिलुकुरी बालाजी, पेनुगोंडा, पश्चिमी गोदावरी जिले का निवासी है, और सत्यनारायण मुख्य आरोपी नामक एक मुख्य एजेंट का सहयोगी है, जो स्वयंभू खाड़ी ट्रैवल एजेंट है। उसने आंध्र प्रदेश और अन्य क्षेत्रों के लोगों को कुवैत और मस्कट जैसे खाड़ी देशों की कंपनियों में उच्च वेतन वाली नौकरियों का झूठा वादा करके लुभाया। "श्रीनिवास ग्लोबल रिक्रूट्स" नामक एक फर्जी पहचान के तहत काम करते हुए, बालाजी अपने उप-एजेंटों के नेटवर्क के माध्यम से पासपोर्ट, खाड़ी वीजा में हेराफेरी करता था। ये वीजा मुंबई में कुवैत वाणिज्य दूतावास सहित धोखाधड़ी वाले चैनलों के माध्यम से प्राप्त किए गए थे।

वीजा प्राप्त होने के बाद, बालाजी ने मेडिकल टेस्ट के लिए हैदराबाद में मेडिकल डायग्नोस्टिक सेंटर के साथ समन्वय किया। उन्होंने नकली "रद्द" रबर स्टैम्प का उपयोग करके आवश्यक कार्य वीज़ा दस्तावेज़ों को भी जाली बनाया ताकि कार्य वीज़ा को विज़िट वीज़ा में परिवर्तित किया जा सके और इस प्रकार इमिग्रेशन जांच से बचा जा सके। अपनी सेवाओं के बदले में, बालाजी ने विदेश भेजने वाले प्रति व्यक्ति 5,000 से 8,000 कमाए। अन्य आरोपी सुंकारा शिव कुमार, अंजी उर्फ पेनेगलपति रामंजनेयुलु नामक एक अन्य मुख्य एजेंट का सहयोगी है, जिसकी विदेशों में खाड़ी ट्रैवल एजेंसियां हैं, शिवा ने अपने उप एजेंटों के माध्यम से गरीब मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं का विवरण प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बालाजी के साथ मिलकर लोगों को धोखा देकर उनसे वीजा, मेडिकल क्लीयरेंस और फ्लाइट बुकिंग के लिए 5,000 से 8,000 तक की भारी फीस वसूली। वह भुगतान एकत्र करने और विभिन्न धोखाधड़ी औपचारिकताओं में सहायता करने में शामिल था, जिसमें कार्य वीजा को यात्रा वीजा में बदलना शामिल था। शिव कुमार और उनकी टीम ने खाड़ी में आकर्षक नौकरियों के झूठे वादे करते हुए आंध्र प्रदेश के विभिन्न जिलों के व्यक्तियों को निशाना बनाया। उन्होंने बालाजी को रसद के प्रबंधन और निष्पादन में भी सहायता की, जिसमें वीजा, खाड़ी सहयोग मंजूरी, पुलिस क्लीयरेंस प्रमाणपत्र और फ्लाइट बुकिंग प्रदान करना शामिल था। सत्यनारायण और अंजी उर्फ पेनेगलपति रामनजनेयुलु की मदद से बालाजी और शिव कुमार एक अवैध मानव तस्करी नेटवर्क चला रहे थे। उन्होंने आंध्र प्रदेश और आसपास के इलाकों के गरीब और अशिक्षित व्यक्तियों को निशाना बनाया और उन्हें खाड़ी देशों में उच्च वेतन वाली नौकरियों का झूठा वादा किया। मुंबई में उप-एजेंटों की मदद से, उन्होंने फर्जी वीजा हासिल किए।

भारतीय आव्रजन काउंटरों पर पकड़े जाने से बचने के लिए, उन्होंने पर्यटक वीजा की तरह दिखने के लिए उन पर रद्द की मुहर लगाकर असली कार्य वीजा के साथ छेड़छाड़ की। पीड़ितों के पासपोर्ट लेने के बाद, उन्होंने मेडिकल परीक्षण किए और यात्रा के लिए उन्हें राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ले जाने से पहले हैदराबाद के नामपल्ली के पास रहने की व्यवस्था की। उप-एजेंटों ने प्रति व्यक्ति 50,000 से 60,000 का भुगतान किया, जिसमें से आरोपी ने खर्चों के बाद 5,000 से 8,000 कमीशन के रूप में रख लिए। उन्होंने अधिकारियों को गुमराह करने के लिए दो तरह के दस्तावेज़ों का इस्तेमाल किया। एक प्रकार के पासपोर्ट में वर्क वीज़ा पर "रद्द" की मुहर लगी होती थी, जिसे पर्यटक वीज़ा और प्रस्थान के समय दिखाए जाने वाले राउंड-ट्रिप टिकटों द्वारा समर्थित किया जाता था।

दूसरे प्रकार के पासपोर्ट में, "रद्द" की मुहर हटा दी गई थी, और दस्तावेज़ों में मूल वर्क वीज़ा, पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) और खाड़ी देशों में आगमन के समय दिखाए जाने वाले बोर्डिंग पास शामिल थे। उत्प्रवास नियमों के अनुसार, ईसीएनआर पासपोर्ट धारक पीओई क्लीयरेंस के बिना काम के लिए यात्रा कर सकते थे, यदि उनके पास मूल वर्क वीज़ा और पीसीसी हों। हालांकि, ईसीआर पासपोर्ट धारकों को पीओई, जॉब कॉन्ट्रैक्ट, बीमा और मूल वर्क वीज़ा की आवश्यकता होती है। इन आवश्यकताओं की अनदेखी करते हुए, अभियुक्तों ने व्यक्तियों को पर्यटक वीज़ा पर भेजा, यात्रा के बीच में उन दस्तावेज़ों को नष्ट कर दिया और आगमन पर नकली कार्य-संबंधी दस्तावेज़ प्रस्तुत किए। पूरे ऑपरेशन का समन्वय अंजी और सत्यनारायण ने किया, जो वर्तमान में फरार हैं। आरोपियों के पास से छेड़छाड़ किए गए वीज़ा 14, पासपोर्ट 14, आरजीआई एयरपोर्ट से मस्कट तक की फ्लाइट टिकट की प्रतियां 16, स्टैम्प 2, स्टैम्प पैड 17 सेल फोन 7 नग, एक लैपटॉप मिला है। संजय कुमार, इंस्पेक्टर, एसओटी शमशाबाद, जे. बलाराजू, पुलिस इंस्पेक्टर, आरजीआईए पुलिस चौकी, के. बलाराजू पुलिस इंस्पेक्टर आरजीआईए पुलिस स्टेशन, तरुण रेड्डी, एसओटी शमशाबाद के पुलिस उप-निरीक्षक, यू.के. सिद्धेश्वर, पुलिस उप-निरीक्षक, आरजीआईए पुलिस चौकी आदि ने अपनी टीम के साथ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

देह व्यापार के आरोप में तीन गिरफ्तार दो पीड़ितों को बचाया गया

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, नॉर्थ ज़ोन टीम, हैदराबाद ने गोपालपुरम पुलिस और महिला कर्मचारियों के साथ रेजिमेंटल बाजार में एक वेश्यालय पर छापा मारा और आयोजक (पश्चिम बंगाल के मूल निवासी), महिला सेक्स वर्कर सप्लायर (बांग्लादेशी नागरिक), ग्राहक को गिरफ्तार किया और दो पीड़ितों को बचाया, जिनमें से एक बांग्लादेशी नागरिक सीआरपीसी की धारा 144 के तहत गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में आरोपी बिमल सेन उर्फ सुब्रत निवासी जौदंगा, थाना: पूर्वस्थली, बोरधमान जिला, पश्चिम बंगाल, वर्तमान निवासी रेजिमेंटल बाजार, सिकंदराबाद, सकील हुसैन उर्फ मुल्ला निवासी चटगांव, बांग्लादेश (महिला सेक्स वर्कर आपूर्तिकर्ता), एस के नासिर अल निवासी वेस्ट बंगाल (ग्राहक) को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में फरार आरोपी बाबू निवासी पांडिचेरी निवासी बंदलादेश (आयोजक), शिका निवासी पोडिचेरी निवासी बंदलादेश (आयोजक), शिवा निवासी अमीरपेट, हैदराबाद (आयोजक) है। पुलिस के अनुसार आरोपी बिमल सेन पश्चिम बंगाल का निवासी है, जो ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट, रेजिमेंटल बाजार, सिकंदराबाद में सेक्स वर्कर रखकर वेश्यालय चलाता है। वह महिला यौनकर्मियों के लिए शिवा (फरार) से संपर्क करता है, शिवा अपने साझेदारों बाबू और शिखा निवासी पांडिचेरी से संपर्क करता है और सकील हुसैन उर्फ मुल्ला (बांग्लादेश का मूल निवासी) के माध्यम से महिला यौनकर्मियों की आपूर्ति करता है। सकील हुसैन उर्फ मुल्ला महिला यौनकर्मियों को बिमल सेन के पास लाता है। बिमल सेन फोन के जरिए ग्राहकों से संपर्क करता है और फोन-पे और नकद के जरिए रकम स्वीकार करता है। विश्वसनीय जानकारी के आधार पर आरोपी व्यक्तियों को ग्राहक के साथ पकड़ा गया। दो पीड़ितों (बांग्लादेशी नागरिक) को बचाया गया।

मिस वर्ल्ड इवेंट में हमारी महिलाओं का अपमान किया गया : भाजपा सांसद डीके अरुणा

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद डीके अरुणा ने आज दावा किया कि मुलुगु जिले के प्रसिद्ध रामप्पा मंदिर में आयोजित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता कार्यक्रम में तेलंगाना की महिलाओं का अपमान किया गया। एक बयान में, उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार का व्यवहार महिलाओं के अपमान का मुख्य कारण था और उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा कृत्य था जो तेलंगाना की लड़कियों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने कहा, मैं मुलुगु जिले के रामप्पा मंदिर में मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों की यात्रा के दौरान हुई घटना पर कड़ी आपत्ति जताती हूं। राज्य सरकार द्वारा विदेशी प्रतियोगियों के पैरों पर पानी डालने और उन्हें साफ करने की जिम्मेदारी तेलंगाना की लड़कियों और महिलाओं पर डालना बेहद दर्दनाक और शर्मनाक है। तेलंगाना की लड़कियों द्वारा प्रतियोगियों के पैर धोना हमारी लड़कियों के स्वाभिमान का हनन है।

बस में आग लगी, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल में गुरुवार सुबह एक बस में आग लग जाने से वह पूरी तरह जलकर खाक हो गई। निजी बस बांदा मेलाराम से कोमपल्ली जा रही थी, जब वाहन आईटीआई कॉलेज के पास पहुंचा तो चालक ने बस से धुआं निकलता देखा। ड्राइवर ने बस को सड़क किनारे खड़ा किया और वाहन से कूद गया।आग ने बस को अपनी चपेट में ले लिया और बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया।अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। सौभाग्य से घटना के समय बस में कोई यात्री नहीं था।

तेलंगाना लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों का कर्नाटक मॉडल पेश करेगा : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने घोषणा की कि किसानों को बेहतर सेवा देने के लिए भूमि लेनदेन की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। इस पहल के हिस्से के रूप में, राज्य सरकार कर्नाटक के समान एक सफल लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षक प्रणाली शुरू करने के लिए एक विशेष योजना विकसित कर रही है। गुरुवार को दिए गए एक बयान में, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 5,000 लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों की भर्ती करने की योजना बना रही है, जिसके लिए आवेदन 17 मई तक स्वीकार किए जाएंगे।

योग्य उम्मीदवारों का चयन और प्रशिक्षण तेलंगाना सर्वेक्षण प्रशिक्षण अकादमी में किया जाएगा। सर्वेक्षण विभाग के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने हाल ही में कर्नाटक में लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षण प्रणाली की जांच की और एक रिपोर्ट में अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी सिफारिशों के आधार पर इस प्रणाली को लागू करने के प्रयास कर रही है। लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षक योजना 1999 में राज्य भूमि राजस्व अधिनियम में संशोधन के बाद कर्नाटक में शुरू की गई थी और 2005-06 में चालू हुई। इस कार्यक्रम में भूमि पंजीकरण से पहले म्यूटेशन स्केच बनाना शामिल है, जिसमें भूमि की सीमाओं, क्षेत्र और खरीदी जा रही संपत्तियों के स्वामित्व के बारे में विस्तृत जानकारी शामिल है। वर्तमान में, कर्नाटक में 6,000 लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षक और 4,000 सरकारी सर्वेक्षक काम कर रहे हैं। औसतन, प्रत्येक लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षक मासिक रूप से लगभग 23 आवेदनों को संसाधित करता है, जिससे लगभग 30,000 रुपये की आय होती है। लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षक पंजीकरण से पहले सर्वेक्षण करने और स्केच तैयार करने के लिए जिम्मेदार होते हैं, जिसे वे फिर पोर्टल पर अपलोड करते हैं।

उनके काम की सरकारी सर्वेक्षकों द्वारा समीक्षा की जाती है और संबंधित अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना से भूमि लेनदेन में दक्षता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण में वृद्धि हुई है, पोंगुलेटी ने कहा। मंत्री ने कहा कि करीब दो दशक पहले नियुक्त किए गए सर्वेक्षक कर्नाटक में काम करना जारी रखे हुए हैं और तेलंगाना में भी यही प्रणाली लागू करने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

सिंगरेणी ने एनएसपीसीएल के साथ 5 लाख टन कोयला आपूर्ति के लिए समझौता किया

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने गुरुवार को एनटीपीसी-सेल पावर कंपनी लिमिटेड (एनएसपीसीएल) के साथ इस वित्तीय वर्ष के लिए पांच लाख टन कोयला आपूर्ति के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। सिंगारेणी के चेयरमैन और एमडी एन. बलराम के आदेश पर, कोल मोमेंट के कार्यकारी निदेशक एसडीएम सुभानी, सिंगरेणी के महाप्रबंधक विपणन एन.वी. राजशेखर राव, एनएसपीसीएल के सीईओ दिवाकर कौशल, महाप्रबंधक नील कमल और पलाश की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर किए। राष्ट्रीय कोयला उत्पादक एनटीपीसी और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा गठित संयुक्त उद्यम कंपनी एनएसपीसीएल, सिंगरेणी से प्रस्तावित कोयले की आपूर्ति छत्तीसगढ़ के दुर्गापुर में स्थापित थर्मल पावर प्लांट को करेगी। एनएसपीसीएल अधिकारियों ने बताया कि सिंगरेनी कंपनी समय पर पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण कोयला उपलब्ध कराएगी, इसलिए वे कंपनी से कोयला खरीदने के लिए आगे आए हैं। विपणन विभाग के उप महाप्रबंधक श्रीनिवास राजू, सुरेन्द्र राजू और अन्य ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

ट्रैफिक कांस्टेबल ने आत्महत्या का प्रयास किया

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मधुरानगर में बुधवार रात एक ट्रैफिक कांस्टेबल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की।

पुलिसकर्मी तिरुमलगिरी पुलिस स्टेशन में काम करता है। रिपोर्ट के अनुसार कांस्टेबल घर के एक कमरे में गया और बेल्ट के सहारे छत के पंखे से लटकने की कोशिश की। जब परिवार के सदस्यों ने यह देखा तो वे तुरंत उसे अस्पताल ले गए। कांस्टेबल फिलहाल अस्पताल में भर्ती है।

कैंसर से लड़ने वाली बहुत महंगी कार-टी थेरेपी जल्द ही गरीब रोगियों के लिए सस्ती हो सकेगी

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वित्तपोषित चरण-1 परीक्षण के सफल परिणामों के बाद, कैंसर से लड़ने के लिए अभिनव लेकिन बहुत महंगी कार-टी थेरेपी जल्द ही गरीब रोगियों के लिए, विशेष रूप से सरकारी अस्पतालों में, अधिक सस्ती हो सकती है। आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित कैंसर अध्ययन, जो प्रतिष्ठित समकक्ष-समीक्षित पत्रिका मॉलिक्यूलर थेरेपी ऑन्कोलॉजी (मई/जून, 2025) में प्रकाशित हुआ है, दर्शाता है कि सीएआर-टी थेरेपी, जिसमें कैंसर से लड़ने के लिए रोगी की अपनी टी कोशिकाओं का उपयोग किया जाता है, को भारत में देखभाल के स्थान पर कम लागत पर सुरक्षित रूप से निर्मित और अंतःशिरा रूप से लगाया जा सकता है। अध्ययन के परिणामों से पता चलता है कि कार-टी थेरेपी, जो वर्तमान में सरकारी अस्पतालों में गरीब मरीजों की पहुंच से बाहर है और बहुत महंगी है, उसे सीधे अस्पताल या क्लिनिक में मरीजों के बिस्तर पर पहुंचाया जा सकता है। आईसीएमआर अध्ययन में लॉजिस्टिक्स में शामिल समय लेने वाली प्रक्रिया को कम करने या टालने की भी क्षमता है, क्योंकि इलाज वहीं उपलब्ध होगा जहां मरीज मौजूद है।

एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (ऑल), रक्त और अस्थि मज्जा का कैंसर, और बड़े बी-सेल लिम्फोमा (डीएलबीएल) के रोगियों ने इस उपचार को अपनाया। आईसीएमआर अध्ययन से पता चला है कि कार-टी सेल थेरेपी को सुरक्षित, प्रभावी और किफायती तरीके से देखभाल के बिंदु (बिस्तर के पास) पर रोगी की अपनी इंजीनियर प्रतिरक्षा कोशिकाओं का उपयोग करके कैंसर को लक्षित करने के लिए प्रशासित किया जा सकता है। चरण-I परीक्षणों के प्रमुख परिणामों में ल्यूकेमिया में 100 प्रतिशत छूट, लिम्फोमा में 50 प्रतिशत प्रतिक्रिया, 15 महीने में 80 प्रतिशत रोगी रोग मुक्त हो जाना और बिना किसी प्रमुख न्यूरोटॉक्सिसिटी के हल्के, प्रबंधनीय दुष्प्रभावों का अनुभव करना शामिल है। वर्तमान में, निजी अस्पताल मरीज की अपनी टी-कोशिकाओं को एकत्रित करते हैं, जो कैंसर से लड़ने के लिए उपयोग की जाने वाली एक प्रकार की श्वेत रक्त कोशिकाएं हैं, और उन्हें प्रयोगशाला में ले जाते हैं, जहां उनकी सतह पर विशेष प्रोटीन, जिन्हें काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर्स (सीएआर) कहा जाता है, का उत्पादन करने के लिए उन्हें आनुवंशिक रूप से इंजीनियर किया जाता है। संशोधित कार-टी कोशिकाओं को प्रयोगशाला में तब तक गुणा किया जाता है जब तक कि उनकी संख्या लाखों में न हो जाए। फिर, उन्हें वापस मरीज के रक्त प्रवाह में ले जाया जाता है और डाला जाता है। हालांकि, आईसीएमआर अध्ययन में, टी-कोशिकाओं को उसी अस्पताल (सीएमसी वेल्लोर) में संशोधित किया गया था जहां रोगी का इलाज चल रहा था। आईसीएमआर ने कहा कि बेहतर प्रतिक्रिया के लिए जमे हुए नहीं बल्कि ताजा इन्फ्यूजन दिए गए थे।

इसके अलावा, वर्तमान में निजी अस्पतालों में, टी-सेल संग्रह से लेकर उस बिंदु तक की प्रक्रिया को पूरा करने में कम से कम 3 से 5 सप्ताह लगते हैं, जहाँ कार-टी कोशिकाएँ आसवन के लिए तैयार होती हैं।

हालाँकि, आईसीएमआर-सीएमसी वेल्लोर के शोधकर्ताओं ने टर्न-अराउंड समय को घटाकर 9 दिन कर दिया है।आईसीएमआर के एक बयान में कहा गया, 'यह परीक्षण कैंसर थेरेपी को फिर से परिभाषित करता है- कुशलतापूर्वक, किफायती तरीके से और रोगियों के करीब। भारत वैश्विक प्रासंगिकता के साथ अगली पीढ़ी के इन-हाउस बायोथेरेपी विकसित करने में अग्रणी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'उन्होंने धर्म पूछकर ...

उन्होंने कहा कि भारत के बारे में पूरी दुनिया यह बात जानती है कि हमने हमेशा शांति को प्राथमिकता दी है। हम आमतौर पर युद्ध के समर्थक कभी नहीं रहे लेकिन स्थितियां जब इतनी विकट हो जाएं, जब देश की संप्रभुता पर आक्रमण हो तो जवाब देना आवश्यक हो जाता है।

पूरे देश में हमारी सेनाओं, हमारे सैनिकों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता :

राजनाथ ने कहा, पूरे देश में हमारी सेनाओं को, और हमारे सैनिकों को, एक सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। एक सशक्त राष्ट्र वही होता है जो अपनी सेनाओं को सम्मान के साथ-साथ आधुनिक हथियार और साजो-सामान भी दे, जिसकी उसे ज़रूरत है। मुझे गर्व है कि आज सरकार, हमारी सेनाओं के लिए यह सब कर रही है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने यह सुनिश्चित किया है कि हमारी सेनाएं हर परिस्थिति के लिए तैयार रहें। इसके लिए हम वर्ल्ड क्लास, बेहतरीन गुणवत्ता वाले साजो सामान अपनी सेनाओं को दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज, आधुनिक राइफल्स, मिसाइल डिफेन्स शील्ड, और ड्रोन्स जैसी नई पीढ़ी के कई उपकरण को तेज़ी से भारत में ही बनाया जा रहा है। इसके अलावा सीमावर्ती इलाकों में हमने जो काम किया है वो आप सब देख रहे होंगे। आज एलएसी और एलओसी पर जो कनेक्टिविटी है, वैसी पहले कभी नहीं थी।

देश की सरकार और जनता सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है :

राजनाथ सिंह ने कहा, एक बार फिर आप सभी को आपके शौर्य और पराक्रम के लिए मैं बधाई देता हूं। मैं आपको यह आश्वासन देता हूं, कि हमारे प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश की सरकार और देश की जनता, हर कदम पर, हर स्थिति में, आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके सहयोग से, हम इस पूरे क्षेत्र में आतंकवाद का समूल नाश करेंगे, ताकि कल को कोई भारत की संप्रभुता के खिलाफ आंख उठाने की भी हिमाकत न करें।

सुप्रीम कोर्ट की ...

तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अदालत ने कहा कि अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे ये 14 सवाल-

> राज्यपाल के समक्ष अगर कोई विधेयक पेश किया जाता है तो संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनके पास क्या विकल्प हैं?

> क्या राज्यपाल इन विकल्पों पर विचार करते समय मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे हैं?

> क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा लिए गए फैसले की न्यायिक समीक्षा हो सकती है?

> क्या अनुच्छेद 361 राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों पर न्यायिक समीक्षा को पूरी तरह से रोक सकता है?

> क्या अदालतें राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों की समयसीमा तय कर सकती हैं, जबकि संविधान में ऐसी कोई समयसीमा तय नहीं की गई है?

> क्या अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा लिए गए फैसले की समीक्षा हो सकती है?

> क्या अदालतें अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा फैसला लेने की समयसीमा तय कर सकती हैं?

> अगर राज्यपाल ने विधेयक को फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया है तो क्या अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की सलाह लेनी चाहिए?

> क्या राज्यपाल और राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः अनुच्छेद 200 और 201 के तहत लिए गए फैसलों पर अदालतें लागू होने से पहले सुनवाई कर सकती हैं।

> क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के द्वारा राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों में बदलाव कर सकता है?

> क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की मंजूरी के बिना राज्य सरकार कानून लागू कर सकती है?

> क्या सुप्रीम कोर्ट की कोई पीठ अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या से जुड़े मामलों को सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच को भेजने पर फैसला कर सकती है?

> क्या सुप्रीम कोर्ट ऐसे निर्देश/आदेश दे सकता है जो संविधान या वर्तमान कानूनों मेल न खाता हो?

> क्या अनुच्छेद 131 के तहत संविधान इसकी इजाजत देता है कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच विवाद सिर्फ सुप्रीम कोर्ट ही सुलझा सकता है?

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल में मुस्तफिजुर रहमान को मिलेंगे ऋषभ पंत से भी ज्यादा पैसे!

खेल डेस्क, 15 मई (एजेंसियां)। ऋषभ पंत, आईपीएल 2025 ही नहीं बल्कि आईपीएल इतिहास के भी सबसे महंगे खिलाड़ी है. लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 27 करोड़ रुपये में खरीदा है. मगर क्या आप जानते हैं कि दिल्ली कैपिटल्स ने जिस मुस्तफिजुर रहमान को रिप्लेसमेंट के तौर पर लिया है, उन्हें आईपीएल 2025 में खेलने के पंत से भी ज्यादा पैसे मिलने वाले हैं? तो क्या मुस्तफिजुर आईपीएल इतिहास में पंत से भी ज्यादा महंगे खिलाड़ी होंगे? और, सबसे बड़ा सवाल कि दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें फिर कितने में खरीदा है? वैसे तो बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान के आईपीएल 2025 में खेलने पर अभी सस्पेंस है, लेकिन, उस बीच आ रही ये जानकारी चौंकाने वाली है.

डीसी ने मुस्तफिजुर रहमान को कितने में खरीदा?

दिल्ली कैपिटल्स ने मुस्तफिजुर रहमान को जैक फ्रेजर के रिप्लेसमेंट के तौर पर लिया है. जैक फ्रेजर को दिल्ली कैपिटल्स ने 9 करोड़ रुपये में खरीदा था. मगर मुस्तफिजुर रहमान को खुद से जोड़ने के लिए उसने 6 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. अब आप सोचेंगे कि मुस्तफिजुर रहमान 6 करोड़ रुपये में ऋषभ पंत से महंगे कैसे हुए? तो हम ये बात हरेक मैच की कीमत के आधार पर कर रहे हैं.

मुस्तफिजुर रहमान को मिलेंगे ऋषभ पंत से ज्यादा पैसे?

आईपीएल 2025 के ग्रुप स्टेज पर हरेक टीम को 14-14 मुकाबले खेलने हैं. इसके बाद प्लेऑफ होगा, मगर उसकी तस्वीर अभी साफ नहीं. मुस्तफिजुर जिस दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े हैं या पंत जिस लखनऊ की टीम से खेल रहे हैं वो प्लेऑफ तक पहुंचेगी भी या नहीं, कहना मुश्किल है. लेकिन, इतना तय है कि ग्रुप स्टेज पर खेले जाने वाले 14 मुकाबले तो ये टीमें खेलती दिखेंगी ही.

अब उस आधार पर देखें तो 27 करोड़ रुपये में बिकने वाले ऋषभ पंत को 14 में से हरेक मैच खेलने के 1.9 करोड़ रुपये मिल रहे हैं. वहीं 6 करोड़ रुपये में बिके मुस्तफिजुर रहमान हरेक मैच खेलने के 2 करोड़ रुपये लेते दिखेंगे. ऐसा इसलिए क्योंकि दिल्ली कैपिटल्स के अब सिर्फ 3 ही मुकाबले ग्रुप स्टेज पर बचे हैं.

मुस्तफिजुर रहमान के खेलने पर सस्पेंस

हालांकि, ऐसा होगा तब जब मुस्तफिजुर आईपीएल 2025 में खेलने आएंगे. फिलहाल तो उनके लीग में खेलने पर सस्पेंस बना है. ये सस्पेंस उस वक्त गहराया जब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट खुद के यूएई के लिए जाने की जानकारी दी.

ऊपर से ऐसी भी खबर है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की तरफ से उन्हें एनओसी नहीं जारी की गई है. ऐसा इसलिए क्योंकि बांग्लादेश को 17 मई और 19 मई को यूओई से 2 टी20 मुकाबले खेलने हैं. उसके बाद 25 मई से पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश की 5 मैचों की टी20 सीरीज है.

बीसीसीआई के सामने 'झुका' साउथ अफ्रीका, 7 टीमों की हो गई बल्ले-बल्ले

खेल डेस्क, 15 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 फिर से शुरू होने जा रहा है। 17 मई को आरसीबी और केकेआर के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच इस टूर्नामेंट को 9 मई को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। ऐसे में विदेशी खिलाड़ी अपने-अपने देश वापस लौट गए थे। वहीं साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों के वापस आईपीएल 2025 में लौटने पर संशय बना हुआ था जो अब साफ हो चुका है।

बीसीसीआई ने क्रिकेट साउथ अफ्रीका से बात की और उनको मना लिया, जिसका बाद साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी आईपीएल 2025 के बाकी बचे मैच खेलते हुए दिखने वाले हैं। ऐसे में अब 7 टीमों की टेंशन कम होती हुई दिखाई दे रही है। अब आईपीएल 2025 के फाइनल मैच तक साउथ अफ्रीका के सभी खिलाड़ी भारत में ही रहेंगे। इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच 3 जून को खेला जाएगा। अफ्रीका के 20 खिलाड़ी आईपीएल 2025 का हिस्सा है।

कैफ बोले- टेस्ट खेलना जारी रखना चाहते थे विराट

चयन समिति ने नहीं दिया साथ; 12 मई को लिया था संन्यास

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। मोहम्मद कैफ का मानना है कि विराट कोहली इंग्लैंड सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार थे, लेकिन अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति का समर्थन उन्हें नहीं मिला।

कोहली ने 12 मई को इंस्टाग्राम पोस्ट पर टेस्ट से संन्यास का ऐलान किया था। हालांकि, उन्होंने टेस्ट से रिटायरमेंट को लेकर कोई वजह नहीं बताई थी।

रणजी खेलकर इस फॉर्मेट को जारी रखने के दिए थे संकेत

कैफ ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे लगता है कि वह इस फॉर्मेट में खेलना जारी रखना चाहते थे। इसको लेकर उनकी बीसीसीआई अधिकारियों और चयनकर्ताओं से बातचीत भी हुई होगी। चयनकर्ताओं ने पिछले 5-6 सालों में उनके प्रदर्शन का हवाला दिया होगा और उन्हें बताया होगा कि टीम में उनकी जगह अब नहीं हो सकती।'

उन्होंने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद रणजी ट्रॉफी खेलने से यह साफ था कि वह आगामी टेस्ट में वापसी करना चाहते थे। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें बीसीसीआई और चयनकर्ताओं से भी समर्थन मिलेगा, पर उन्हें नहीं मिला।

पिछले पांच सालों में टेस्ट में 3 शतक ही जड़े

कोहली के अगर पिछले सालों के प्रदर्शन को देखें तो पता चला कि उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है। उन्होंने इस बीच खेले 68 पारियों में केवल 2028 रन बनाए और तीन शतक ही लगाए। इस दौरान उनका करियर औसत घटकर 46 तक आ गया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ में शानदार शतक के साथ वापसी के संकेत दिखे, लेकिन बाकी दौरे में वह केवल 90 रन ही बना पाए और भारत 1-3 से सीरीज हार गया।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जल्दी में रन बनाने की कोशिश में दिखे

कैफ का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया में कोहली का जो एप्रोच दिखा उससे लगा कि वह इस फॉर्मेट से ऊब चुके हैं। वह जल्दी रन बनाने की कोशिश में दिखे। टेस्ट क्रिकेट में आपको घंटों क्रीज पर टिके रहना पड़ता है, जो उन्होंने पहले किया है, लेकिन बाहर जाती गेंद पर ड्राइव करने की कोशिश में लगातार एज लेना, इससे लगा कि उनका धैर्य कम हो गया था।

डायमंड लीग के दोहा चरण से अभियान का आगाज करेंगे नीरज

प्रतिभागियों में जेना भी शामिल

नई दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को यहां अपने डायमंड लीग अभियान की शुरूआत करेंगे तो उनकी नजरें इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारतीयों के बड़ी तादाद में होने से चोपड़ा को यहां काफी समर्थन मिलेगा। उनका सामना दो बार के विश्व चैम्पियन और 2024 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स, चेक गणराज्य के याकूब वाडलेश, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनिया के जूलियस येगो और जापान के रॉडरिक जेंकी डीन से होगा। ये सभी बड़ी स्पर्धाओं में नीरज के प्रतिद्वंद्वी रह चुके हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024 के स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के ही किशोर जेना भी 11 प्रतियोगियों में से हैं। जेना का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 87.54 मीटर है जो पिछली बार यहां 76.31 मीटर का थ्रो लगाकर नौवे स्थान पर रहे थे। वाडलेश ने यहां 88.38 मीटर के थ्रो के साथ खिताब जीता था जबकि चोपड़ा दो सेंटीमीटर पीछे रहे थे। पीटर्स 86.62 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर थे।

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने सबसे पहले 2018 में यहां डायमंड लीग में भाग लिया था और चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 2023 में यहां खिताब जीता और 2024 में दूसरे स्थान पर रहे। विश्व रिकॉर्डधारी कई बार के ओलंपिक चैम्पियन चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी से कोचिंग ले रहे चोपड़ा ने कहा, 'कतर में भारतीयों से मिलने वाले समर्थन से मैं हमेशा अभिभूत रहता हूं । मेरे पास उनका धन्यवाद करने के लिये शब्द नहीं हैं।' नीरज का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 89.94 मीटर है और वह इस बार 90 मीटर की बाधा पार करना चाहते हैं। जेलेज्नी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 98.48 मीटर रहा है। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर सिंह और पारूल चौधरी क्रमशः पुरूष और महिलाओं की 5000 और 3000 मीटर स्टीपलचेस में उतरेंगे। नीरज, पीटर्स, येगो, डीन और जेना को 24 मई को बेंगलुरू में नीरज चोपड़ा क्लासिक खेलना था लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण उसे स्थगित कर दिया गया।

सीबीएसई बोर्ड एग्जाम में फेल हो गए वैभव सूर्यवंशी?

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। देश भर में अभी 10वीं और 12वीं की परीक्षा के परिणामों के घोषित होने का वक्त है. सीबीएसई और स्टेट बोर्ड के रिजल्ट एक-एक कर आ रहे हैं, इसी बीच सोशल मीडिया पर वैभव सूर्यवंशी के भी रिजल्ट की खबर है, जो कि बोर्ड एग्जाम में फेल बताए जा रहे हैं. सामने आई खबर के मुताबिक वैभव सूर्यवंशी ने सीबीएसई बोर्ड से 10वीं का इम्तिहान दिया और फेल हो गए. अब ये वही बात हो गई कि खेल में हीरो और पढ़ाई में जीरो. मगर जो खबर सामने आई है, उसमें कितनी सच्चाई है, उसका पता लगाना भी जरूरी है.

सोशल मीडिया के हवाले से वैभव सूर्यवंशी के फेल होने की खबर की जब हमने पड़ताल की तो पाया कि ऐसा कुछ भी नहीं है. मतलब, वैभव सूर्यवंशी बोर्ड एग्जाम में फेल नहीं हुए. तो क्या वो इम्तिहान पास कर गए हैं. जी नहीं, ऐसा भी नहीं है. क्योंकि, पास और फेल का सवाल तो तब उठेगा जब वो परीक्षा में बैठेंगे. उसे देंगे. अब सवाल है कि जो खबर सामने आई वो फिर थी क्या? क्योंकि, बिना आग के तो धुआं उठता नहीं है.

जो खबर सोशल मीडिया पर वैभव सूर्यवंशी के 10वीं के बोर्ड एग्जाम में फेल होने को लेकर आई, वो दरअसल एक व्यंग्य है. उसमें सच जैसी कोई चीज नहीं है. उसमें लिखा गया है कि 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के 10वीं के सीबीएसई बोर्ड एग्जाम में फेल होने के बाद बीसीसीआई ने उनके एंसर शीट की डीआरएस शैली की समीक्षा का अनुरोध किया है.

10वीं के छात्र भी नहीं वैभव, आईपीएल 2025 में ठोका 35 गेंदों में शतक

अब रही बात की सच क्या है? तो पहली बात कि वैभव सूर्यवंशी अभी 10वीं के छात्र नहीं है. वो 9वीं क्लास में ही पढ़ रहे हैं. मतलब उनके बोर्ड एग्जाम में अभी वक्त है. 14 साल के सूर्यवंशी आईपीएल 2025 के दौरान 35 गेंदों में शतक जमाकर चर्चा में आए थे. उन्होंने उस इनिंग में 11 छक्के जड़े थे. वैभव सूर्यवंशी नाम बोर्ड एग्जाम में फेल होने वाले का नहीं बल्कि ये नाम है टी20 क्रिकेट की दुनिया में शतक ठोकने वाले सबसे युवा बल्लेबाज का.

हरमनप्रीत की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का हुआ ऐलान

मुंबई, 15 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहले पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इसके बाद दोनों टीमों की टक्कर वनडे फॉर्मेट में होगी। टी20 सीरीज की शुरुआत 28 जून से हो रही है। वहीं वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 16 जुलाई को खेला जाएगा। इस तरह लिमिटेड ओवरों की इस सीरीज में भारत और इंग्लैंड के बीच कुल मिलाकर कुल 8 मुकाबले खेले जाएंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में अनुभवी हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तान नियुक्त की गई हैं। वहीं ओपनर बैटर स्मृति मंधाना टीम की उप कप्तान नियुक्त की गई हैं। टीम में विस्फोटक ओपनर बैटर शेफाली वर्मा की वापसी हुई है। इसके अलावा सयाली सतघरे को भी इस फॉर्मेट के स्काड में शामिल किया गया है। वहीं वनडे सीरीज की बात करें तो श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, क्रांति गौड़, अमनजोत कौर और स्नेह राणा को स्क्वाड में बरकरार रखा गया है।

वनडे स्क्वॉडः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रॉड्रिग्ज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), तेजल हसबनीस, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुणधत्ति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन बैडमिंटन से बाहर

राजावत भी राउंड-1 में हारे, महिला वर्ग में आकर्षि, उन्नति अगले दौर में

बैंकॉक, 15 मई (एजेंसियां)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और प्रियांशु राजावत थाईलैंड ओपन के पहले राउंड से बाहर हो गए हैं। वहीं, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर अगले दौर में पहुंच गईं हैं। सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18-21, 21-9, 17-21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे गेम में वापसी की, लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया।

राजावत भी तीन गेम में हारे

मेंस सिंगल्स कैटेगरी में प्रियांशु राजावत को भी पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21-13, 17-21, 21-16 से मात दी। इस मुकाबले में प्रियांशु ने बड़े अंतर से गंवाया, लेकिन दूसरे गेम में शानदार कोर्ट कवरेज और दमदार खेल की बदौलत 21-17 की वापसी हासिल की। तीसरे गेम में प्रियांशु को 21-16 की पराजय झेलनी पड़ी।

आकर्षि-उन्नति ने तीसरे गेम में जीते मुकाबले

विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में आकर्षि कश्यप ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21-16, 20-22, 22-20 से हराया। वहीं, उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21-14, 18-21, 23-21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18-21, 7-21 से हार गई।

सुपरबेट क्लासिक में प्रज्ञानंद संयुक्त रूप से शीर्ष पर

गुकेश को अब भी पहली जीत की तलाश

बुखारेस्ट (रोमानिया), 15 मई (एजेंसियां)। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड शतरंज टूर के सुपरबेट क्लासिक के सातवें दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के साथ ड्रॉ खेलकर अपनी संयुक्त बढ़त बरकरार रखी। संभावित सात में से चार अंक लेकर प्रज्ञानंद अमेरिका के फैबियानो करुआना, फ्रांस के मैक्सिम वचियेर-लाग्रेव और फिरोजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

विश्व चैंपियन डी गुकेश का प्रतियोगिता में जीत का इंतजार जारी रहा। उन्होंने अमेरिका के वेस्ली सो के साथ ड्रॉ खेला। टूर्नामेंट में दो और दौर का खेला बाकी है और ऐसा लगता है कि शीर्ष पर चल रहे चार खिलाड़ियों में से कोई एक ट्रॉफी और एक लाख अमेरिकी डॉलर की शीर्ष पुरस्कार राशि जीत सकता है। सात बाजी में सिर्फ ढाई अंक के साथ गुकेश स्पष्ट रूप से प्रतियोगिता में छाप छोड़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

ऑटो चालक के बेटे ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स के ट्रिपल जंप में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

वाराणसी, 15 मई (एजेंसियां)। संघर्षों की भट्ठी में तपकर कुंदन बनने की कहानी को चरितार्थ करते हुए शेख जिशान ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स के ट्रिपल जंप में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। एक ऑटो चालक के बेटे की यह शानदार उपलब्धि न केवल उसके परिवार के लिए बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और वाराणसी के खेल समुदाय के लिए गर्व का पल है।

बिहार के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित एथलेटिक्स ग्राउंड में 12 से 14 मई तक आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए, शेख जिशान ने ट्रिपल जंप इवेंट में अपना दमखम दिखाया। उन्होंने 15.66 मीटर की छलांग लगाकर न सिर्फ स्वर्ण पदक जीता, बल्कि एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी कायम किया। शेख जिशान वर्तमान में वाराणसी के विकास इंटर कॉलेज, परमानंदपुर में अध्ययनरत हैं। उनका पैतृक गांव प्रयागराज जनपद के सिसई सिपाह, पोस्ट नसरतपुर में है।

जिशान के पिता अमीनुद्दीन मुंबई में ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी मां एक गृहिणी हैं।

जिशान के दो भाई और तीन बहनें हैं। आर्थिक चुनौतियां होने के बावजूद, जिशान ने हार नहीं मानी और अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाया।

खेल के प्रति जिशान का लगाव अपने गांव में लोगों को खेलते देखकर ही पनपा था। इस जुनून ने उन्हें एथलेटिक्स में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। जुलाई 2022 से, वह खेल विभाग उत्तर प्रदेश की ओर से संचालित एथलेटिक्स छात्रावास, डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम, बड़ा लालपुर, वाराणसी में रहकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यहां उन्हें एथलेटिक्स प्रशिक्षक डॉ. मंजूर आलम अंसारी का मार्गदर्शन मिल रहा है, जिन्होंने जिशान की प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यूपी बास्केटबॉल टीम पहुंची फाइनल में

बिहार में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में उत्तर प्रदेश की बास्केटबॉल पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इसमें काशी के तीन खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा है। यूपी टीम में यूपी कॉलेज स्थित भारतीय खेल प्राधिकारण (साई) सेंटर में प्रशिक्षण ले रहे तीन खिलाड़ियों भी शामिल हैं। क्षेत्रीय उप निदेशक सुधांशु द्विवेदी ने बताया कि इनमें चंदौली के राज सिंह, संतअतुलानंद विद्यालय के सुमित सिंह और वाराणसी के प्रणव सिंह शामिल हैं।

हॉकी में अभिजीत को रजत पदक

खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स में उत्तर प्रदेश की हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस पदक विजेता टीम में जिले के होनहार खिलाड़ी अभिजीत पाल भी शामिल रहें, जिन्होंने फॉर्वर्ड खिलाड़ी के तौर पर टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विकास इंटर कॉलेज, परमानंदपुर के छात्र अभिजीत पाल वाराणसी के डॉ. भीमराव अंबेडकर क्रीड़ा संकुल, बड़ा लालपुर में हॉकी का प्रशिक्षण लेते हैं। वह कोच अकरम महमूद की देखरेख में लगातार अपनी खेल प्रतिभा को निखार रहे हैं।

राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में डॉ. अंजना का चयन

बनारस की प्रख्यात योग प्रशिक्षक डॉ. अंजना त्रिपाठी का चयन राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

यह प्रतियोगिता आगामी 15 जून को दिल्ली में आयोजित की जाएगी। डॉ. अंजना त्रिपाठी उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह प्रतियोगिता अखिल भारतीय योग महासंघ द्वारा पहली बार आयोजित की जा रही है।

एसवीआईएमएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी : टीटीडी

तिरुपति, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के चेयरमैन बी आर नायडू ने कहा कि तिरुपति में टीटीडी द्वारा संचालित एसवीआईएमएस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू की अध्यक्षता में एसवीआईएमएस कॉन्फ्रेंस हॉल में गवर्निंग काउंसिल की बैठक हुई।

इस अवसर पर चेयरमैन ने कहा कि पूर्व टीटीडी ईओ आई.वी. सुब्बा राव की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति ने अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन, चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग कार्य, बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञों की सेवाएं, फंड संग्रह और अन्य मुद्दे शामिल हैं।

टीटीडी बोर्ड विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर चर्चा करेगा और राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार आवश्यक संशोधन करेगा। इस अवसर पर टीटीडी ईओ जे. श्यामला राव ने कहा कि एसवीआईएमएस एक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान है, जिसे 2021 में टीटीडी को सौंप दिया गया था। टीटीडी पूर्ण समर्थन और 100 करोड़ रुपये का ऋण दे रहा है। उन्होंने कहा कि एसवीआईएमएस की स्थापना गरीब लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए की गई थी और यहां हर साल 18,000 सर्जन, 4.50 लाख से अधिक बाह्य रोगी और 47 हजार से अधिक आंतरिक रोगी चिकित्सा सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश गरीब हैं। उन्होंने कहा कि एसवीआईएमएस में भविष्य की पीढ़ियों के अनुरूप योजना के अनुसार नए भवनों का निर्माण किया जा रहा है और ऑन्कोलॉजी और बाल स्वास्थ्य देखभाल के लिए निर्माण किए जा रहे हैं। ऑन्कोलॉजी को नंबर एक क्षेत्र के रूप में लेने के लिए, एसवीआईएमएस में संकाय, मानव संसाधन, बुनियादी ढांचे, निर्माण, धन जुटाने, विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाओं और कई अन्य समस्याओं को हल करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाई गई है और इस समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट पर सामान्य परिषद द्वारा चर्चा की गई। इससे पहले टीटीडी चेयरमैन ने टीटीडी से संबद्ध एसवीआईएमएस में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से बन रहे कैंसर भवन का निरीक्षण किया।

391 बेड वाले नए कैंसर भवन, उसके 05 ऑपरेशन थियेटर और उपकरणों का निरीक्षण किया गया। बाद में उन्होंने मंत्रालयम के कुरनूल जिले से आए अन्नाभाई (24 वर्ष) से बातचीत की, जिनका कार्डियोथोरेसिक विभाग में सर्जिकल विभाग में इलाज चल रहा है, बी. बंसिका (2 वर्ष) से बातचीत की और प्रदान की जा रही स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं के बारे में जानकारी ली। टीटीडी बोर्ड प्रमुख ने नेल्लोर जिले के कालीगिरी, कडप्पा जिले के ओबुलवारीपल्ली, चित्तूर जिले के पलासमुद्रम और तिरुपति जिले के श्री कला हस्ती से आए मरीजों को प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं के बारे में भी जानकारी ली।

विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष श्री आई. वी. सुब्बाराव के अलावा, सदस्य डॉ. जे. एस. एन. मूर्ति, तेजोमूर्थुला रामोजी, डॉ. चेन्नामसेट्टी विजय कुमार, एसवीआईएमएस निदेशक डॉ. आर. वी. कुमार, टीटीडी बोर्ड के सदस्य एन. सदाशिवराव, जेईओ वी. वीरब्रह्मम, सीई श्री सत्यनारायण भी उपस्थित थे। जबकि स्वास्थ्य विशेष सीएस एम. टी. कृष्णबाबू, टीटीडी बोर्ड सदस्य सुचित्रा एला, बंदोबस्ती सचिव विनय चंद और अन्य ने वस्तुतः भाग लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने गच्चीबावली में पेड़ों की कटाई पर कड़ी फटकार लगाई

नई दिल्ली/हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ने सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को हैदराबाद के कांचा गाच्चीबावली में वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई को लेकर तेलंगाना सरकार को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की अगुवाई वाली पीठ ने लंबे सप्ताहांत के दौरान किए गए वनों की कटाई पर गहरी चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि अगर वनों की बहाली नहीं की गई तो अवमानना कार्यवाही की जाएगी।

'यह राज्य पर निर्भर करता है कि वह जंगल को बहाल करना चाहता है या नहीं। यदि आप चाहते हैं कि मुख्य सचिव और आधा दर्जन अधिकारी अस्थायी जेल में स्थानांतरित हो जाएं, तो हम ऐसा कर सकते हैं,' सीजेआई गवई ने राज्य सरकार द्वारा अवकाश के बाद सुनवाई के अनुरोध के बाद स्वत: संज्ञान मामले को 23 जुलाई तक के लिए स्थगित करते हुए टिप्पणी की। कानूनी समाचार प्रकाशक लाइव लॉ के अनुसार, न्यायालय ने पाया कि पेड़ों की कटाई पहले से ही नियोजित थी, तथा इस गतिविधि के समय और पैमाने की आलोचना की।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'यदि आप सच्चे हैं, तो लंबी छुट्टी के दौरान वनों की कटाई क्यों शुरू की गई? दर्जनों बुलडोजरों की व्यवस्था की गई थी। प्रथम दृष्टया यह योजनाबद्ध था।' राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दावा किया कि सभी गतिविधियाँ रोक दी गई हैं और वनीकरण के प्रयास जारी हैं। हालाँकि, वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर ने इसका विरोध किया कि संबंधित स्थल पर ऐसी कोई गतिविधि नहीं हो रही थी और उन्होंने वन सेवा रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें पुष्टि की गई थी कि वनों की कटाई वाले 60 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र मध्यम से लेकर अत्यधिक घने जंगल थे। न्यायालय ने पेड़ों की कटाई पर अपने पिछले स्थगन को दोहराया और राज्य को क्षेत्र में वन्यजीवों की रक्षा करने के अपने निर्देश की याद दिलाई।

सीजेआई ने चेतावनी देते हुए कहा, 'हम सतत विकास के पक्षधर हैं, लेकिन यहां सवाल वनों की कटाई के लिए लंबी छुट्टी का गलत फायदा उठाते हुए हजारों पेड़ों की कटाई का है।' उन्होंने संकेत दिया कि अगर राज्य कार्रवाई करने में विफल रहता है, तो मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों को जेल हो सकती है।

बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के लिए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री जिम्मेदार : केटीआर

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने हैदराबाद विश्वविद्यालय से सटे कांचा गच्चीबावली में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के लिए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने अधिकारियों को उनके गलत कामों के लिए सुप्रीम कोर्ट के क्रोध का सामना करने के लिए मजबूर करने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। गुरुवार को अपनी हालिया सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठाया और चेतावनी दी कि जब तक बहाली नहीं की जाती, तब तक अवकाश अवधि के दौरान वन भूमि को नष्ट करने पर अवमानना कार्रवाई की जाएगी। रामा राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी के गलत कामों ने तेलंगाना के अधिकारियों को जेल की कगार पर ला खड़ा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांचा गच्चीबावली जंगल की तत्काल बहाली पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है, अन्यथा रेवंत रेड्डी को कानूनी नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'जवाबदेही से बचने के प्रयास सफल नहीं होंगे, न्याय जवाब मांगता है।' बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांचा गच्चीबावली की जमीन को बेचने की कोशिश को भ्रष्टाचार और विश्वासघात करार दिया, जिसमें 10,000 करोड़ रुपये का घोटाला शामिल है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा लंबे सप्ताहांत में बुलडोजर चलाकर निगरानी को दरकिनार करना और हरियाली को नष्ट करना पर्यावरण कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने कहा, 'ये लापरवाह हरकतें हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को खतरे में डालती हैं और कानून के शासन को कमजोर करती हैं। कांचा गच्चीबावली के जंगलों को संरक्षित किया जाना चाहिए, और अब समय आ गया है कि आप (रेवंत रेड्डी) इस पूरी गड़बड़ी की जिम्मेदारी लें।

तेलंगाना के प्रवासी मजदूर की मलेशिया में मौत

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल जिले के एक प्रवासी मजदूर करम नरसैया की मलेशिया में मौत हो गई। नरसैया पिछले पांच महीने से लापता था और उसका शव बरामद हुआ। जगतियाल ग्रामीण मंडल के हब्सीपुर निवासी नरसैया पिछले 23 वर्षों से मलेशिया में रह रहे थे। प्रवासी मजदूर जो नियमित रूप से फोन पर अपने परिवार के सदस्यों से बात करते थे, पिछले पांच महीनों से उन्हें फोन नहीं किया है।मंगलवार को परिवार के सदस्यों ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता टी जीवन रेड्डी से मुलाकात की और उनसे नरसैया का पता लगाने के लिए पहल करने का अनुरोध किया। अनुरोध पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए जीवन रेड्डी ने एनआरआई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष मंडा भीम रेड्डी से नरसैया का पता लगाने को कहा। मलेशिया में बसे गजंगी रंजीत ने नरसैया की मौत की पुष्टि की और शव को कुआलालंपुर के पेटलिंग शवगृह में पाया। रंजीत ने भारतीय उच्चायोग से समन्वय करके शव को हैदराबाद भेजने का आश्वासन दिया। जगतियाल ग्रामीण मंडल के कल्लेडा के मूल निवासी रणजी मलेशिया में उच्च पद पर कार्यरत हैं।

मिस वर्ल्ड प्री-इवेंट के दौरान तेलंगाना की संस्कृति और महिलाओं का अपमान

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए वारंगल में मिस वर्ल्ड प्री-इवेंट के दौरान तेलंगाना की संस्कृति और महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग कर रही है, जबकि महिलाओं, किसानों और गरीबों की बुनियादी जरूरतों को नजरअंदाज कर रही है। गुरुवार को तेलंगाना भवन में बोलते हुए पूर्व विधायक गोंगिडी सुनीता ने तेलंगाना की महिलाओं से विदेशी सौंदर्य प्रतियोगिता प्रतिभागियों के पैर धुलवाने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने सौंदर्य प्रतियोगियों को जूते पहनकर बतुकम्मा खेलने की अनुमति देने पर आपत्ति जताई। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से माफ़ी मांगते हुए कहा, 'बतुकम्मा तेलंगाना की महिलाओं के लिए देवी है। चप्पल पहनकर प्रतियोगियों को यह प्रदर्शन कैसे करवाया जा सकता है?' उन्होंने देवी-देवताओं के अपमान पर भाजपा नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मिस वर्ल्ड इवेंट पर सरकार के बेतहाशा खर्च की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'सौंदर्य प्रतियोगिता के आयोजन पर करीब 200 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि मुलुगु में किसानों की 200 एकड़ धान की फसल बाढ़ में बर्बाद हो गई। क्या उस पैसे से किसानों की मदद नहीं हो सकती थी?' पलवई श्रावंती ने पैर धोने की घटना को तेलंगाना के आत्मसम्मान पर धब्बा बताया और सवाल उठाया कि महालक्ष्मी योजना का लाभ आज तक तेलंगाना की महिलाओं को क्यों नहीं दिया गया।बीआरएस नेता वाई सतीश रेड्डी ने पूर्व मंत्री केटी रामा राव द्वारा आयोजित फॉर्मूला-ई रेस से तुलना की , जिसने तेलंगाना में 700 करोड़ रुपये का कारोबार किया। उन्होंने पूछा, 'इस 200 करोड़ रुपये के ब्यूटी शो से तेलंगाना को क्या मिला?'

मंत्री ने दिवंगत टीडीपी नेता वीरैया चौधरी के परिजनों से मुलाकात की

अमरावती, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार के मंत्री नारा लोकेश ने टीडीपी नेता और पूर्व एमपीपी मुप्पावरापु वीरैया चौधरी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जिनकी हाल ही में ओंगोल में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। मंत्री अम्मानाब्रोलु, नागुलुप्पलापाडु मंडल, प्रकाशम जिले में दिवंगत नेता निवास पर गए। मंत्री ने वीरैया चौधरी के चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि मुझे वीरैया चौधरी के साथ अपने संबंध याद आ गये। वीरैया चौधरी ने युवगलम में मेरे साथ कदम रखा। उन्होंने पार्टी की मजबूती के लिए काम किया। वीरैया चौधरी की नृशंस हत्या दुःखद है। हत्यारों को कड़ी सजा दी जाएगी। पार्टी वीरैया चौधरी के परिवार को हर तरह से समर्थन देगी। मंत्री उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हैदराबाद और उसके आसपास के जिलों में भीषण तूफान

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और पड़ोसी जिलों मेडचल-मलकाजगिरी और रंगारेड्डी जिले के लोगों को गुरुवार को तेज आंधी, तेज हवाओं और बादल छाए रहने के बीच जागना पड़ा। तेलंगाना राज्य के कई जिलों में व्यापक तूफान की भी सूचना मिली है तथा कुछ क्षेत्रों में बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक 94.3 मिमी तक वर्षा हुई।

अधिकतम वर्षा वाले जिलों के कुछ क्षेत्रों में कोहिर (संगारेड्डी) (94.3 मिमी), टेकमल (मेडक) 89.5 मिमी, चंदमपेट (नलगोंडा) (80 मिमी), पुलकल (संगारेड्डी) 75.8 मिमी और कडथल (रंगारेड्डी) (69.5 मिमी) शामिल हैं। हैदराबाद और उसके आसपास के कई स्थानों पर 20-25 मिनट तक भारी तूफान आने की खबर है, जिसके बाद तेज हवाएं चलीं और बादल छाए रहे। हैदराबाद में, राजेंद्रनगर, अट्टापुर, चारमीनार, आरामघर, चंद्रयानगुट्टा, मेहदीपट्टनम, टोलीचौकी, शेखपेट, बंजारा हिल, जुबली हिल्स, माधापुर, गाचीबोवली, नरसिंगी और सेरिलिंगमपल्ली मंडल के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में तूफान सक्रिय थे। सिकंदराबाद के कई हिस्सों, त्रिमुलघेरी, डॉ. एएस राव नगर, कपरा, ईसीआईएल, नगरम, मेरेडपल्ली आदि सहित शहर के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में भी रात भर और सुबह-सुबह बारिश दर्ज की गई। बुधवार रात और गुरुवार सुबह 8.30 बजे के बीच, हैदराबाद के कुछ क्षेत्रों में अधिकतम वर्षा हुई, जिसमें डीईओ कार्यालय, बीएचईएल फैक्ट्री, रामचंद्रपुरम (44 मिमी), रामचंद्रपुरम (35.5 मिमी), मैलारदेवपल्ली, राजेंद्रनगर (33.5 मिमी), बहादुरपुरा में किशनबाग सरकारी हाई स्कूल क्षेत्र (20.8 मिमी), चंदनगर में पीजेआर स्टेडियम (18.5 मिमी) और सेरिलिंगमपल्ली में एमएमटीएस लिंगमपल्ली (16.8 मिमी), पाटनचेरु (15.8 मिमी), राजेंद्रनगर में शिवरामपल्ले (14.8 मिमी) और चंदूलाल बारादरी खेल परिसर, दूधबावली (बहादुरपुरा) (12.8 मिमी) शामिल है।

चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

संगारेड्डी, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी पुलिस ने चोरों के एक चार सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार कर उनके पास से 29 तोले सोने के आभूषण, 47 तोले चांदी के आभूषण, 4 लाख रुपये नकद और एक दोपहिया वाहन बरामद किया।

आरोपियों में मार्ला यादगिरी, उनकी पत्नी अनीता, दंपत्ति की करीबी रिश्तेदार तलारी लक्ष्मी और परिवार का एक 17 वर्षीय लड़का शामिल है। डीएसपी सत्तैया गौड़ ने बताया कि गिरोह संगारेड्डी, विकाराबाद जिले और साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के विभिन्न पुलिस थानों में चोरी के 53 मामलों में शामिल था। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और रिमांड पर लिया गया।

तेलंगाना की ऐतिहासिक चीनी मिलों की नहीं बदली सूरत

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की ऐतिहासिक चीनी मिलों, खास तौर पर निज़ाम शुगर फैक्ट्री और निज़ामाबाद सहकारी चीनी मिल को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। कांग्रेस नेतृत्व ने समयबद्ध कार्यक्रम के तहत इन मिलों को फिर से खोलने पर विशेष ध्यान देने का आश्वासन देकर पारंपरिक गन्ना उत्पादकों के बीच कुछ उम्मीद जगाई है, लेकिन ठोस प्रगति अभी भी मायावी बनी हुई है।

कभी एशिया की सबसे बड़ी चीनी मिल रही एनएसएफ ने वित्तीय घाटे और घटते गन्ना उत्पादन के कारण परिचालन बंद कर दिया। 2023 के तेलंगाना चुनावों के दौरान, कांग्रेस ने एनएसएफ के पुनरुद्धार को अपने घोषणापत्र में शामिल किया, जिसमें राहुल गांधी ने चीनी मिलों को फिर से खोलने और गन्ना खेती को मजबूत करने का वादा किया। सत्ता में आने के बाद, सीएम ए रेवंत रेड्डी ने समाधान तलाशने के लिए उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू की अध्यक्षता में एक कैबिनेट उप-समिति बनाई। समिति को वित्तीय चुनौतियों, लंबित बकाया और किसानों की जरूरतों का अध्ययन करने का काम सौंपा गया था। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने एनएसएफ से संबंधित बकाया बैंक ऋणों को चुकाने के लिए 43 करोड़ रुपये के आवंटन का संकेत दिया, लेकिन इसे पिछले साल संसदीय चुनावों से पहले किसानों को लुभाने के लिए एक प्रलोभन के रूप में देखा गया। यह तर्क दिया जाता है कि पूर्ण पुनरुद्धार के लिए 700 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी। एक स्थायी पुनरुद्धार योजना विकसित करने के प्रयास में, सरकार ने बोधन इकाई को फिर से खोलने के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए एक कंसल्टेंसी फर्म को काम पर रखा, जिसकी रिपोर्ट 2025 की शुरुआत में आने की उम्मीद है। अधिकारियों ने निज़ामाबाद, मेडक और करीमनगर में गन्ना किसानों की भी पहचान की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य में उत्पादन कारखाने के संचालन को बनाए रख सके। लेकिन पहल ने गति खो दी है जबकि किसानों ने भी गन्ने की खेती पर वापस जाने की उम्मीद छोड़ दी है। जैसे ही गन्ना किसानों ने सरकार से पुनरुद्धार योजनाओं पर सवाल उठाना शुरू किया, कांग्रेस नेताओं ने नई समयसीमा तय करके उन्हें शांत करने की कोशिश की। लेकिन आज तक, इनमें से किसी भी मिल ने उत्पादन फिर से शुरू नहीं किया है।

किसानों के लिए, इस देरी के गंभीर आर्थिक परिणाम हुए हैं। एनएसएफ के बंद होने से कई लोगों को या तो अपना गन्ना कामारेड्डी में निजी मिलों में ले जाना पड़ा या फिर धान की खेती के पक्ष में फसल को पूरी तरह से त्यागना पड़ा।तेलंगाना में चीनी की उच्च रिकवरी दर के बावजूद, प्रसंस्करण इकाइयों की कमी के कारण गन्ना खेती कई लोगों के लिए लाभहीन हो गई है। रैतु ऐक्य वेदिका के सदस्यों सहित कई किसान देरी पर सवाल उठा रहे हैं। पिछले गन्ना पेराई सत्र के दौरान उन्हें कोई उम्मीद नहीं दिखी। और उन्हें आने वाले सत्र के लिए भी कोई बड़ी उम्मीद नहीं दिखती। एनएसएफ और एनसीएसएफ के भाग्य को अधर में लटकाए रखने के साथ, गन्ना किसान आंदोलन के तरीकों का सहारा लेने के बारे में सोच रहे हैं। एनएफसी क्षेत्र के एक पारंपरिक गन्ना किसान ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि किसान गन्ना उगाना जारी रखते हैं और कामारेड्डी सहित निजी कारखानों को आपूर्ति करते हैं। लेकिन रसद और परिवहन लागत के कारण यह प्रयास लाभहीन हो रहा है।

कांग्रेस सरकार के अधूरे वादों पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में चीनी मिलों के स्वामित्व वाली भूमि की कीमत 200 गुना से अधिक बढ़ गई है। बोधन फैक्ट्री की ज़मीनें शहरी इलाकों के आस-पास हैं। ऊंचे पदों पर बैठे राजनीतिक नेता गन्ना किसानों के दीर्घकालिक हितों की बजाय ज़मीनों के रियल एस्टेट मूल्य में ज़्यादा दिलचस्पी रखते हैं। किसानों का कहना है कि अब न सिर्फ़ किसानों के हितों की रक्षा करने का समय है, बल्कि राज्य की सबसे अहम संपत्ति, फैक्ट्रियों वाली ज़मीनों को भी बचाने का समय है।

मॉडल स्कूल में प्रवेश के लिए प्रिंसिपल से मिलें अभ्यर्थी

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कक्षा VI से X में प्रवेश के लिए 27 अप्रैल को तेलंगाना मॉडल स्कूल एडमिशन टेस्ट-2025 आयोजित किया गया। प्रत्येक स्कूल में कक्षा VI में 100 की दर से प्रवेश के लिए तथा कक्षा VII से X की रिक्त सीटों के लिए कुल 40331 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है, जिनमें से 30,884 ने प्रवेश परीक्षा-2025 दी है।

इस संबंध में कक्षा VI के लिए चयनित विद्यार्थियों की सूची तथा कक्षा VII से X के लिए मेरिट सूची तैयार की गई है तथा संबंधित मॉडल स्कूलों के प्रिंसिपल को स्कूलवार जानकारी दी गई है। प्रवेश परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे प्रवेश तथा अन्य जानकारी के लिए आवेदन पत्र, हॉल टिकट तथा अन्य सहायक दस्तावेजों की प्रतियों के साथ संबंधित मॉडल स्कूलों के प्रिंसिपल से संपर्क करें।

जागृति अध्यक्ष व एमएलसी कविता ने पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 15 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एनजीओ तेलंगाना जागृति ने घोषणा की है कि वह 2 जून को तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर युवा कवियों की एक सभा आयोजित करेगी। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और बीआरएस पार्टी एमएलसी कलवकुंतला कविता ने तेलंगाना सारस्वत परिषद में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के पोस्टर का अनावरण किया। इस अवसर पर बोलते हुए एमएलसी कविता ने कहा कि युवा कवियों की यह सभा तेलंगाना की जीवनशैली की विशिष्टता को प्रदर्शित करने और युवाओं में साहित्यिक चेतना और जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित की जा रही है। कविता ने युवा कवियों से तेलंगाना के दर्शन, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक वैभव, भाईचारे, सहिष्णुता, अखंडता और समाज की सामूहिक भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए अपने सपनों को तेज करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक कवियों की आयु 35 वर्ष से कम होनी चाहिए और उन्होंने कहा कि कविताएं तेलुगु, हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू भाषाओं में सुनाई जा सकती हैं।

CHANGE OF NAME & DOB

I, Smt Gantla Mahalakshmi mother of Service No 15718646M, Rank - Nk, Name - Gantla Rama Rao of 3 Corps Op Sig Regt resident of Vill - Vepagunta , PO- Vepagunta, Teh - Pendurthi, Distt - Visakhapatnam (Andhrapradesh) declare that in my son's service records my name mentioned as Gantla Mahalaxmi and DOB is 12 Jan 1963 which is wrong and my correct name is Gantla Mahalakshmi and DOB is 18 Jun 1960 vide Affidavit dt 12 May 25 at Visakhapatnam

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.